राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 आईपीएल 2024 इज्जत कमानी पड़ती है, प्लेऑफ का सफर ...

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट से नेतन्याहू के खिलाफ वारंट जारी करने की अपील ... 12

वर्ष : 12 | अंक : 41 | पटना, बुधवार, 22 मई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम अधिकतम तापमान 31°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

संक्षिप्त खबरें

पांचवें चरण में मतदान 60.48 प्रतिशत

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में विभिन्न क्षेत्रों में भीषण गर्मी और लू के बीच सोमवार को आठ राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 49 सीटों पर औसतन 60.48 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार सोमवार की सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान चला। छिटपुट घटनाओं और कहीं इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की खराबी के अलावा कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण रहा। पांचवें चरण में ओडिशा विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 35 सीटों पर भी मतदान कराया गया, जिसमें इन सीटों के 69.34 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया है। आयोग की ओर से कल देर रात बजे जारी आंकड़ों के अनुसार पांचवें चरण में पश्चिम बंगाल की सात सीटों पर सर्वाधिक 76.05 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि सबसे धीमा मतदान महाराष्ट्र में हुआ, जहां 54.33 प्रतिशत मत पड़े। आयोग के अनुसार, मतदान कुल मिलाकर शांति पूर्ण रहा।

इस चरण में बिहार की कुल 40 सीटों में कुल पांच सीटों के लिये मतदान में 54.33 प्रतिशत वोट डाले गये। झारखंड में 14 में से तीन सीटों पर कराये गये मतदान में 63.09 प्रतिशत मतदान हुआ। महाराष्ट्र की कुल 48 में से 13 सीटों पर 54.33 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

पीएम मोदी जनता से कर रहे हैं विश्वासघात : खडगे

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर झूठ फैलाने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह झूठ बोलकर सत्ता में आए और पिछले 10 साल से देश की जनता से वह विश्वासघात ही कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अब प्रधानमंत्री के झूठ से लोग उकता चुके हैं और लोग भाजपा से किनारा कर रहे हैं। यही वजह है कि अब तक हुए चुनाव में भाजपा की सुनिश्चित हार को देखते हुए मोदी बौखला गए हैं और वह उल्टे सीधी बयान दे रहे हैं। खडगे ने कहा ह्लमोदी झूठ बोलकर और ध्रुवीकरण करके सत्ता में आये। प्रधानमंत्री अब जो दावा कर रहे हैं वह बचकाना है और मुझे उनसे सहानुभूति है। उनके भाषण अब काम नहीं कर रहे हैं, क्योंकि भारत की जनता को सच्चाई का एहसास हो गया है। इंडिया समूह अगली सरकार बनाएंगी।

पीएम ने बिहार में चुनावी सभा को किया संबोधित, राजद-कांग्रेस पर बोला हमला

बाबासाहब नहीं होते तो नेहरू जी एससी-एसटी को आरक्षण नहीं मिलने देते : मोदी

एससी, एसटी और ओबीसी भाजपा-राजग के शासनकाल में सबसे ज्यादा सुरक्षित

प्रातः किरण

मोतिहारी/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बाबासाहब भीमराव आंबेडकर नहीं होते तो पंडित जवाहरलाल नेहरू अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को आरक्षण नहीं मिलने देते। प्रधानमंत्री ने यह आरोप भी लगाया कि विपक्षी इंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की राजनीति और सनातन विरोधी सोच के साथ खड़ा है और चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के साथ ही इन सभी को बड़ा झटका लगेगा। बिहार के पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, बाबासाहब आंबेडकर ना होते तो नेहरू जी एससी-एसटी को आरक्षण नहीं मिलने देते। उन्होंने तो मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसका विरोध किया था। नेहरू जी से लेकर राजीव गांधी तक इस परिवार के जितने प्रधानमंत्री हुए, सबने ओबीसी आरक्षण का विरोध किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास एक ही वोट बैंक आज बचा है और वे उसे खुश करने के लिए एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण धर्म के आधार पर आपसे छीनकर वोट जिहाद वालों को देना चाहते हैं। संविधान इसकी इजाजत नहीं देता इसलिए ये संविधान बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मोदी का ट्रैक रिकॉर्ड आपके सामने है। 10 साल में करीब-करीब चार सौ सांसदों का हमें समर्थन रहा जिसका उपयोग पिछड़ों, वंचितों को सशक्त करने के लिए किया गया है। राजग ने पहले दलित बेटे को और फिर हमारे देश की आदिवासी बेटी को संविधान के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर बिठाया। हमारी सरकार है जिसने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। मोदी ने कहा, पहले केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूलों में ओबीसी आरक्षण नहीं था, मोदी सरकार ने आरक्षण लागू किया। मेडिकल पढ़ाई में भी केंद्रीय कोटा में पहली बार ओबीसी आरक्षण हमने लागू किया। एससी, एसटी और ओबीसी सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं तो भाजपा-राजग के शासनकाल में हैं। सामाजिक न्याय की ऐसी हर गारंटी को पूरा करने के लिए आपको केंद्र में मोदी की मजबूत सरकार बनानी है। मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव पर परोक्ष निशाना साधा और कहा, जो लोग चांदी का चम्मच लेकर पैदा होते हैं उन्हें पता नहीं होता मेहनत क्या होती है। मैंने सुना है कि यहां कोई घूम-घूम कर कह रहा है कि 4 जून के बाद मोदी बेड रेस्ट पर जाएंगे। मैं तो परमात्मा से प्रार्थना करता हूं, मैं तो यही कामना करता हूं कि मोदी तो क्या देश के किसी भी नागरिक के जीवन में बेड रेस्ट की नौबत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह तो चाहते हैं कि देश का हर नागरिक ऊर्जा से भरा हुआ हो, उत्सव भरी जिंदगी जीता हो, लेकिन जंगलराज के वारिस से और अपेक्षा भी क्या की जा सकती है और यह सब के सब ऐसे ही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आपने देखा होगा कांग्रेस वाले क्या कहते हैं, मोदी तेरी कब्र खुदेगी। उत्तर प्रदेश के शहजादे क्या कहते हैं, अब मोदी के आखिरी दिन बनारस में कटने हैं। इस चुनाव में इन लोगों के पास मोदी को गाली देने के सिवाय कोई मुद्दा नहीं। कोई कह रहा है कि मोदी की कब्र खोदेंगे, कोई कह रहा है मोदी को गाड़ देंगे। कांग्रेस के शहजादे मोदी की आंखों में आंसू देखना चाहते हैं। अरे इंडिया गठबंधन वालो मनमानी से, आपकी इच्छा से अब देश नहीं चलता। इंडिया गठबंधन वालों की आंखों में भले ही मोदी खटकता हो लेकिन देश के दिल में मोदी है। मोदी ने पूर्वी चंपारण का उल्लेख महात्मा गांधी की कर्म भूमि के रूप में भी किया।

बिहार के महाराजगंज में पीएम मोदी ने कहा कि इस पवित्र धरती पर हम रउआ लोगन के वंदन-अभिनंदन करता नी। भाइयों-बहनों जैसे-जैसे चार जून पास आ रहा है मोदी के लिए इंडि वालों की गालियां और बददुआओं की संख्या जरा बढ़ती ही जा रही है। इनसे बर्दाश्त नहीं हो रहा कि मोदी को देश की जनता अगले पांच साल के लिए फिर चुनने जा रही है।

जिन्होंने बिहार को जंगलराज दिया, नौजवानों को पलायन दिया, परिवारों को गरीबी दी, जिन्होंने बिहार के लोगों को मारा-तड़पाया, माताओं-बहनों का जीवन बर्बाद किया, जो लोग आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं, जिन्हें अदालत ने घोटाले का दोषी साबित किया है, इन लोगों की आंखों में मोदी चौबीस घंटे खटकता है। लेकिन इनकी लाख कोशिशों के बाद भी मैं आपकी सेवा में डटा रहूंगा। मैं आपको गारंटी देता हूं कि मैं आपके लिए दिन-रात मेहनत करूंगा, पहले से भी ज्यादा मेहनत करूंगा। क्योंकि मुझे आपके भविष्य के लिए, आपके बच्चों के भविष्य के लिए विकसित बिहार बनाना है विकसित भारत बनाना है।

चुनावी रंजिश में गोलीबारी, एक की मौत

सारण हिंसा : माहौल तनावपूर्ण, प्रशासन ने इंटरनेट सेवा किया बंद

प्रातः किरण

पटना। सारण में पांचवें चरण के मतदान के बाद मंगलवार सुबह हुई गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। तीनों राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए। इसके बाद सारण के डीएम और एसपी ने खुद मोर्चा संभाला। कपूरी ठाकुर चौक इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया। हालात को नियंत्रण में करने के लिए सारण में दो दिन के इन्टरनेट सेवा बंद कर दी गई है। दरअसल, मतदान के दिन सोमवार को बड़ा तेलपा के बूथ पर राजद की प्रत्याशी डॉ. रोहिणी आचार्य के पहुंचने पर दूसरी पार्टी के लोगों ने हंगामा किया था। इसके बाद दोनों के समर्थकों के बीच विवाद हुआ था। हालांकि, विवाद को प्रशासन की सजगता से सुलझा लिया गया था। इसके बाद मंगलवार को विवाद ने पुनः उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। इसके बाद जमकर हुई मारपीट के बीच में पक्ष ने फायरिंग की। गोली चलने से चंदन राय की मौत हो गई है। इस दौरान तीन अन्य लोग भी गोली लगने से जख्मी हुए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया। चंदन राय के घरवालों ने भाजपा नेता रमाकांत सिंह सोलंकी व उनके भाई उमाकांत सिंह सोलंकी पर गोली चलाने का आरोप लगाया। चंदन राय के दाहिने तरफ सीने में गोली लगी है जिससे उनकी मौत हुई है। वहीं, घायल मनोज के कमर में एवं गुड्डू राय के जांघ में गोली लगी है। दीपक के सिर को गोली छूती हुई निकल गई है। घटना को लेकर पूर्व मंत्री जितेंद्र राय सदर अस्पताल में पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जांच विशेष रूप से कराई जा रही है। जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एसपी से भी इस संबंध में बात की है। इस संबंध में पुलिस कप्तान डॉ. गौरव मंगला ने बताया कि दो पार्टियों के कार्यकताओं के बीच विवाद में गोली चलने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। इसमें दोनों आरोपितों रमाकांत सिंह सोलंकी व उनके भाई उमाकांत सिंह सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि विवाद के बढ़ने की संभावना को देखते हुए दो दिनों तक इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद स्वजन को सौंप दिया।

प्रशासन अलर्ट मोड में : सारण एसपी गौरव मंगला ने कहा कि सोमवार छपरा के बूथ संख्या 18-19 के बाहर दो पार्टियों के बीच में एक विवाद हो गया था। उसी प्रक्रिया में मंगलवार को कुछ असामाजिक तत्वों ने तीन लोगों पर फायरिंग की। इनमें से एक की मौत हो गई है, दूसरे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीसरा शख्स सुरक्षित है।

सारण के डीएम अमन समीर ने कहा कि हम सभी लोग से अपील करेंगे कि शांति व्यवस्था बनाए रखें। अभी दो लोग की गिरफ्तारी हुई है और पुलिस के द्वारा बाकि लोगों को गिरफ्तारी की जा रही है। यहां पर अभी स्थिति सामान्य हैं। दो दिन के लिए इंटरनेट बंद किया गया है।

गोलीकांड को लेकर एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप जारी: सारण लोकसभा सीट से राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य ने कहा कि भाजपा वाले डरे हुए हैं। उन्होंने कहा, भाजपा वाले लोग डरे हुए हैं, लोकतंत्र की हत्या हुई है, हमारे तीन कार्यकताओं को गोली मारी गई है, हमें न्याय चाहिए। हत्यारे की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो। एक उम्मीदवार के तौर पर हमें हर एक बूथ पर जाने का अधिकार है। मैं वहां पोलिंग देखने गई थी। भाजपा के गुंडे अंदर बैठे थे। मुझे भद्दी-भद्दी गालियां दी गई हैं। मुझ पर जानलेवा हमला हुआ है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव में हिंसा की जगह नहीं होनी चाहिए। प्रशासन के लोगों से हमारी बात हुई है दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। प्रशासन के लोगों ने मुझे आश्वस्त किया है कि शाम तक जो बाकी के दो लोग हैं उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा। कुछ लोग ऐसे हैं जो हार की बौखलाहट से इस तरह के काम करते हैं। बिहार सरकार को लोगों को इस मामले के देखना चाहिए।

क्या प्रधानमंत्री अपनी विफलताओं के लिए माफी मांगेंगे? : कांग्रेस

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा के मद्देनजर मंगलवार को राज्य से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार की तकदीर बदलने का वादा किया था, लेकिन सिर्फ नीतीश कुमार का गठबंधन बदला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि क्या प्रधानमंत्री अपनी विफलताओं के लिए माफी मांगेंगे? रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, निवर्तमान प्रधानमंत्री मोतिहारी चीनी मिल को फिर से चालू करवाने में क्यों विफल रहे? भाजपा सांसद के फंड से खरीदी गई एंबुलेंस शराब की तस्करी में क्यों पकड़ी गई? 2015 में प्रधानमंत्री ने जिस 1.25 लाख करोड़ के पैकेज का वादा किया था उसका क्या हुआ? उन्होंने कहा, निवर्तमान प्रधानमंत्री ने 2014 के अपने चुनावी अभियान के दौरान यह वादा किया था कि उनकी सरकार मोतिहारी चीनी मिल को फिर से चालू करेगी। 10 साल हो गए हैं, यह वादा पूरा नहीं हुआ है। रमेश ने सवाल किया, भाजपा मोतिहारी की जनता को कब तक धोखा देगी? क्या निवर्तमान प्रधानमंत्री 4 जून को पद छोड़ने से पहले अपनी विफलताओं के लिए माफी मांगेंगे? उन्होंने दावा किया कि 2019 में सारण के भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूड़ी ने सांसद निधि का इस्तेमाल करते हुए अपने निर्वाचन क्षेत्र में 60 एम्बुलेंस को मंजूरी दी थी, जिसकी बड़ी चर्चा हुई थी, लेकिन 2021 में जब कोरोना महामारी चरम पर थी तब ये एम्बुलेंस बेकार खड़ी पाई गई थीं, जबकि आस-पास के अस्पतालों को इनकी भारी कमी का सामना करना पड़ रहा था।

रमेश ने सवाल किया, क्या निवर्तमान प्रधानमंत्री हमें बता सकते हैं कि उनके सांसद क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं? बीजेपी और जद(यू) की सरकार ने इस मामले की जांच से इंकार क्यों कर दिया? उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तथाकथित परिवर्तनकारी पैकेज पर कोई जानकारी नहीं दी गयी।

इंडिया गठबंधन को मिल रही हैं 300 सीटें : केजरीवाल

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि 4 जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। केजरीवाल के मुताबिक इंडिया गठबंधन को अकेले अपने दम पर ही लोकसभा की 300 सीटें मिल रही हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि इसको लेकर कई सर्वे किए गए हैं। सर्वे के नतीजों के आधार पर वह यह दावा कर रहे हैं। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल दो व्यक्ति ऐसे हैं जिनके समर्थक भारत की बजाए पाकिस्तान में ज्यादा हैं। इसके जवाब में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी के समर्थक पाकिस्तानी हैं, यह कहना दिल्ली और देश की जनता को अपमानित करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को 70 में से 62 सीटें देकर सरकार बनाई है, क्या दिल्ली के लोग पाकिस्तानी हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, क्या पंजाब के लोग पाकिस्तानी हैं। गुजरात में आम आदमी पार्टी को 14 प्रतिशत वोट मिला था, क्या गुजरात के लोग पाकिस्तानी हैं।

जंगलराज से बिहार को काफी नुकसान हुआ : सीतारमण

कहा- प्रधानमंत्री का मूलमंत्र सबका विकास है

प्रातः किरण

पटना। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बिहार में जंगलराज के कारण बिहार की न केवल विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हुई थी बल्कि आर्थिक रूप से भी बिहार पिछड़ गया था। उन्होंने कहा कि बड़ी मेहनत से बिहार को वहां से बाहर निकाला गया है। मंगलवार को भाजपा मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि युवा वोटरों को यह जानना काफी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जंगलराज वाले उस दौर में कहा करते थे कि सम्मान चाहिए विकास नहीं। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि जब जंगलराज का दौर आया तो प्रति व्यक्ति आय उड़ीसा से ज्यादा थी। उड़ीसा की 1991 में जीडीपी 20591 रुपया थी जबकि बिहार में 21282 रुपये थी। जंगल राज शुरू होने के बाद बिहार में 33 फीसदी की गिरावट आई जबकि उड़ीसा में 31 प्रतिशत बढोतरी हुई। उन्होंने बताया कि 2002 में बिहार में काम होकर 14209 तक पहुंच गया ।

उन्होंने बताया कि 2002 के बाद 2019 में प्रति व्यक्ति आय 37 हजार से ज्यादा लाया गया। उन्होंने कहा कि अगर यह जंगलराज नहीं आता तो आज बिहार बहुत आगे होता। वित्त मंत्री ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि इंडी गठबंधन वाले मुसलमानों को पूरा आरक्षण देने की बात करते हैं जो संविधान के खिलाफ है। कर्नाटक में मुस्लिम वर्ग को एससी, एसटी, ओबीसी का काट कर आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री का मूलमंत्र सबका विकास है। आज सम्मान भी है और विकास भी है। उन्होंने कहा कि आज हम 2047 के विकसित भारत को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होने जोर देकर कहा कि एनडीए की सरकार में सम्मान और विकास दोनों की बात की जाती है। रामनाथ कोविंद जी, द्रौपदी मुर्मू को सम्मान इसका उदाहरण हो सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन यह पार्टी अपनी पार्टी के संविधान को नहीं मानती। वित्तमंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि पिछली सरकार से एनडीए की सरकार में बिहार को ज्यादा राशि मिल रही है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि विशेष दर्जा के लिए केंद्रीय वित्त आयोग की रिपोर्ट में रिकमेंडेशन आना चाहिए तभी इसके बारे में आगे विमर्श किया जा सकता है।

बिहार को आर्थिक सहायता और विशेष सहायता पर निमार्ला सीतारमण ने कहा कि 2015 में एक पैकेज बिहार के लिए घोषणा की गई थी और 1.25 लाख करोड़ का पैकेज दिया गया था। यह पैकेज सभी क्षेत्रों के लिए दिया गया था। प्रेस वार्ता में असम के मंगलादोई के सांसद दिलीप सैख्या, राष्ट्रीय महामंत्री ऋतुराज सिन्हा, महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर, मीडिया संयोजक दानिश इकबाल, प्रवक्ता सुरेश रूंगटा,प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे एक्ट के तहत 15 गिरफ्तार

फतुहा। मंगलवार को फतुहा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा रेल अधिनियम के विभिन्न धाराओं में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में आरपीएफ इंस्पेक्टर विनोद कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि महिला कोच से सात, अवैध वेंडर दो एवं पायदान पर बैठ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्रवाई के लिए सभी को पटना रेलवे कोर्ट भेजा गया है।

भाकपा-माले ने कांग्रेस प्रत्याशी के लिए मांगे वोट

फतुहा। मंगलवार को भाकपा-माले कार्यकताओं ने कांग्रेस प्रत्याशी अंशुल अविजीत के लिए घूम-घूमकर वोट मांगे। भाकपा-माले के प्रखंड सचिव शैलेंद्र यादव ने बताया कि फतुहा में पटना साहिब के उम्मीदवार डॉ अंशुल अविजीत को भारी मतों से विजय बनाने के लिये आजाद नगर, उसफा एवं अन्य गांवों में प्रचार-प्रसार किया तथा पंजा छाप वाली निशान पर बटन दबाने के लिए अपील किया। जिसमें सीता रविदास, सुदामा रविदास, विष्णु कुमार, बिंदा पासवान, जयराम रविदास, राम पुकार रविदास, शंकर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रेक्षक शारदा देवी खगौल के विभिन्न मतदान केन्द्रो को लिया जायजा

दानापुर खागौल नगर के अंतर्गत मंगलवार को चुनाव को देखते हुए प्रेक्षक शारदा देवी खगौल के विभिन्न मतदान केन्द्रो को जायजा लिया। इस दौरान अनुमंडलाधिकारी प्रदीप सिंह अवर निर्वाचन पदाधिकारी बिरेन्द्र कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। मंगलवार की शाम पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र के प्रेक्षक के शारदा देवी खगौल स्थित महिला कॉलेज पहुंची। कॉलेज में बनाये गये मतदान केन्द्र संख्या 313, 314 व 315 एवं नगर परिषद के पुराने भवन मे बनाये गये मतदान केन्द्र संख्या 312 पर तैयारी का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होने मतदाताओ के सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए मतदान केन्द्रो का जायजा लिया। साथ सुरक्षा के बारे में भी जानकारी ली। उन्होने मतदान प्रतिशत बढाये जाने को लेकर विशेष व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ मतदाताओ को सुविधा का ध्यान रखने एवं मतदाताओ तक मतदाता पर्ची समय से पहुंचे इसका निर्देश दिया।

गार्ड से मारपीट कर उड़ाया निर्माण सामग्री, मामला दर्ज

पटना सिटी (प्राकि)। दीदारगंज थाना क्षेत्र के शिव घाट पर गंगा पाथवे का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां रखा निर्माण सामग्री को दर्जनों की संख्या पहुंचे बदमाशों ने जबरन उठा लिया और चलते बने। इस दौरान गार्ड परशुराम कुमार ने जब उन सबों का विरोध किया, तब उसके साथ मारपीट की गई। बदमाशों ने वहां रखे सरिया (छड़) और अन्य निर्माण कार्य से जुड़े सामान ले गया है। इस मामले में आलोक कुमार की ओर से दीदारगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज कराए प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

तख्त साहिब में सुखमणि साहिब का हुआ पाठ

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में माता साहिब कौर व स्त्री साध संगत की ओर से सुखमणि साहिब का पाठ किया गया। पांचवें गुरु श्री अर्जनदेव जी महाराज के शहीदी पर्व को लेकर किया गया। पाठ का समापन दस जून को होगा। दूसरी ओर तृतीय गुरु अमरदास जी महाराज के प्रकाश पर्व पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ मंगलवार को भी जारी रहा। बुधवार को अखंड पाठ की समाप्ति के बाद विशेष दीवान सजेगा। इसमें कथा, प्रवचन व कीर्तन होगा।

घर से मोबाइल व टैब चोरी

पटना सिटी (प्राकि)। दीदारगंज थाना क्षेत्र के गुलमहिया गांव निवासी सौरव कुमार का मोबाइल और टैब चोरों ने घर से गायब कर दिया। पीड़ित ने इसकी सूचना दीदारगंज थाना की पुलिस को दिया है। इसी थाना क्षेत्र के जयराम प्रसाद ने पुलिस को बताया कि उनका दस चक्के का ट्रक दुकान के पास से ही चोरी चला गया है। इसकी सूचना दीदारगंज थाना की पुलिस को दी है।

मोबाइल झपट हुआ फरार

ओप्पो नन-फतुहा में प्रतिनियुक्त रेलकर्मी मंजीत कुमार से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल झपटमारी कर ली। दानापुर के चित्रकुट नगर निवासी मंजीत ने बताया कि फतुहा से डियूटी समाप्त कर दानापुर घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान बाइक सवार उच्चका तेजी से आया और हाथ से मोबाइल झपट कर फरार हो गया। दीदारगंज थाना की पुलिस ने बताया कि बाइक नंबर के आधार पर अभियुक्त की तलाश की जा रही है।

ट्रेन को वैक्यूम कर शराब उतारते पांच तस्कर गिरफ्तार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने दिल्ली से चल कर भागलपुर जाने वाली गरीब रथ ट्रेन से अवैध रूप से शराब उतारने वाले पांच तस्करों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में सहायक उत्पाद अधीक्षक प्रेम प्रकाश ने बताया कि सूचना मिली कि दिल्ली से चल कर भागलपुर जाने वाली गरीब रथ में पंडित दीनदयाल स्टेशन पर विदेशी शराब लादा गया है। सूचना के बाद उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर साहेब गुप्ता के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। यह टीम पटना जंक्शन पहुंची, मगर वहां पहुंचने के साथ ही ट्रेन खुल गई। इसके बावजूद छापेमारी टीम ट्रेन पर सवार हो गई। इसी दौरान कुम्हरार रेल गुमटी के पास ट्रेन को वैक्यूम कर रोका गया। इस दौरान बारी-बारी से पांच शराब तस्कर उतरे और शराब उतारने लगे। तभी ट्रेन में मौजूद उत्पाद विभाग की टीम इंस्पेक्टर साहेब गुप्ता के नेतृत्व में उन सबों को दबोच लिया। इस दौरान टीम के द्वारा 142 लीटर विदेशी शराब जब्त किया गया। इसमें 697 टेट्रा पैक और बोतल था। जब्त शराब की कीमत करीब एक लाख 15 हजार आंकी गई है। गिरफ्तार लोगों में पटना जिला के ब्रह्मपुर का रहने वाला अभिषेक प्रसाद, राजेंद्र नगर का रहने वाला नवीन कुमार, भदौर थाना क्षेत्र के हिमायतपुर का रहने वाला नवीन कुमार, अगमकुआं का अखिलेश कुमार एवं अंकित कुमार है। छापेमारी टीम में इंस्पेक्टर साहेब गुप्ता, एएसआई उत्तम कुमार, इरफान अंसारी रोशन कुमार पुरुषोत्तम कुमार कौशल कुमार और पुलिस बल शामिल था।

बिना टिकट यात्रियों पर रेलवे की कड़ी नजर

एक दिन में पकड़े गये कुल 10 हजार 980 यात्री

- जुर्मानें के रूप में वसूले गए 80 लाख 55 हजार रूपए

प्रात :किरण संवाददाता

हाजीपुर पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर शिकंजा कसने के लिए आज दिनांक 21.05.2024 को पाँचों मंडलों दानापुर, सोनपुर, समस्तीपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं धनबाद में एक साथ विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस जाँच अभियान में पूर्व मध्य रेल के महत्वपूर्ण स्टेशनों जैसे पं० दीनदयाल उपाध्याय जं., पटना, आरा, बक्सर, मोकामा, सासाराम, धनबाद, गोमो, कोडरमा, डालटनगंज, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, बरौनी, खगड़िया, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, रक्सौल, बेतिया, सहरसा, दिलदारनगर, हजारीबाग रोड पर रेलवे अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, रेलकर्मियों, टी०टी०ई० एवं भारी मात्रा में रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को तैनात किया गया।

सभी महत्वपूर्ण मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों यथा 12565 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, 12553 वैशाली एक्सप्रेस, 12365 रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस, 12567 राज्य रानी एक्सप्रेस, 18626/18625 हटिया-पूर्णिया कोर्ट हटिया एक्सप्रेस, 12801 पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, 13351 धनबाद-एल्लेपी एक्सप्रेस, 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस एवं 12382 पूर्वा एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोचों की विशेष रूप से जाँच की गयी। इसके साथ ही सभी सवारी ट्रेनों एवं मेमू ट्रेनों में भी विशेष टिकट जाँच की गयी एवं बेटिकट यात्रियों को पकड़ा गया। यह विशेष टिकट जाँच अभियान पूरे दिन चलाया गया। इस जाँच अभियान में कुल 10 हजार 980 बेटिकट/अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया जिनसे जुमार्ने के रूप में 80 लाख 55 हजार रुपए वसूले गए।

विदित हो कि पूर्व मध्य रेल के पांचों मंडलों में बिना टिकट अथवा बिना उचित प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों की धरपकड़ हेतु निरंतर टिकट जांच की जा रही है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगी ।

पूर्व मध्य रेल यात्रियों से अपील करती है कि वे हमेशा उचित यात्रा टिकट लेकर ही यात्रा करें ।

पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र में खुल रहा वार्ड कार्यालय

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी पटना साहिब लोकसभा चुनाव के तहत पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र में चुनाव संचालन के लिए 12 वार्डों में चुनाव कार्यालय खोला गया। इसमें मालसलामी मंडल, मारूफगंज मंडल, जल्ला महावीर मंडल, लखन श्याम विद्रोही मंडल, खाजेकलां मंडल, चित्रगुप्त मंडल, अगमकुआं मंडल, पहाड़ी मंडल के वार्ड नंबर 56, 57, 58, 59, 63, 64, 65, 70, 71 व 72 में भाजपा के एनडीए प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के चुनाव कार्यालय का उदघाटन संपन्न हुआ। खाजेकलां मंडल में पटना नगर निगम के महापौर श्रीमती सीता साहू, मालसलामी मंडल में युवा नेता नितिन कुमार रिंकू, अन्य वार्डों में विनय केसरी, रामानंद चौधरी, शंभू केसरी, किरण शंकर, वार्ड पार्षद विनोद कुमार, सुदीप जी आदि ने किया। इस अवसर पर बलराम मंडल, संजीव मेहता, पार्षद किसमतिया देवी, पार्षद अंजली राय, तारा देवी, नीलम कुमारी, विनोद कुमार, मुन्ना जायसवाल, पूर्व पार्षद स्मिता रानी, साधना राव, मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, अजय पंडित, राहुल मंडल, अशोक भारती, कौशल अम्बष्ठ, संतोष विद्रोही, जितेंद्र कुमार मेहता, अजय आजाद, मुरारी राय, मनोज यादव, अनुज शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शोकसभा कर अर्पित की श्रद्धांजलि

- भाजयुमो ने प्रभातफेरी निकाल रविशंकर के लिए मांगा वोट

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ की ओर से महाराजगंज स्थित तैलिक साहू भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा मंगलवार को की गई। इसमें पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, महापौर सीता साहू, पार्षद गायत्री गुप्ता, अमित कानोडिया, शिशिर कुमार, राजू गुप्ता के साथ समाज के प्रबुद्ध लोग व व्यापारिक संगठन से जुड़े लोग शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री नवीन कुमार ने किया। धर्मशाला गली स्थित अनारदेई खंडेलिया विवाह भवन में मारवाड़ी सेवा समिति की ओर से अध्यक्ष संजीव देवड़ा क ी अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा हुई। इसमें शिव प्रसाद मोदी, प्रभात भरतिया, ललित अग्रवाल, राजेश चौधरी, आदर्श अग्रवाल, गणेश शर्मा, गोविंद कानोडिया, ईश्वर लाल अग्रवाल, गिरधारी लाल सराफ, राजकुमार गोयनका, मनोज खेतान, पुरुषोत्तम पोद्दार, रमेश टेकरीवाल, राजेश कानोडिया आदि लोग उपस्थित थे। पटना साहिब भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा कंटाही घाट पास गुलजारबाग मैदान से पटना साहिब लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के समर्थन में प्रभातफेरी का कार्यक्रम किया गया। यह प्रभातफेरी भाजपा गायघाट मंडल, बजरंग मंडल व पूरब द्वार मंडल में किया गया। इसके माध्यम से पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद को लोकसभा चुनाव में भारी मतों से विजयी बनाने को लेकर हुई। इसमें युवा मोर्चा के सदस्यों के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में घूम कर लोगों को चुनाव में इवीएम में कमल छाप क्रमांक 3 नंबर पर वोट करने की अपील भी की गई। इसमें बिहार प्रदेश युवा मोर्चा सदस्य राकेश कुमार बबलू, पटना महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष मयंक कुमार जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष सन्नी यादव, जिला मंत्री गुंजन कुमार, प्रवक्ता सुमित कुमार सोनी, मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित कुमार पांडेय, मुरारी महतो, विनय कुमार, गायघाट जदयू सेक्टर अध्यक्ष मुकेश कुमार ठाकुर, महासचिव मनोज कुमार शर्मा, महामंत्री आकाश केसरी, प्रह्लाद कुमार, बटुक कुमार, मनदीप कुमार, प्रीतम अभिषेक, मनीष कुमार चौधरी आदि शामिल थे।

पश्चिम द्वार मंडल के वार्ड 58 में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र के पश्चिम द्वार मंडल के वार्ड 58 में भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया गया। प्रभारी शंभू नाथ केसरी, मनोज भट्ट, भरत सिंह, संजय कश्यप, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जीतू एवं वार्ड प्रमुख बद्रीनाथ गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन के बाद सबों ने यह संकल्प लिया कि अबकी बार फिर मोदी की सरकार हो और देश गौरवशाली बने। उद्घाटन कार्यक्रम में महामंत्री विनोद शौंडिक, प्रमुख राकेश नवरंग, शिक्षा प्रकोष्ठ के संयोजक राजेश प्रताप, सह संयोजक राजेश कुमार पांडेय, उतमचंद, आशीष जायसवाल, राजू मिश्रा, दिवाकर गोस्वामी, दीना बाबा, विमल, नीलम देवी, सूरज यादव, रंजीत महतो, ममता देवी आदि उपस्थित रहे।

राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि मीसा भारती को सभी वर्गों के लोगों का समर्थन मिल रहा है

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत राष्ट्रीय जनता दल के प्रधान कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. सुबोध कुमार मेहता ने कहा। उन्होंने कहा कि मीसा भारती हमेशा विचारों के साथ आम लोगों के हितों के लिए कार्य करती रही है। तेजस्वी जी के नेतृत्व में 17 महीने के कार्यकाल में महागठबंधन सरकार ने पांच लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार दिया। साथ ही पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में मजबूती से बिहार को विकास के आयाम में जोड़ने का जो संकल्प था उसको आगे बढ़ाया। इस अवसर पर प्रदेश राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि मीसा भारती को सभी वर्गों और आम लोगों का समर्थन मिल रहा है और पाटलीपुत्र की जनता अपने सांसद के साथ बिहार के सांसदों से पूछ रहे हैं कि आपने जिस गांव को गोद लिया था उसमें विकास के कौन से कार्य हुए और खासकर पाटलीपुत्र के सांसद रामकृपाल यादव बतायें कि उन्होंने विकास के लिए उन गांवों में कौन-कौन से विकास योजनाएं पहुंचायी हैं उसका विस्तृत विवरण लोगों के सामने प्रस्तुत करें। इस अवसर पर पटना जिला राजद अध्यक्ष दीनानाथ सिंह यादव, जिला प्रधान महासचिव मो. अफरोज आलम, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता उपेन्द्र चन्द्रवंशी, मो. मुश्ताक आलम, कौशर खान सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

पंचायत समिति सदस्य व बिक्रम के भाजपा नेता संजय राम राजद में शामिल

- राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने दिलाई सदस्यता, महागठबंधन नेताओं ने किया स्वागत

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम : प्रखंड क्षेत्र के वजीरपुर पंचायत के मोजाक निवासी वर्तमान पंचायत समिति प्रतिनिधि सह भाजपा नेता संजय राम ने मंगलवार को राजद का दामन थाम लिया` भाजपा नेता संजय राम को राजद के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने सदस्यता दिलाई` संजय को राजद में शामिल होने के पाश्चात्य महागठबंधन दल के नेताओं ने मंगलवार को राजद प्रखंड अध्यक्ष दिलीप यादव की अध्यक्षता में उनका स्वागत किया` मौके पर प्रखंड प्रमुख रामेश्वर पासवान, शंभू यादव, राजू यादव, मेजर चंद्रवंशी, माले नेता शंकर पासवान, सूचित रविदास, कृष्ण दास, निर्मल, मनीष ठाकुर, मंटू पासवान, नागभूषण, विकास चंद्र व मनीष पासवान सहित दर्जनों महागठबंधन कार्यकताओं ने उनका फूलमाला व मिठाई खिलाकर स्वागत किया` मौके पर महागठबंधन नेताओं ने कहा कि संजय राम को राजद में आने से संगठन को मजबूती मिलेगा` वही संजय राम ने कहा कि भाजपा के अंदर दलितों का सम्मान नहीं है और भाजपा लगातार दलितों के ऊपर शोषण और उसके अधिकारों में कटौती और संविधान लोकतंत्र पर हमला कर रही है भाजपा से आहत होकर महागठबंधन का दामन थामा हूं और मीसा भारती की जीत के लिए जोर-शोर से कार्य करूंगा।

मतदान के दिन ही राजद उम्मीदवार को रोका जाता तो हिंसक घटना नहीं होती : संजय

- बोलें-भाजपा ने मतदान के दिन ही राजद प्रत्याशी की चुनाव आयोग, रिटर्निंग अधिकारी से की गई थी शिकायत

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। वरीय अधिवक्ता , न्यायिक मामले एवं चुनाव आयोग प्रदेश संपर्क प्रमुख भाजपा एस डी संजय ने आज कहा कि मतदान के दिन ही राजद उम्मीदवार को रोका जाता तो आज की हिंसक घटना नहीं होती। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन भाजपा कार्यालय में राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के मतदान केंद्रों में जाने की शिकायत लगातार मिल रही थी।

मीडिया सेंटर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संजय ने कहा कि शिकायत मिल रही थी कि राजद प्रत्याशी द्वारा बूथों में जाकर डराया धमकाया जा रहा है। इसकी शिकायत मिलने पर रिटर्निंग अधिकारी और बिहार निर्वाचन आयोग और दिल्ली चुनाव आयोग को भी इसकी शिकायत की गई यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। शाम चार बजे तक राजद प्रत्याशी यह काम करती रही।

उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी ने भी इसकी शिकायत की थी। शिकायत पत्र में लिखा गया था कि राजद प्रत्याशी के पीछे सक्षम पदाधिकारी को प्रतिनियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि राजद प्रत्याशी की यह करतूत चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन था, फिर भी एफ आई आर तक दर्ज नहीं की गई।

उन्होंने साफ लहजे में कहा कि कल की घटना के प्रतिउत्तर में आज 1000 से अधिक लोग गाँव पर हमला बोल दिए और गोलीबारी की। इस घटना में तीन लोगों को गोली लगी।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को अब भी पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को सजा देना चाहिए, वरना राजद का मनोबल बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि राजद फिर से 2005 के पहले की स्थिति बनाना चाहती है।

इधर, प्रवक्ता अरविंद कुमार ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि सारण एक बार फिर से चर्चा में है। ऐसी घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। उन्होंने घटना की जांच की मांग की।

प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलु , प्रदेश प्रवक्ता संजीव मिश्रा, अवधेश कुमार भी उपस्थित रहे।

एएनसी जांच : प्रथम तिमाही खत्म होने के पहले ही कई जिले राज्य के लक्ष्य के करीब

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। राज्य में मातृ व शिशु मृत्यु दर को कम करने के साथ–साथ सुरक्षित प्रसव को लेकर स्वास्थ्य विभाग काफी प्रयासरत है। राज्य द्वारा प्रथम तिमाही के दौरान एएनसी जांच में 85 प्रतिशत लक्ष्य निर्धारित है। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए कई जिले इसके करीब पहुंच चुके हैं वहीं पूर्णिया और अररिया जिला इस लक्ष्य से आगे निकल चुका है। पूर्णिया ने लक्षित गर्भवतियों से ज्यादा 112 प्रतिशत तो अररिया ने 105 प्रतिशत गर्भवतियों की प्रसव पूर्व जांच की है। स्वास्थ्य विभाग पूरे गर्भकाल के दौरान सामान्यतः चार बार प्रसव पूर्व जांच करती है। एम्स पटना की एडिशनल प्रोफेसर व स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ इंदिरा प्रसाद प्रसव पूर्व जांच को काफी महत्वपूर्ण मानती हैं। उन्होंने बताया कि इससे न सिर्फ सुरक्षित प्रसव संभव है, बल्कि स्वस्थ नवजात के लिए भी यह जांच आवश्यक है। पूरे गर्भकाल के दौरान कम से कम चार बार प्रसव पूर्व जांच आवश्यक है। आरोग्य दिवस सत्र और मॉनिटरिंग साबित हुआ महत्वपूर्ण लक्ष्य के अनुरूप और उससे अधिक प्रसव पूर्व जांच में आरोग्य दिवस सत्रों का निर्बाध संचालन और उसकी बेहतरीन मॉनिटरिंग काफी मददगार साबित हुआ है। वहीं सत्रों पर मौजूद सुविधाओं से प्राथमिक जांच सुनिश्चित हो पायी। इसके अलावा टेली कंस्लटेशन की सुविधाओं ने भी गर्भवतियों का ध्यान एएनसी की तरफ खींचा है। उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों को किया जाता है रेफर आरोग्य दिवस सत्र पर होने वाले एएनसी में गर्भवती महिलाओं की बीपी, शुगर और वजन के अलावा अन्य प्रकार की जांच के बाद हाई रिस्क प्रेगनेंसी (एचआरपी) के केस को बेहतर उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा जाता है या टेली कंस्लटेशन द्वारा उचित सलाह दी जाती है। प्रथम तिमाही के अंदर प्रसव जांच में 18.3 प्रतिशत की हुई वृद्धि नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 के अनुसार वैसी गर्भवती महिलाएं जिन्होंने प्रथम तिमाही में अपना प्रसव पूर्व जांच कराया है, उनका प्रतिशत 52.9 है। यह आंकड़ा एनएफएचएस 4 की अपेक्षा 18.3 प्रतिशत ज्यादा है।

पीएम ने भारतीयों को आयुष्मान बनाया है : विप्लव

बोलें- यूपीए सरकार के मुकाबले मोदी सरकार में स्वास्थ्य पर खर्च में 228 फीसदी वृद्धि

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट सह प्रदेश प्रवक्ता जयराम विप्लव ने तेजस्वी यादव के बेड रेस्ट वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि एक तरफ ये राजनीतिक द्वेष में अंधे और सत्ता जाने बौखलाए जंगलराज के युवराज हैं जो करोड़ों भारतीयों के प्रिय प्रधानमंत्री जी को बेड रेस्ट देने की बात करते हैं दूसरी तरफ मोदी जी भगवान से प्रार्थना करते हैं कि देश के किसी भी नागरिक के जीवन में बेड रेस्ट न हो।

विप्लव ने तेजस्वी को आइना दिखाते हुए कहा कि मोदी जी ने दस वर्षों में करोड़ों भारतीयों को बेड रेस्ट की नौबत में जाने से बचाया है। यूपीए सरकार के मुकाबले मोदी सरकार में स्वास्थ्य पर खर्च में 228% वृद्धि हुई है। आयुष्मान भारत महज एक योजना का नाम या नारा मात्र नहीं है। अपितु मोदी सरकार ने बीते 10 वर्षों में आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर बनाते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा को भी मजबूत किया है।

वर्ष 2013 में भारत सरकार का स्वास्थ्य पर खर्च जीडीपी का 1.15% था, जो लगभग 1,042 रुपये प्रति व्यक्ति (लगभग 62 अमेरिकी डॉलर) के बराबर था। वहीं, 2024 में यह बढ़कर ऋद्ध का 2.35% हो गया, जो कि प्रति व्यक्ति 3,422 रुपये के बराबर है। इसका मतलब यह हुआ कि 2013 की तुलना में 2024 में स्वास्थ्य पर खर्च में लगभग 228.6% की वृद्धि हुई है।

विप्लव ने कहा कि विशेष रूप से आयुष्मान भारत योजना का प्रभाव उल्लेखनीय है। यह योजना गरीब और वंचित वर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध हुई है, जो पहले या तो महंगे ईलाज के कारण स्वास्थ्य लाभ से वंचित थे या फिर ईलाज कराते कराते गरीबी के दलदल में फंस जाते थे।

आयुष्मान भारत के माध्यम से लगभग 12 करोड़ परिवारों के औसतन 60 करोड़ लोगों यानी देश की लगभग आधी आबादी को सालाना 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा की सुरक्षा मिली है । जनवरी 2024 तक, इस योजना के अंतर्गत 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं, और 6.2 करोड़ मुफ्त अस्पताल भर्ती के माध्यम से गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों ने 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है।

साथ ही मोदी जी ने अपने संकल्प पत्र में सभी जाति वर्ग के बुजुर्गों को आयुष्मान कवर देने की घोषणा भी को है।

विप्लव ने कहा ये आंकड़े और नीतियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि मोदी सरकार किस प्रकार से जन कल्याण और गरीबों के उत्थान हेतु प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार का लक्ष्य भारत को एक स्वस्थ और आर्थिक रूप से समृद्ध राष्ट्र बनाना है ।

2047 तक विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में सभी भारतवासियों के लिए जरूरी सुविधाओं की पूर्ति करते हुए संतुष्टिकरण की राजनीति को मोदी जी ने आगे बढ़ाया है।

पाटलिपुत्र में महागठबंधन की जीत तय, घर -घर में हो रहा तेजस्वी मॉडल की चर्चा:- ई. बल्ली यादव

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी लोस आम निर्वाचन 2024 को लेकर बिहार के पाटलिपुत्र सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए एनडीए व महागठबंधन अपनी पूरी ताकत झोंक दी है` सभी दलों के नेताओं द्वारा लगातार जनसंपर्क किया जा रहा है, हर दल के नेता अपने उम्मीदवार की जीत की दावा कर रहे हैं ` इसी कड़ी में मंगलवार को राजद नेता ई बल्ली यादव ने हमारे सम्वाददाता गोपाल विद्यार्थी से हुई खास बातचीत में कहा कि अब घर -घर में ह्यतेजस्वी मॉडल ह्य की चर्चा होने लगी है। पिछले कुछ वर्षों से जुमलेबाजी और झूठे वादों से धोखा खा चुकी जनता को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव में हीं अपना और अपने बच्चों का भविष्य दिखाई पड़ रहा है। जिस प्रकार पिछले विधानसभा चुनाव के समय उनके द्वारा जो वादे किए गए थे उसे अपने सत्रह महिने के कार्यकाल में हीं पुरा कर विश्वसनीयता के पैमाने पर खड़ा उतरने का काम किया है। राजद नेता ने राजद द्वारा परिवर्तन पत्र के माध्यम से जारी चौबीस जन वचन के बारे जानकारी देते हुए कहा कि राजद के 24 जन वचन पर भरोसा कर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को भारी जनसमर्थन मिल रहा है। पाटलिपुत्र समेत बिहार के चालीसों सीटों पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार अपने प्रतिद्वंद्वी से काफी आगे हैं। उन्होंने कहा कि राजद ने भरोसा दिया है कि सरकार में आने पर इसी वर्ष 15 अगस्त से हीं एक करोड़ नौजवानों को नौकरी देने का क्रम शुरू कर दिया जाएगा। इसी वर्ष रक्षाबंधन के दिन से हीं बहन-बेटियों को प्रति वर्ष एक रुपए दिए जाएंगे। प्रति व्यक्ति दस किलो अनाज मुफ्त दिया जाएगा। उपभोक्ताओं को दो सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। पुरानी पेंशन योजना लागू करने के साथ हीं बुजुर्गों एवं अन्य लाभार्थियों को रेलवे टिकट में रियायत पुनः बहाल की जाएगी। गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपए से अधिक नहीं होगी। पेट्रोल और डीजल के दाम कम किए जाएंगे। किसानों के लिए फसलों पर एमएसपी लागू करने के साथ हीं मुफ्त बिजली दी जाएगी। अग्निवीर योजना को समाप्त कर सेना बहाली की पुरानी व्यवस्था लागू करने के साथ हीं रेलवे में पूर्व के मानकों के आधार पर बहाली शुरू की जाएगी। ह्यस्वास्थ्य अधिकार कानूनह्व बनाकर सरकारी खर्चे पर इलाज की व्यवस्था लागू की जाएगी। जातिगत जनगणना कराकर सबकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

छपरा गोलीबारी कांड : एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप शुरू, सियासी बयानबाजी तेज

अराजकता और अवसरवाद पर टिकी विपक्ष की राजनीति : विजय

कहा- हार की हताशा में सरेआम गुंडागर्दी पर उतरा विपक्ष

पटना। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जैसे-जैसे 4 जून नजदीक आ रहा है वैसे वैसे इंडी गठबंधन का असली चेहरा लोगों के सामने आ रहा है। एक तरफ इनके नेता देश के प्रधानमंत्री को जमीन में गाड़ने की बात करते हैं तो वहीं एक जनप्रिय मुख्यमंत्री की तुलना रावण से करते हैं। बिहार में तो इनके नेता और कार्यकर्ता सरेआम गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि राजद के सजायाफ्ता सुप्रीमो और आरोपी शहजादे जनता के बीच भेष बदलकर कभी संविधान की बात कर रहे थे,कभी लोकतंत्र की बात कर रहे थे , तो कभी बिहार के विकास की बात कर रहे थे । लेकिन जैसे-जैसे चुनाव बीतता जा रहा है इनका असली चेहरा फिर से जनता के सामने आता जा रहा है। बिहार की जनता तो पहले से राजद समर्थित इंडी गठबंधन के संस्कार और संस्कृति से भलीभांति परिचित है और इसलिए इनके मायाजाल में फंसे बिना जनता ने मोदी जी की गारंटी को अपने अपार समर्थन और विश्वास से गले लगा लिया है । जिसका नजारा महाराजगंज और मोतिहारी की जनसभा में भी देश ने देखा। श्री सिन्हा ने कहा कि राजद समर्थित इंडी गठबंधन के ये लोग अपने करप्शन और कमीशन की दुकान चलाने के लिए गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले लोग हैं। मतदान के बाद हार की हताशा में इन्होंने जो माहौल छपरा में आज बनाया है उससे लोगों को इनके उसी बंदूक की संस्कृति की झलक मिली है जो इनके जंगलराज की पहचान थी। श्री सिन्हा ने कहा कि देश के साथ बिहार की जनता ने कदम मिलाकर विकसित राष्ट्र-विकसित राज्य बनाने का स्पष्ट संकल्प ले लिया है । इसलिए आतंक, अराजकता और अवसरवाद की धुरी पर टिकी इनकी राजनीति का अस्तित्व अब अवसान पर है । 4 जून को इनके मायाजाल का अंधेरा छंटेगा और विकास का कमल एक बार फिर खिलेगा।

हार की बौखलाहट में भाजपा हिंसा पर उतारू : गगन

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने छपरा में राजद कार्यकर्ताओं की हत्या पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है कि बिहार के सभी लोकसभा क्षेत्रों में बुरी तरह से हार रही भाजपा बौखला कर अब हिंसा पर उतारू हो गई है। ज्ञातव्य है कि मंगलवार को सुबह छपरा के भीखारी चौक के पास चाय पी रहे राजद समर्थकों पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर हीं हो गई और दो लोगों को गंभीरावस्था में पीएमसीएच में भर्ती किया गया राजद प्रवक्ता ने कहा कि कल चुनाव के दौरान राजद प्रत्याशी डॉ रोहिणी आचार्य बुथों की निरीक्षण के दौरान जब उक्त बुथ पर पहुंची तो भाजपा समर्थकों द्वारा उन्हें भद्दी भद्दी गालियां दी जाने लगीं और उनके उपर जानलेवा हमला किया गया। भाजपा समर्थकों द्वारा स्थिति को तनावपूर्ण बनाने का काफी प्रयास किया गया। पर राजद समर्थकों ने काफी संयम का परिचय देते भाजपा के मंसूबों पर पानी फेर दिया। अन्य दिनों की तरह आज सबेरे जब कुछ लोग एक चाय की दूकान पर चाय पी रहे थे जिसमें कई स्थानीय राजद समर्थक भी थे। इसी बीच भाजपा समर्थकों ने अकारण चाय पी रहे लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग करना शुरू कर दिया। जबतक वहां उपस्थित लोग कुछ समझ पाते कई लोगों को गोलियां लग गई जिसमें चन्दन कुमार की मौत घटनास्थल पर हीं हो गई। जबकि गुड्डू कुमार और मनोज कुमार की स्थिति को गंभीर देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। दोनो की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि जिस प्रकार समाज के सभी जाति, वर्ग और धर्म के लोगों का समर्थन राजद और इसके गठबंधन के उम्मीदवारों को मिल रहा है उससे भाजपा काफी बौखला गई है । और बिहार के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के बिहार में उपस्थिति के दौरान उनके पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा इस प्रकार का हरकत करना कई सवालों को खड़ा करती है। वह भी जब कल रात उनके द्वारा अपने कार्यकर्ताओं को जीत का गुरुमंत्र दिया गया हो और सबेरे - सबेरे राजधानी के ठीक बगल वाले जिले में इस प्रकार का दुस्साहस करना काफी गंभीर मामला है। राजद प्रवक्ता ने दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर उनके खिलाफ स्पीडी ट्रायल करने की मांग की है। राजद प्रवक्ता ने चुनाव आयोग से स्वतः संज्ञान लेकर भाजपा के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

मतदान केंद्रों पर किस अधिकार से घूम रहे थे भोला यादव : नीरज

पटना। जदयू विधान पार्षद सह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने सारण लोकसभा चुनाव के दौरान हुई गोलीबारी को लेकर आरजेडी पर जमकर निशाना साधा है। मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने आरजेडी से सवाल पूछते हुए कहा कि आखिर किस अधिकार के तहत आरजेडी नेता भोला यादव रोहिणी आचार्य के साथ मतदान केंद्रों पर घूम रहे थे ? उन्होंने इस दौरान मीडिया के माध्यम से लोगों से शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की। उन्होंने आरजेडी से सवाल पूछते हुए कहा कि क्या ये सही नहीं है कि चुनाव आयोग के निदेशों के मुताबिक जो लोग संबंधित लोकसभा क्षेत्र के वोटर नहीं होते हैं उन्हें मतदान के दिन से एक दिन पहले उस लोकसभा क्षेत्र को छोड़कर जाना होता है? ऐसे में लालू प्रसाद के राजनीतिक सिपहसालार भोला यादव किस हैसियत से रोहिणी आचार्य के साथ मतदान केंद्रों पर घूम रहे थे? क्या रोहिणी आचार्य के मतदान केंद्रों पर पहुंचने के दौरान उनकी गाड़ी में कौन-कौन लोग बैठे थे इसकी वीडियो फुटेज की जांच नहीं होनी चाहिए? क्या ये सही नहीं है कि रोहिणी आचार्य के चुनाव प्रचार के दौरान छपरा में लालू प्रसाद यादव खुद मौजूद थे और इस हिंसा की पटकथा उन्हीं के इर्द गिर्द लिखी गई है? ऐसे में छपरा में हुई हिंसा के बाद लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के लोग एवं छपरा सीट पर चुनाव के दौरान आरजेडी चुनाव प्रबंधन में जुटे लोगों के मोबाइल नंबर के सीडीआर की जांच नहीं होनी चाहिए? जिससे ये पता लगाया जा सके कि सामाजिक उन्माद फैलाने में इनलोगों की क्या भूमिका है? क्या ये सही नहीं है कि, लालू प्रसाद यादव परिवार जब-जब छपरा संसदीय सीट से चुनाव लड़ा है तब-तब वहां सामाजिक तनाव फैला है? इससे पहले हुए चुनाव में इसी तरह बूथ कैप्चरिंग की घटना हुई थी जिसका हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया था। बाद में रद्द हुए चुनाव के बाद हुई वोटिंग में राजीव प्रताप रूडी ने चुनाव जीता था?

जो नफरत फैलाएंगे उन्हें बिहार माफ नहीं करेगा : पप्पू

मृतक युवाओं के परिजनों को दी 5 लाख रुपए देने की घोषणा

पटना। पूर्व सांसद पप्पू यादव ने सारण में हुए चुनावी हिंसा और उसमें दो युवकों की मौत को चुनाव के दौरान फैलाये गये जातीय जहर का नतीजा बताया। पप्पू यादव ने इस मामले में बीजेपी और राजद को कोसा और कहा कि सारण में जो भी हो रहा है वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव में जातीय दंभ और जातिगत हिंसा की कोई जगह नहीं हो सकती। रूढ़ी जी आप और लालू जी 1990 में एक ही पार्टी में थे। दोनों साथ ही राजनीति कर रहे थे। आज अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए आम लोगों की ज़िंदगी से क्यों खेल रहे हैं? मां बहनों के सम्मान से खिलवाड़ क्यों? पप्पू यादव ने सभी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुए कहा कि कोई किसी जाति का अपमान और गाली गलौज न करें। जातीय हिंसा प्रति हिंसा से बहुत मुश्किल से बिहार आगे निकला है, फिर उस नफरत की आग में बिहार को न झोंकें। जिन अपराधियों ने छपरा में दो निर्दोष लोगो की हत्या की है, पुलिस त्वरित कारवाई कर उनको गिरफ़्तार कर जेल भेजे। इससे पहले भी मुंगेर, नवादा या, किसी लोक सभा क्षेत्र में चुनाव के दौरान जातीय जहर फैलाया गया है तो सभी समाज के प्रबुद्ध लोग आगे आकर उस विष का शमन करें। सभी वर्ग के बीच शांति सौहार्द को बढ़ावा दें। जो नफरत फैलाएंगे उन्हें बिहार माफ नहीं करेगा। आग्रह शांति सर्वोपरि है। पुलिस प्रशासन शीघ्रातिशीघ्र न्याय करे। उन्होंने कहा कि सारण में जो दो युवाओं की चुनावी हिंसा में हत्या की गई है। उनके परिजनों के साथ मेरी पूरी संवेदना है। शीघ्र हत्यारों की गिरफ़्तारी कर एक महीना के अंदर कठोरतम सजा दी जाय, जिससे भविष्य में बिहार में कोई चुनावी हिंसा न कर सके। उनके आश्रितों को एक-एक करोड़ रू और एक-एक सरकारी नौकरी दे राज्य सरकार। उन्होंने कहा कि मैं अपनी निजी कोष से उनके परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये प्रदान करुंगा। अभी अपने क्षेत्र पूर्णिया में हूं जैसे ही सारण में अमन कायम होगा मैं पीड़ित परिवारों से मिलूंगा। शांति सर्वोपरि है, किसी भी पार्टी और राजनीति से अधिक महत्वपूर्ण है इंसानों की जीवन रक्षा।

नीतीश कुमार के राज में आरक्षण को बढ़ाया गया:राजीव

● राजद-कांग्रेस पर जदयू प्रवक्ता ने किया करारा प्रहार

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

राजद-कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि जिस राजद-कांग्रेस ने अपने शासन में देश और बिहार लूट का अड्डा बना दिया था, उन्हें प्रधानमंत्री से दस वर्षों का हिसाब मांगते देख शर्म भी शर्मा गयी है। हकीकत में उन्हें जनता को बताना चाहिए कि उनके शासनकाल में बिहार में सड़क, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं लोगों को क्यों नहीं मिल पाती थी। उन्हें बताना चाहिए कि उनके शासनकाल में दलितों, पिछड़ों-अतिपिछड़ों और महिलाओं को उनका हक क्यों नहीं मिलता था? वह बताएं कि क्यों उनके राज में गरीबों के वोट लूट लिए जाते थे? वह बताएं कि उनके राज में रंगदारी और अपहरण को उद्योग किसने बनाया था? युवाओं के हाथों में कलम की बजाए लाठी और बंदूक किसने थमाया हुआ था? जदयू प्रवक्ता ने कहा कि राजद-कांग्रेस के नेताओं को बताना चाहिए कि जिस समय वहां के युवा पलायन करने पर मजबूर थे उसी समय उनके युवराजों के पास बिना किसी काम-धंधे के अकूत संपत्ति कहाँ से आ गयी? वह बताएं कि जमीन लेकर नौकरी देने वाले वह लोग मामला खुलने पर भी लोगों की जमीनें क्यों नहीं लौटाते? क्यों उनके राज में दलितों, पिछड़ों-अतिपिछड़ों और महिलाओं के आरक्षण को नहीं बढ़ाया गया? आज जब नीतीश राज में उनके आरक्षण को बढ़ा दिया गया है तब क्यों उनके नेता इन समाजों के आरक्षण को घटाना चाहते हैं? नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि राजद-कांग्रेस के नेताओं को जानना चाहिए कि जनता उनके जंगलराज को भूली नहीं है। उन्हें समझना चाहिए कि सिर्फ झूठे सवाल पूछने को ही राजनीति नहीं कहते बल्कि पूछे गये सवालों का जवाब देने की कुव्वत भी होनी चाहिए। अगर वह एक झूठा सवाल उछालेंगे तो उनसे 10 सही सवाल पूछे जायेंगे। इसलिए, वह झूठ फरेब की राजनीति छोड़कर उन्हें जनता की सही मन से सेवा करनी चाहिए। नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब उनकी पार्टी का सिंबल सिर्फ संग्रहालयों में नजर आएगा।

स्व राजीव गांधी की शहादत को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया

● सदाकत आश्रम में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। बिहार कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मोहन प्रकाश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्व गांधी की प्रतिमा पर फूल-माला अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर मोहन प्रकाश ने स्व गांधी को एक सच्चा देशभक्त एवं सज्जन प्रधानमंत्री के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि भारत रत्न स्व राजीव गांधी एक बेहतरीन इंसान थे और जिनकी सोच आधुनिक थी। देश में पंचायती क्रांति और पंचायती राज व्यवस्था का संचार के क्षेत्र में क्रांति पैदा कर दी एवं सत्ता का विकेन्द्रीकरण एवं प्रजातंत्र को गांव तक लाने का काम किया। अपने संदेश में बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि स्व राजीव गांधी मानवता के प्रतिमूर्ति थे। मानवीय मूल्यों में उनका विश्वास अटूट था। यह दुर्भाग्य है कि मौजूदा मोदी सरकार उनके परिवार को प्रताड़ित करने का कोई कोर-कसर नहीं छोड़ता। जिस व्यक्ति ने देश के सम्मान के खातिर अपने लहू से इस धरती को सिंचित कर दिया हो, उसके परिवार को देशद्रोही कहकर बुलाया, यह मेरी समझ में राष्ट्रद्रोह से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि वे एक बेहतरीन इंसान थे और प्रधानमंत्री के रूप में देश हमेशा उनको याद रखेगा। संयोगवश बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सदानन्द सिंह की 81वीं जयंती 21 मई को ही मनायी जाती है, इसलिए, कांग्रेस नेताओं ने अपने वरिष्ठ नेता के योगदान को भी याद किया एवं उनकी जयंती मनायी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खासतौर पर उपस्थित रहे। जिनमें शामिल है विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा मदन मोहन झा, कौकब कादरी, डा समीर कुमार सिंह, नरेन्द्र कुमार, प्रेमचन्द्र मिश्रा, राजेश कुमार, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, सुबोध कुमार, लाल बाबू लाल, अम्बुज किशोर झा, डा अजय कुमार सिंह, कुमार आशीष, शरवत जहां फातिमा, ललन यादव, कमलदेव नारायण शुक्ला, शशिकांत तिवारी, शशि रंजन, आजमी बारी, उदय शंकर पटेल, राज किशोर सिंह, संजीव कुमार कर्मवीर, डा संजय यादव, आदित्य पासवान, सुधा मिश्रा, मनोज मेहता, शरीफ रंगरेज, प्रदुमन यादव, गुरुदयाल सिंह, सुनील कुमार सिंह, प्रियंका सिंह, दीपक कुमार सिंह, हेमन्त झा, विश्वनाथ बैठा, सत्येन्द्र पासवान, मिहिर झा, विमलेश तिवारी, एस.एम. शरफ, विश्वनाथ भगत, मो औबेदुल्ला, संजय कुमार पाण्डेय, नरेन्द्र सिंह कुशवाहा।

हिंसा के जरिए चुनाव को प्रभावित करना राजद की पुरानी प्रवृति रही : उमेश कुशवाहा

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

छपरा में चुनावी हिंसा की घटना पर बिहार जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने राजद को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि छपरा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना इस बात का संकेत है कि श्री लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार बिहार में पुनः जंगलराज की वापसी चाहता है। हार के भय से विपक्ष के लोग अपना आपा खो चूके है, जिसका नतीजा है कि अब ये लोग उत्पात और तांडव मचाने पर उतर आए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हिंसा के जरिए चुनाव को प्रभावित करना राजद की पुरानी परंपरा रही है। लालू-राबड़ी की सरकार में चुनावी हिंसा आम बात हुआ करती थी। लेकीन साल 2005 में नीतीश सरकार आने के बाद बिहार में हिंसा का दौर पूरी तरह से समाप्त हुआ। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि छपरा की घटना के बाद बिहार की जनता के सामने राजद का भयावह चेहरा फिर से बेनकाब हुआ है। राजद के लोग जनता को डरा और धमका कर चुनावी लाभ लेना चाहते है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अशांति और उपद्रव फैलाने वालों को बिहार की जनता कभी स्वीकार और माफ नहीं करेगी, प्रदेश की आम जनता में राजद के खिलाफ भारी आक्रोश है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने बयान जारी कर मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, साथ ही सारण की जनता से शांति और सौहार्द बनाए रखने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच के बाद इस घटना में संलिप्त असमाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई होगी।

समर कैम्प में बच्चों ने सीखीं विभिन्न कलाओं की बारीकियां

पटना। बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान एवं कला जागरण पटना के सहयोग से दादी मंदिर, शक्तिधाम, कैंक रोड, पटना में बच्चों के लिए चलाये जा रहे समर कैम्प में तीसरे दिन की शुरुआत योग कला में पी एचडी रीना कुमारी ने बच्चों को प्राणायाम एवं योग आसन सीखा कर किया। बच्चों ने गायत्री मंत्र भी पढ़ा। आज वरिष्ठ रंगमंच निदेशक सुमन कुमार ने बच्चों को नाट्य कला की बारीकियां बताया। कुमार ने बताया की रंग मंच पर अभिनय के समय यदि संवाद भूल गए तो किस प्रकार संवाद को आगे बोला जाए की दर्शकों को इसका पता न चले। सुमन कुमार ने बच्चों को यह जानकारी नाटक बाल संसद का अभ्यास कराते समय दी। साथ ही रंगमंच कलाकार रणविजय कुमार ने बच्चों को का की बारीकियां बताई। कैम्प में बच्चों ने नलिनी दत्ता से घर सजाने के लिए वाल हैंगिंग बनाने के गुर सीखें तथा बनाया। कैम्प में रोज सिंह ने छोटे बच्चों को लोक संगीत चक धूम धूम घोड़े जैसी चाल, हांथी जैसी दुम, ओ सावन राजा कहाँ से आये तुमह्व पर डांस करना सिखाया। मौके पर आज हैदराबाद सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, थियेटर आर्ट्स डिपार्टमेंट से पास आउट प्रसिद्द नृत्य निदेशक नितेश कुमार द्वारा बच्चों को राजस्थानी लोक नृत्य ह्लबावन गज का दामन मैमातक के चलूंगीह्ल का प्रशिक्षण दिया. कलाकार विकास वैभव ने बच्चों को पेंटिंग बनाना सिखाया। मौके पर बिहार अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष अमर कुमार अग्रवाल ने कहा की इतनी अधिक गर्मी के बाद भी सभी बच्चे इस समर कैम्प का आनंद उठा रहे हैं तथा अभिनय की बारीकियों को सीख रहे हैं।

लोकसभा चुनाव दो विचारधाराओं के बीच : सुबोध

● सांसद के गोद लिये हुए गांव में विकास के कौन से कार्य हुए हैं?: एजाज

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

पाटलिपुत्रा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से इंडिया गठबंधन समर्थित राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी डॉ मीसा भारती के पक्ष में राष्ट्रीय जनता दल पाटलिपुत्रा के प्रधान कार्यालय दानापुर में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो सुबोध कुमार मेहता ने कहा कि देश में दो विचार धाराओं के बीच चुनाव है। एक विचारधारा संविधान एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने तथा कॉरपोरेट घराने की समर्थन करने वाली ताकतें हैं तो दूसरी ओर 90 प्रतिशत संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करने वाली किसान, नौजवान, गरीब, शोषित, वंचित के भविष्य को बचाने के लिए लगातार संघर्षरत है। आज देश में रोजगार के अवसर खत्म किये जा रहे हैं और रेलवे तथा केन्द्र की अन्य वैकेंसियां बंद हैं। इन्होंने आगे कहा कि डॉ मीसा भारती हमेशा विचार तथा आम लोगों के हितों के लिए कार्य करती रही है। तेजस्वी के नेतृत्व में 17 महीने के कार्यकाल में महागठबंधन सरकार ने पांच लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार दिया। साथ ही पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में मजबूती से बिहार को विकास के आयाम में जोड़ने का जो संकल्प था उसको आगे बढ़ाया। आरक्षण व्यवस्था के दायरे को आगे बढ़ाने के लिए जातीय गणना कराकर जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी हिस्सेदारी तय करते हुए 75 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की। इन्होंने कहा कि पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, सुनवाई और कार्रवाई वाली सरकार तेजस्वी जी के नेतृत्व में मजबूती से जनता और जनता के हितों के लिए कार्य किया।

इस अवसर पर प्रदेश राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि डॉ मीसा भारती जी को सभी वर्गों और आम लोगों का समर्थन मिल रहा है और पाटलीपुत्र की जनता अपने सांसद के साथ बिहार के सांसदों से पूछ रहे हैं कि आपने जिस गांव को गोद लिया था उसमें विकास के कौन से कार्य हुए और खासकर पाटलीपुत्र के सांसद रामकृपाल यादव बतायें कि उन्होंने विकास के लिए उन गांवों में कौन-कौन से विकास योजनाएं पहुंचायी हैं उसका विस्तृत विवरण लोगों के सामने प्रस्तुत करें। इस अवसर पर पटना जिला प्रधान महासचिव मो अफरोज आलम, पटना जिला राजद अध्यक्ष श्री दीनानाथ सिंह यादव, जिला प्रधान महासचिव मो0 अफरोज आलम, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता उपेन्द्र चन्द्रवंशी, मो मुश्ताक आलम सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

छात्रों के लिए कोचिंग एवं छात्र रसोई की करेंगे व्यवस्था : अंशुल

पटना। पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र के विद्यार्थी जो केंद्र और राज्य की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं अथवा करना चाहते हैं, उनके लिए न्यूनतम शुल्क पर अच्छी कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी। हमारे विद्यार्थी जो पटना में रह रहे हैं, उन्हें अच्छा खाना, कम से कम खर्च पर मिले, इसके लिए हम छात्र रसोइयों की स्थापना करेंगे। ये युवा हमारी ताकत हैं, इनका भविष्य अच्छा होगा तो पटना साहिब का भविष्य अच्छा होगा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने आज तक इन युवाओं से कोई संवाद नहीं किया, उनके बारे में नहीं सोचा। यह बात पटना साहिब लोकसभा से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार अंशुल अविजित ने मीडिया से कही। इससे पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी ने पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र की दीघा विधानसभा के नकटा दियारा में जनसभा को संबोधित कर जनसंपर्क किया। इसके बाद वे दीघा विधानसभा के वार्ड क्रमांक 8 बिंदटोली एवं आसपास के क्षेत्रों में जनसंपर्क के लिए पहुंचे। मंगलवार को दिन भर फतुहा विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में अंशुल ने रोड शो किया और लोगों से पंजा छाप पर मतदान की अपील की।

वैशाली : विजय शुक्ला और वीणा देवी के बीच कांटे की टक्कर

राजग हैट्रिक लगाने तो राजद फिर से वापसी करने के लिये कर रहा जोर-आजमाइश

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

बिहार में लोकसभा चुनाव में हाइप्रोफाइल संसदीय सीटों में शुमार देश का पहला गणतंत्र, जैन धर्म के संस्थापक वर्द्धमान महावीर की जन्मस्थली और गौतमबुद्ध का कर्मक्षेत्र रही वैशाली संसदीय सीट पर लोजपा (रामविलास) की प्रत्याशी विधान पार्षद दिनेश सिंह की पत्नी वीणा देवी और राजद प्रत्याशी लालगंज से तीन बार के विधायक रहे विजय शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला के बीच सीधा मुकाबला है। दोनों दल के प्रत्याशी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। लोजपा-रामिवलास प्रत्याशी वीणा देवी वैशाली क्षेत्र में पूर्व में किये गये काम को आधार बनाकर तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में किये विकास कार्यों के नाम पर वोट मांग रही हैं। वहीं, राजद प्रत्याशी विजय शुक्ला वैशाली के पूर्व सांसद रहे दिवंगत रघुवंश प्रसद सिंह के किये गये कार्यो को बताकर आम जनता से वोट मांग रहे हैं। राजद उम्मीदवार मुन्ना शुक्ला ने कहा है कि वैशाली के विकास, बेरोजगारी, महंगाई पर हम काम करेंगे। बीते एक दशक से वैशाली लोकसभा क्षेत्र का विकास रुक गया है। पूर्व सांसद रघुवंश बाबू के अधूरे सपने को हम पूरा करेंगे। वैशाली को शिखर पर पहुंचायेंगे। हम लोग सच्चे अर्थों में राजद के खेवनहार रघुवंश प्रसाद सिंह को मानने वाले लोग हैं। उन्होंने जो कार्य और पहचान को दिलाने का काम किया था, उनके बचे हुए कार्य को हम पूरा करेंगे। लोजपा रामविलास प्रत्याशी वीणा देवी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा है कि आज जो लोग रघुवंश प्रसाद सिंह को अपना गुरु और उनके विचार को लेकर क्षेत्र की बात कह रहे हैं। सच्चाई तो यह है कि इन लोगों ने उनके खिलाफ कई बार चुनाव लड़ने का काम किया था और उनके विरोध में बोल रहे थे। सामाजिक रूप से बेहद जागरूक वैशाली की राजनीति का अपना मन और मिजाज है। यहां हमेशा सामाजिक न्याय की पृष्ठभूमि पर ही सियासी संघर्ष होता रहा है लेकिन अगड़ी जाति के उम्मीदवार ही यहां से जीतते आए हैं। हालांकि बदलते दौर के साथ जन आकांक्षाएं बढ़ी हैं और लोग विकास के मुद्दों को आगे रखकर भी वोट कर रहे हैं। लोजपा-रामिवलास प्रत्याशी वीणा देवी का कहना है कि वैशाली की जनता 90 वाला दशक नहीं चाहती है। यहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ना चाहती है। विजय शुक्ना को राजद सुप्रीमो के माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण पर भरोसा है। उन्होंने कहा है कि वह बाहुबली नहीं जनबली है, जनता के बीच जाते हैं, जहां उन्हें बेहद प्यार मिलता है। वैशाली लोकसभा क्षेत्र में जातीय समीकरण से किसी उम्मीदवार की जीत और हार तय होती है।

वैशाली में राजपूत और यादव वोटरों का दबदबा :
वैशाली में राजपूत और यादव वोटरों का दबदबा है। इसके अलावा भूमिहार और मुस्लिम मतदाता भी यहां निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वैशाली संसदीय सीट पर राजग हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, वहीं राजद यहां फिर वापसी करने के लिये जोर-आजमाइश कर रही है। वैशाली संसदीय क्षेत्र के तहत विधानसभा की छह सीटें मीनापुर, कांटी, बरुराज, पारु, साहेबगंज और वैशाली आती हैं।

छह विस सीट में तीन पर भाजपा व दो पर राजद का कब्जा :
मीनापुर, कांटी, बरूराज और पारू मुजफ्फरपुर जिले में जबकि साहेबगंज और वैशाली, वैशाली जिले में है। बरुराज, पारु, साहेबगंज में भाजपा, मीनापुर और कांटी में राजद जबकि वैशाली में जदयू का कब्जा है। वैशाली संसदीय सीट से लोजपा(रामविलास), राजद, बहुजन समाज पार्टी, पांच निर्दलीय समेत 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है। वैशाली लोकसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 18 लाख 65 हजार 866 है। इनमें 09 लाख 85 हजार 113 पुरुष, 08 लाख 80 हजार 684 महिला और 69 थर्ड जेंडर हैं, जो छठे चरण में 25 मई को होने वाले मतदान में इन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। देखना दिलचस्प होगा कि देश के पहले गणतंत्र वैशाली में कौन विजयी पताका लहराने में सफल हो पाता है।

मतदान के आंकड़ों से संबंधित फार्म 17 नहीं दिया जाना चिंता का विषय : भाकपा

पटना, प्रातः किरण

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बिहार राज्य सचिवमंडल ने पिछले पांच चरणों में संपन्न लोकसभा चुनावों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर पीठासीन पदाधिकारियों द्वारा मतदान अभिकत्ताओं को मतदान के आंकड़ों से संबंधित फार्म 17 नहीं दिये जाने, जगह-जगह मांगने पर भी उससे इनकार कर तनावपूर्ण माहौल खड़ा करने संबंधी शिकायतों को घोर आपत्तिजनक और चिन्ता का विषय बताया है। भाकपा राज्य सचिवमंडल के सदस्य रामबाबू कुमार ने पार्टी की प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि निवार्ची पदाधिकारियों से मांग करने पर भी प्रत्याशियों को ये आंकड़े यह कहकर उपलब्ध नहीं कराये गये कि ऐसा प्रावधान ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में नहीं है। वास्तविकता जबकि यह है कि ऐसे आंकड़े पूर्व के सभी चुनावों में बूथों पर ही उपलब्ध कराये जाते रहे थे। इस संदर्भ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र में प्रत्याशी अवधेश कुमार राय ने, फिर पार्टी के राज्य सचिवमंडल ने बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को 17.05.2024 को अलग-अलग पत्र लिखकर कम से कम उक्त क्षेत्र के बूथवार मतदान संबंधी आंकड़े (पुरूष/महिला एवं प्रतिशत) उपलब्ध कराने की मांग की। वैसा ही पत्र पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने 18 मई, 2024 को भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भी लिखा। परंतु अब तक इस पर कोई कारवाई संबंधित अधिकारियों द्वारा नहीं की गयी है, बल्कि राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से तो साफ इनकार ही कर दिया गया है यह कहते हुए कि उनके स्तर से निवार्ची पदाधिकारी को निर्देश देने का कोई प्रावधान ही नहीं है। भाकपा का राज्य सविचमंडल इसे एक गंभीर मामला मानता है। ऐसा तब जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने भी बूथवार मतदान के आंकड़े और प्रतिशत पूर्णरूपेण प्रकाशित करने की बात कही है। निर्वाचन आयोग अभी तक इस पर चुप्पी साधे हुए है, जो न सिर्फ संदेहास्पद है अपितु लोकतंत्र और स्वस्थ निर्वाचन प्रक्रिया के लिए खतरे का सूचक है। समय रहते यदि इस प्रकार की शिकायतों का निवारण नहीं हुआ तो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सभी स्तरों पर प्रतिरोध कार्रवाइयाँ संगठित कर चुनाव आयोग की सत्ताधारी दल के साथ मिलीभगत का भंडाफोड़ करने को विवश होगी।

मोमबत्ती बनाने की कला सिख प्रसन्न हुए बच्चे

पटना। बिहार राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, बिहार सरकार द्वारा आयोजित समर कैंप के दूसरे दिन प्रतिभागियों को मोमबत्ती बनाने की कला सिखाई गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन क्राफ्ट एज स्टार्टअप की संस्थापक रितिका ने किया, जिन्होंने ग्रामीण उद्यमिता पर आधारित प्रशिक्षण के तहत मोमबत्ती निर्माण की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। रितिका ने प्रतिभागियों को मोमबत्ती निर्माण के लिए आवश्यक कच्ची सामग्री और विभिन्न किस्म की मोमबत्तियों के लिए अलग-अलग कांबिनेशन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोमबत्ती निर्माण एक गृह उद्योग है, जिसे आवश्यक मशीनों की व्यवस्था और प्रशिक्षण प्राप्त करके शुरू किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि आजकल शहरों में डिजाइनर कैंडल्स की मांग ज्यादा है, इसलिए डिजाइनर कैंडल बनाने की कला सीखना भी महत्वपूर्ण है। रितिका ने कहा, मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि अभिभावक बच्चे दोनों ही इस कठिन समय में भी समर कैंप में भाग ले रहे हैं। यह कैंप न केवल कौशल विकास के लिए बल्कि बच्चों और माता-पिता के बीच बेहतर समझ विकसित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसा गतिविधि है जो सभी को एकजुट कर रही है और एक नई कला का अन्वेषण कर रही है। इस समर कैंप में कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें केन्द्रीय विद्यालय, सेंट जोसेफ कॉन्वेंट, डॉन बॉस्को स्कूल और अरविंद महिला कॉलेज शामिल हैं। इसके अलावा, नालंदा और बरौनी जैसे विभिन्न जिलों से भी युवा इस कैंप में शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

नही रहे भाजपा के संस्थापक सदस्य विमलेदु चौधरी

बेनीपुर(दरभंगा)। तत्कालीन जनसंघ के वरीय नेता व भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य पौड़ी गाँव के 74 वर्षीय विमलेन्द्र चौधरी उर्फ बिमलेन्दू जी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार चौधरी ने कहा कि उनके निधन से स्थानीय स्तर पर सामाजिक व राजनीतिक दृष्टिकोण से अपूरणीय क्षति पहुँची है।श्री चौधरी ने कहा कि जनसंघ के तत्कालीन अध्यक्ष स्वर्गीय बलराज मधोक एवं भाजपा नेता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी, पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवानी व भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी के सानिध्य में स्वर्गीय चौधरी ने राजनीतिक यात्रा शुरू की थी।स्थानीय स्तर पर जनसंघ व भाजपा को पल्लवित व पुष्पित करने में उनकी भूमिका स्मरणीय रहेगी।ये कुशल संगठनकर्ता, मृदुभाषी व काफी व्यवहार कुशल व्यक्ति के रूप में याद किये जाएंगे। दलगत भावना से उपर उठकर विभिन्न दलों के नेता व कार्यकताओं के बीच समान रूप से वे आदरणीय थे।

विधायक शाहीन ने की छपरा गोलीकांड की तीव्र निन्दा

समस्तीपुर, बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने छपरा गोलीकांड की तीव्र निन्दा की है। उन्होंने कहा कि हमारे तीन कार्यकताओं को सारण में सत्ता पोषित गुंडों द्वारा गोली मार दी गई। जिसमें एक की दुखद मौत हुई है। इस तरह से लोकतंत्र की हत्या अगर की जाएगी, तो किस तरह देश चलेगा। जिन्होंने अपने बेटे को खोया है, उनके लिए संवेदना का हर शब्द खोखला है। शासन-प्रशासन के स्तर पर कमजोर तबके के वोटरों को डरा-धमका कर वोट करने से रोकना सामंतों की पुरानी बीमारी है। सारण में स्वयं हमारी प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के साथ बदसलूकी की कोशिश हुई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। ये शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वो स्थिति को नियंत्रण में करे और चिह्नित करे कि कौन से लोग लोकतंत्र का गला घोंटना चाहते हैं। गोली चलाने वालों को अविलम्ब गिरफ्तार किया जाना चाहिए तथा छपरा में बदहाल कानून व्यवस्था को सुचारु किया जाना चाहिए। जिनकी मृत्यु हुई है, उनके परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए।

कामिनी बनीं उप मुखिया

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड मुख्यालय के पंचायत समिति भवन के सभागार में तीरा पंचायत के उप मुखिया पद को लेकर उपचुनाव कराया गया। जहां एक आरओ सह बीडीओ देवेन्द्र कुमार की उपस्थिति में हुई। जिसमें कामिनी देवी को उप मुखिया पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं कामिनी देवी को सात मत प्राप्त हुआ। वहीं नजराना प्रवीण को 6 मत पड़ा। वहीं एक मत रिजेक्ट किया गया। इस उप चुनाव में मुखिया सहित कुल 14 सदस्य उपस्थित रहे। ऑब्जर्वर के रूप में भूमि सुधार उपसमाहर्ता बलवीर दास थे। तो वहीं विधि व्यवस्था के रूप में प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना अध्यक्ष नीतिश चंद्र धारिया, मीरा कुमारी, शंकर झा, मुखिया अर्चना देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नाबालिग से जबरन दुष्कर्म का करने लगाया आरोप

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म करने का प्रयास करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित के गांव का ही युवक द्वारा जोड़ जबरदस्ती किए जाने की बात कही गई है। मामले में पीड़ित की मां ने कल्याणपुर थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता की मां का कहना है कि जब हम अपने किशोरी की आवाज सुनकर बचाने गए तो मेरे साथ भी मारपीट किया है। वहीं प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष नीतीश चन्द्र धारियां ने बताया कि पीड़िता की मां के द्वारा आवेदन मिला है। जांच उपरांत आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

शराब मामले में 4 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने पिछले 48 घंटे के दौरान 18सौ लीटर से अधिक मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है।इस मामले में 4 अभियुक्त गिरफ्तार किए गये हैं। एसएसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।इस अवधि में वाहन चेकिंग अभियान में 5लाख 11हजार रुपये वसूल किए गये तथा एक वाहन को जब्त किया गया। वारंट के 14मामलों का भी निष्पादन किया गया।

आर्म्स एक्ट के अभियुक्त की पुलिस पिटाई से हालत हुई गंभीर, सदर अस्पताल में भर्ती

पुलिस पर लगा थाने में कमरा बंद कर अभियुक्त की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप

● इलाज के दौरान पुलिस कर्मी व चौकीदार रहे नदारद

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जिले के चकमेहसी पुलिस का बर्बर चेहरा सामने आया है। उसके ऊपर एक अभियुक्त के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिए जाने का आरोप लगा है। मामला जिले के चकमेहसी थाना का है। जहां पुलिस पर हथियार के साथ पकड़े गए युवक को थाना के कमरे में बंद कर बेरहमी से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस की इस पिटाई से युवक की स्थिति गंभीर होने पर उसे आनन-फानन में कल्याणपुर पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टरों के द्वारा उसका इलाज किया जा रहा था। युवक की पहचान चकमेहसी थाना क्षेत्र के जगदीश परना निवासी सत्यनारायण साह के पुत्र सूरज कुमार (18 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं इस संबंध में कल्याणपुर पीएचसी में पदास्थापित चिकित्सक डॉ राजाराम ने बताया कि चकमेहसी पुलिस के द्वारा युवक को इलाज के लिए पीएचसी लाया गया था। जहां उसका उपचार किया जा रहा था। उसकी स्थिति को देखते हुए चकमेहसी पुलिस के द्वारा ही उसे इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर करने का आग्रह किया गया था। जिसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। गंभीर हालत में सदर अस्पताल में इलाजरत सूरज कुमार ने बताया कि वह गांव में ही टाईल्स-मार्बल की मजदूरी का काम करता है। सोमवार की शाम वह अपने घर से अपने बेटे के लिए दवा लाने के लिए निकला था। गांव के ही सरकारी विद्यालय के पास एक युवक उसे जबरन एक पिस्टल थमा कर चला गया और कहा कि इसे थोड़ी देर के लिए रखो। इसके बाद वह परना स्कूल के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान चकमेहसी पुलिस आ गई और उसे पिस्टल के साथ पकड़ लिया, जबकि उसे पिस्टल के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उसने बताया कि परना चौक का रहने वाला एक युवक ने उसे पिस्टल दिया था। उसने बताया कि सोमवार की रात चकमेहसी पुलिस ने थाने में कमरा बंद कर उसकी लाठी-डंडे व थप्पड़ और मुक्के से जबरदस्त पिटाई की। इससे उसका सारा शरीर और पेट दर्द से कराह रहा है। वहीं बता दें कि आर्म्स एक्ट में पकड़ाए और पुलिस पिटाई से घायल युवक के इलाज के दौरान वहां एक भी पुलिस कर्मी व चौकीदार दिखाई नहीं दिए। इससे पुलिस की घोर लापरवाही भी सामने आयी है। वहीं इस संबंध में सदर एसडीपीओ-2 विजय महतो ने बताया कि चकमेहसी पुलिस के द्वारा कुछ बदमाशों को पकड़ा गया था। पुलिस के द्वारा मारपीट किए जाने की जानकारी नहीं है। इसके बारे में पता किया जा रहा है। घायल का पुलिस अभिरक्षा में इलाज कराना है। आर्म्स एक्ट के अभियुक्त के इलाज के दौरान पुलिस व चौकीदार के नहीं रहने के संबंध में थानाध्यक्ष से जानकारी ली जा रही है।

मैट्रिक का सर्टिफिकेट लाने गई छात्रा से विद्यालय में रुपए की मांग, शिक्षिका ने मारा थप्पड़

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

नगर थाना क्षेत्र के घोष लेन स्थित इंद्राणी उच्च विद्यालय में मैट्रिक का प्रमाणपत्र लाने गई विद्यालय की पास आउट छात्रा से प्रमाणपत्र देने के एवज में रुपए मांगने व थप्पड़ मारे जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित छात्रा के द्वारा नगर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी गई है। पीड़ित छात्रा का कहना था कि वह अपनी मैट्रिक का सर्टिफिकेट लाने के लिए इन्द्राणी उच्च विद्यालय गई हुई थी। जहां उससे सर्टिफिकेट देने के एवज में रुपए की मांग की गई। जब उसने कहा कि बिना रशीद के वह एक भी रुपया नहीं देगी तो उसे दूसरे दिन आने को कहा गया। दूसरे दिन जब वह अपनी सात सहेलियों के साथ विद्यालय गई और इस दौरान देर से आयी अपनी एक सहेली के साथ जब वह हंसी-मजाक कर रही थी, तो उसी दौरान विद्यालय की एक शिक्षिका के द्वारा उसे एक थप्पड़ मारा गया। वहीं इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि आवेदन के आलोक में पदाधिकारी को जांच के लिए भेजा गया था। जांच में ऐसा कुछ मामला सामने नहीं आया है। इस संबंध में कुछ भी सामने आने पर जांच किया जाएगा और विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में सिपाही गिरफ्तार

प्रात : किरण संवादाता

शराबबंदी को सफल बनाने की जिम्मेदारी सीएम नीतीश कुमार ने जिन कांधो पर दी है, खुद वही अक्सर नशे में धुत मिलते हैं. ताजा मामला बोचहा थाना क्षेत्र का है, लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर उच्च विद्यालय बोचहा के प्रांगण में बीएमपी 10 कंपनी से आए जवान का ठहराव स्थल बनाया गया था, सोमवार की देर रात शराब की नशे में उत्पात मचा रहे थे, इस घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने नशे में धुत सिपाही को गिरफ्तार कर लिया गया, सिपाही नंबर 639 सत्येंद्र कुमार के रूप में हुई है, थाना अध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने बताया कि उच्च विद्यालय बोचहा में शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक सिपाही को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, कोर्ट के आदेश के बाद आरोपित सिपाही को जेल भेज दिया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 33 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने बलभद्रपुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम चौधरी ने की। इस मौके पर उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमलोग डिजिटल युग मे हैं, हर हाथ मोबाइल और लैपटॉप ये राजीव गांधी की ही देन है, उन्हें संचार क्रांति का जनक कहा जाता है। उप मेयर नाजिया हसन, प्रदेश प्रतिनिधि सह जिला मीडिया प्रभारी मो.असलम ने कहा कि युवा शक्ति में भरोसा करने वाले राजीव जी ने मतदान की उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष कर लोकतंत्र सशक्त बनाने का काम किया। उन्होंने देश ही नहीं दुनिया के मानचित्र पर भारत की एक अलग पहचान बनाई। राजीव गांधी पंचायती राज और नगर पालिका विधेयक के सूत्रधार थे। उन्होंने लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय दिलाने के प्रयासों को भी प्रमुखता से बढ़ावा दिया। पंचायती राज संस्थाओं के जरिये लोगों को सशक्त बनाने का काम किया। नेताओं ने कहा कि आज ही के दिन तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान उनकी हत्या हो गई थी। आज पूरा देश उनको याद कर रहा है। कार्यक्रम मे विजयकांत मिश्रा, धनंजय सिंह, दिनेश गंगनानी, उदितनारायण चौधरी, मनोरंजन झा, प्रो.शिवनारायण पासवान, अब्दुर राशिद, बुच्ची देवी, हसमत अंसारी, प्रो. मिथिलेश यादव, आमिर अली सिद्दीकी, सैफ अली सिद्दीकी, राकेश कुमार पांडेय आदि ने श्रद्धांजलि दिया।वही इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता कांग्रेस नेता अमरेंद्र कुमार अमर ने कहा कि देश के लिए स्वर्गीय राजीव गांधी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि वे भारत में कंप्यूटर और दूर संचार क्रान्ति की नींव रखने वाले आधुनिक भारत के महान शिल्पी थे। गोष्ठी में सुशील कुमार सिंह,प्रेमचंद यादव,विजय कुमार महासेठ,संजय कुमार यादव,मिथिलेश कुमार पासवान,खुर्शीद रब्बानी,वकील अंसारी,महेश कुमार पासवान,राकेश सहनी,राकेश महतो,संजय महतो,सुभाष यादव,गोविंद भगत,फैसल अहमद,रामचंद्र चौधरी,जयराम ठाकुर,राजकुमार यादव, संजीव कुमार,संजय कुमार प्रसाद एव मो इलियास शमिल थे।

झमाझम बारिश से हुई कई मुख्य सड़कों पर जल जमाव

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) पुरैनी में हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली लेकिन जगह-जगह जल जमाव भी हो गया।बारिश से प्रखंड के कई मुख्य सड़कों पर नाले का गंदा पानी जमा हो गया। सोमवार की रात करीब 2 घंटे की बारिश से प्रखंड के अधिकांश सड़कों पर जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। बारिश का पानी नाले के पानी में घुलमिल जाने से दुर्गंध दे रहा है। गंदे पानी के कारण लोगों को इन सड़कों से आवागमन करने में परेशानी हो रही है। गंदे पानी के कारण पैदल चलना मुश्किल हो गया है, गंदे पानी से निकल रही दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों को यहां रहना मुश्किल हो गया है। जिससे स्थानीय निवासी काफी आक्रोशित दिख रहे हैं। झमाझम बारिश से शहर के गली मोहल्ले के अलावे दुर्गा स्थान मंदिर परिसर के सामने, गोरिहगरी चौक के पास, उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के पास, सेंट्रल बैंक के पास एवं कई अन्य जगहों पर जल जमा हो गया है।

डुमरिया में बिजली नहीं तो पीएनबी बैंक और एटीएम बंद, उपभोक्ता परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

डुमरिया के पीएनबी बैंक में बिजली नही रहने से एटीएम और बैंक से उपभोक्ता काफी परेशान है। कारण एटीएम और बैंक मात्र लाइट आने से चलता है। कई बार तो उपभोक्ताओं के रुपये एटीएम में ही लाइट जाने के कारण रह जाते है।तथा उपभोक्ता के पास रुपये निकलने का मोबाइल में मैसेज भी जाता है। जबकि उपभोक्ता के रुपये एटीएम मशीन में रहते है। जिसके कारण उपभोक्ताओं को घंटों एटीएम के पास जब तक लाइन में खड़े होना पड़ता है। तब तक लाइट नहीं जाती है।इस कारण उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तथा उपभोक्ताओं को पूरी तरह एटीएम का लाभ नहीं मिल पा रहा है।बैंक में बिजली नही रहने से उपभोक्ता खाफी परेशान रहते है, ऐसी ही एक घटना हमेशा डुमरिया पीएनबी बैंक में देखी गई। काचर निवासी राजन पासवान ने बताया की डुमरिया में पीएनबी बैंक और एटीएम से रुपये निकालने के लिये आया वह तकरीबन बारह बजे रुपये निकालने के लिये कतार में खड़ा हुआ। जब वह रुपये निकाल रहा था।तथा उसने रुपये निकालने की प्रक्रिया पूरी की उसी समय लाइट चली गई। तथा उसके रुपये एटीएम मशीन में ही अटके रह गये। उसके पास 7500 सो रुपये निकलने का मोबाइल पर मैसेज भी गया। इस कारण वह घबरा गया। फिर किसी ने उसको बताया की इस एटीएम के यही हाल है। तथा इस एटीएम में अक्सर कर अधिकांश उपभोक्ताओं के रुपये अचानक लाइट चली जाने के कारण अटक जाते है। राजन पासवान तकरीबन पांच घंटे एटीएम के पास लाइट आने का इंतजार करते हुये खड़ा रहा। तकरीबन छः बजे लाइट आई राहुल ने बताया की उसे कहीं आवश्यक काम से बाहर जाना था लेकिन इस समस्या के कारण वह बाहर भी नहीं जा सका,वही पीएनबी बैंक मैनेजर विनोद कुमार सिन्हा ने बताया की डुमरिया बैंक में जेनरेटर नही रहने के कारण काफी परेशानी है,उपभोक्ता गर्मी से परेशान है,बैंक में खाफी भीड़ लगती है,बिजली नही रहने से लोग परेशान रहते है,एटीएम में भी काफी दिक्कत आती है,ग्रामीण बताते है की न तो पीने का पानी का व्यवस्था है और नही बिजली का हमलोग बिजली के इंतजार में दिन दिन लाइन में लगे रहते है,गर्मी में लाइन लगे लोग बेहोश हो जाते है, इससे किसी का जान भी जा सकती है।

196 विद्यालयों में विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु आरो वाटरकुलर डिस्पेंसर लगाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया।आकांक्षी जिला कार्यक्रम अन्तर्गत गया जिले के विभिन्न प्रखण्डों में अवस्थित 196 विद्यालयों में विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु आरो वाटरकुलर डिस्पेंसर का अधिष्ठापन किया गया है। जिससे इस भिषण गर्मी में विद्यार्थियों को पठन-पाठन कार्यो में सुलभता प्रदान किया गया है।

इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों में उपस्थिति को अधिक से अधिक बढावा देने हेतु किया गया है। इस योजना से विद्यार्थियों को हर मौसम में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होगी एवं विशेष रूप से गर्मियों में शुद्ध शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। इस योजना का स्वीकृत्यादेश जिला पदाधिकारी, गया डॉ० त्यागराजन एसएम द्वारा प्रदान किया गया है। इस योजना का मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण जिला पदाधिकारी, गया द्वारा किया गया है।आमस प्रखंड अवस्थित दो विद्यालय में, अतरी प्रखंड अवस्थित दो विद्यालय, बाकेबाजार प्रखंड अवस्थित चार विद्यालय, बाराचट्टी प्रखंड अवस्थित तीन विद्यालय, बेला प्रखंड अवस्थित ग्यारह विद्यालय, बोधगया प्रखंड अवस्थित चोदह विद्यालय, डोभी प्रखंड अवस्थित ग्यारह विद्यालय, डुमरिया प्रखंड अवस्थित एक विद्यालय, फतेहपुर प्रखंड अवस्थित आठ विद्यालय, नगर प्रखंड अवस्थित एक्तीस विद्यालय, गुरुआ प्रखंड अवस्थित ग्यारह विद्यालय, इमामगंज प्रखंड अवस्थित एक विद्यालय, खिजरसराय प्रखंड अवस्थित आठ विद्यालय, कोच प्रखंड अवस्थित ग्यारह विद्यालय, मानपुर प्रखंड अवस्थित सतरह विद्यालय, मोहनपुर प्रखंड अवस्थित पांच विद्यालय, परैया प्रखंड अवस्थित सात विद्यालय, नीमचक बथानी प्रखंड अवस्थित पांच विद्यालय, शेरघाटी प्रखंड अवस्थित बारह विद्यालय, टनकुप्पा प्रखंड अवस्थित सात विद्यालय, टिकारी प्रखंड अवस्थित तेरह विद्यालय एव वजीरगंज प्रखंड अवस्थित दस विद्यालय में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु आरो कुलर वाटर, क्लुर डीसपेन्सर का अधिष्ठापन करवाया गया है।

हरिश्चंद्र बाबू सच्चे समाजसेवी के साथ-साथ ईमानदार व्यक्ति थे : पप्पू

जेपी सेनानी हरिश्चंद्र मंडल के निधन पर शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)।अलीनगर प्रखंड के नावानगर गांव में जेपी सेनानी हरिश्चंद्र मंडल के निधन पर शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजाकांत झा की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में दरभंगा जिले के विभिन्न स्थानों से आए जेपी सेनानियों ने दो मिनट का मौन व्रत धारण कर मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी को भी याद कर उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश दिया गया। शोक सभा में हरिश्चंद्र मंडल को याद करते हुए भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष और समाज सेवी संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा जब देश में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लोकतंत्र की हत्या कर पूरे देश में इमरजेंसी लगा दी गई तब जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार सहित पूरे देश में जमकर आंदोलन हुआ। हमारे नरमा नवानगर से हरिश्चंद्र बाबू ने इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर कर भाग लिया और देश को कांग्रेस के शासन से मुक्त करवाने का काम किया। बाद के दिनों में हरिश्चंद्र बाबू समाज के लिए हमेशा काम करते रहे। वे एक सच्चे समाजसेवी के साथ-साथ ईमानदार व्यक्ति थे. उनका जाना ना सिर्फ इस गांव के लिए बल्कि संपूर्ण जिले के लिए दुःख की बात है. बताते चले कि जेपी सेनानी हरिश्चंद्र मंडल का निधन 4 मई को हार्ट अटैक से हो गया था। बैठक में प्रमोद कंठ, राजाकांत झा, अमरनाथ झा, मुनाई मंडल, दीनानाथ झा, मल्हू मंडल, श्रवण झा, उपेंद्र यादव, हुलन चौधरी, विजय झा, विशंभर झा, उग्रतारा देवी, इन्नर देवी, संतोष मंडल, ललिता देवी, कंचन देवी, शिवशंकर चौधरी, नरेश मिश्र, जय प्रकाश चौड़े, वरुण ठाकुर आदि लोग उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत हरिश्चंद्र मंडल के पुत्र रमन मंडल ने किया।

अगले 5 दिनों तक बनी रहेगी बर्षा की सम्भावना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मौसमीय परिस्थिति के कारण उत्तर बिहार के जिलों में अगले 5 दिनों तक बारिश की सम्भावना बनी रहेगी। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जारी मध्यावधि मौसम पूवार्नुमान में यह जानकारी दी गई है। आज 22से 26 मई तक के लिए जारी मौसम पूवार्नुमान में बताया गया है कि इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्की बारिश की सम्भावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 36से 39और न्यूनतम तापमान 22से 24डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.5 एवं 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 58 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.4 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.2 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.2 एवं दोपहर में 37.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 2.2 मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।मध्यावधि मौसम पूवार्नुमान 22-26 मई तक की अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।इस अवधि में औसतन 18 से 25 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।किसानों को सलाह दी गई है कि पूवार्नुमानित अवधि में वर्षो की संभावना को देखते हुए तैयार मक्का फसल की कटनी, दौनी तथा दानो को सुखाने के कार्य में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कीटनाशकों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।खरीफ मक्का की उत्तर विहार के लिए अनुशंसित किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान शक्तिमान-2, राजेन्द्र संकर मक्का-3, गंगा-11 है। खरीफ मक्का की बुआई 25 मई से शुरू करें खरीफ धान के राजश्री, राजेंद्र मंसूरी, राजेंद्र श्वेता, किशोरी, स्वर्ण, स्वर्ण सब-1 वीपीटी-5204, और सत्यम जैसी लंबे समय तक चलने वाली धान की किस्में उगाने वाली नर्सरी को 25 मई से लगाया जा सकता है। स्वस्थ पौधों को सुनिश्चित करने के लिए खेत को नर्सरी के लिए तैयार करें और उसमें सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। नर्सरी में क्यारी 1.25-1.5 मीटर चौड़ा होना चाहिए, और लंबाई आपकी सुविधा के अनुसार समायोजित की जा सकती है। एक हेक्टेयर क्षेत्र में रोपाई के लिए 800-1000 वर्ग मीटर का नर्सरी क्षेत्र तैयार करें। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करें तथा बोआई से पूर्व उपचारित करना सुनिश्चित करें।

केवटी व जाले क्षेत्र में पुरुष मतदाता के मुकाबले महिला मतदाता का प्रतिशत रहा अधिक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी राजीव रौशन के द्वारा मधुबनी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंश भाग अन्तर्गत केवटी एवं जाले विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर कुल 3,04,192 पुरुष ,महिला और ट्रांसजेंडर मतदाता है, जिनमें 77,876 पुरुष मतदाता, 89,670 महिला मतदाता कुल 1,67,546 मतदाताओं ने 20 मई को अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि केवटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बूथ नम्बर 253 (बाबा साहेब राम संस्कृत महाविद्यालय, पचाढ़ी पूर्वी भाग) के कुल 1,021 मतदाता ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो केवटी विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक रहा। जबकि बूथ नम्बर 86 (प्राथमिक विद्यालय, बतौल) के कुल 406 मतदाताओं में से सिर्फ 133 मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार केवटी विधानसभा के 48.41 प्रतिशत पुरुष मतदाता, 62.57 प्रतिशत महिला मतदाता द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया, जबकि केवटी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का कुल मतदान का प्रतिशत 55.08 रहा।

श्री रौशन ने कहा कि जाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बूथ नम्बर 329 (प्राथमिक विद्यालय, अतरलबेल रामचौरा) के 72.73 प्रतिशत मतदाताओं ने तथा बूथ नम्बर194 (रामउतार गौतम संस्कृत महाविद्यालय, अहिल्यास्थान पश्चिम भाग) के 70.21 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो जाले विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक रहा। जबकि बूथ नम्बर 89 (मध्य विद्यालय, बंधौली पश्चिमी भाग) के कुल 932 मतदाताओं में से सिर्फ 311 मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो सबसे कम 33.37 प्रतिशत रहा।

इस प्रकार 87-जाले विधानसभा के 46.10 प्रतिशत पुरुष मतदाता, 60.88 प्रतिशत महिला मतदाता द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया, जबकि जाले विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का कुल मतदान का प्रतिशत - 53.10 रहा।उन्होंने कहा कि दोनों विधान सभा के मतदान प्रतिशत में महिलाओं का पुरुषों की अपेक्षा काफी अधिक रहा।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल 3,24,942 पुरुष ,महिला और ट्रांसजेंडर मतदाता है, जिनमें 78,814 पुरुष मतदाता, 93,730 महिला मतदाता कुल 172,544 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उन्होंने कहा कि जाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान प्रतिशत में महिलाओं का पुरुषों की अपेक्षा काफी अधिक रहा।

चुनाव कार्य से अनुपस्थित 144 मतदान कर्मियों पर होगी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। लोकसभा चुनाव के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु लंगट सिंह कॉलेज मुजफ्फरपुर में स्थापित डिस्पैच सेंटर पर 18 मई को पीठासीन पदाधिकारी, पी वन, पी टू, पी थ्री को योगदान करने का निर्देश दिया गया था किंतु 144 कर्मी अपने कर्तव्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। उनसे पूछे गये स्पष्टीकरण में उनके इस कृत्य को अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं कर्तव्यहीनता माना गया है। इस कृत्य को गंभीरता से लेते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने चुनाव में योगदान नहीं करने वाले कर्मियों से स्पष्टीकरण की मांग की है। जिन कर्मियों का जवाब असंतोषजनक रहेगा वैसे कर्मियों के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं के तहत विधिसम्मत कार्रवाई करने का आदेश जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा कार्मिक कोषांग के नोडल पदाधिकारी को दिया गया है। योगदान नहीं करने वाले कर्मियों में सकरा ,गायघाट ,कुढ़नी ,बोचहा ,औराई और मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र के पीठासीन पदाधिकारी ,मतदान पदाधिकारी -1 ,2 एवं 3 शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

बुद्ध जयंती के अवसर पर किया जाएगा विचार गोष्ठी का आयोजन

अलौली। देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने बताया कि 23 मई 2024 को बैसाखी पूर्णिमा के अवसर पर बुद्ध जयंती समारोह पूर्वक मनाया जाएगा । तथा बुद्ध झांकी निकाली जाएगी। इस अवसर पर बुद्ध के विचारों की प्रासंगिकता एवं हमारी भूमिका विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन श्री युवक प्रखंड पुस्तकालय सभागार अलौली में किया जाएगा। कार्यक्रम में जादूगर भंते प्रकाश बौद्धिष्ट द्वारा जादू के माध्यम से अंधविश्वास पाखंडवाद का पोल खोला जाएगा। समाजसेवी गौतम गुप्ता, प्रफुल्ल चंद्र घोष, अमरीश यादव दर्जनों वक्ता भाग लेंगे। श्री यादव ने कार्यक्रम में आधिकाधिक संख्या में भाग लेने का अपील किया।

बिहार में बारिश का दौर फिर से शुरू

जमुई बिहार में धीरे-धीरे मॉनसून प्रवेश कर रहा है. मौसम विभाग की तरफ से आज से 24 मई तक के लिए बारिश का येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है. वहीं दूसरी ओर प्रदेश का तापमान भी 45 डिग्री पहुंच चुका है. ऐसे में लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिल रही है. विभाग ने प्रदेश में 20 मई को बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिससे लोकसभा के पांचवे चरण के मतदान के लिए घरों से निकलने में लोगों को आसानी हो रही है।

छात्र छात्राओं और अभिभावक के साथ मारपीट, गली गलौज करने के खिलाफ कुलपति का किया पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बीएन मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा में संचालित पोस्ट ग्रेजुएशन सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा में सम्मलित होने वाले छात्र छात्राओं के साथ ईस्ट एंड वेस्ट टीचर ट्रेनिंग कॉलेज सहरसा के डायरेक्टर रजनीश रंजन के निजी सचिव द्वारा परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र छात्राओं और उसके अभिभावक के साथ मारपीट और गली गलौज करने के खिलाफ संयुक्त छात्र ने बीएन मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा के कुलपति डॉ. (प्रो.) विमलेंदु शेखर झा का पुतला दहन किया। छात्र नेता एनएसयूआई सहरसा जिला अध्यक्ष विराज कश्यप ने कहा कि बीएन मंडल विश्वविद्यालय प्रशासन मधेपुरा के द्वारा स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) का परीक्षा केंद्र यूजीसी एक्ट के खिलाफ एक पूर्व से विवादित सेल्फ फाइनेंस कॉलेज ईस्ट एंड वेस्ट टीचर ट्रेनिंग कॉलेज को बनाया गया है जो कि निसंदेह बीएन मंडल विश्वविद्यालय में परीक्षा प्रणाली के विश्वशनीयता पर एक सवाल खड़ा करता है। यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 2 एफ के अंतर्गत देशभर के किसी भी कॉलेज को मान्यता दी जाती है और उसका रजिस्ट्रेशन होता है। वहीं, धारा 12 बी में रजिस्टर्ड कॉलेज को केंद्रीय अनुदान की पात्रता हो जाती है और ऐसे कॉलेजों में ही विश्वविद्यालय के ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन परीक्षा केंद्र बनाया जा सकता है। जबकि बीएन मंडल विश्वविद्यालय प्रशासन मधेपुरा के द्वारा सेल्फ फाइनेंस बीएड कॉलेज सिर्फ एनसीटीई से मान्यता प्राप्त है ऐसे कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। एआईएसएफ के प्रदेश नेता शंकर कुमार ने कहा कि सेल्फ फाइनेंस कॉलेज ईस्ट एंड वेस्ट टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के डायरेक्टर रजनीश रंजन पूर्व से कई मामलों में आरोपी और विवादित रहा है जैसे बीएड डिग्री में टॉपर करने का स्कैंडल चलाने बिहार सरकार के द्वारा निर्धारित बीएड पाठ्यक्रम के निर्धारित शुल्क से ज्यादा वसूली करने और बीएन मंडल विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा यूजीसी एक्ट के खिलाफ ईस्ट एंड वेस्ट टीचर ट्रेनिंग कॉलेज सहरसा को स्नातकोत्तर सेकेंड सेमेस्टर परीक्षा केंद्र बनाया गया। इसकी जानकारी पूर्व में विश्वविद्यालय प्रशासन को दिया गया था। छात्र जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव बंटी ने कहा कि बीएन मंडल विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा सहरसा के छात्रों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है और मोटे पैसे पर परीक्षा केंद्र को बेचा गया है और पोस्ट ग्रेजुएशन परीक्षा केंद्र ईस्ट एंड वेस्ट टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के डायरेक्टर के द्वारा अपने निजी सचिव के द्वारा अभद्र व्यवहार करवाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मौके पर एनएसयूआई के आशुतोष कुमार, रितेश, कुंदन कुमार, चंदन कुमार, आशीष कुमार, जवाहर कुमार, बिनोद कुमार, अमर कुमार, प्रभु कुमार, अमित कुमार, विकास, पिंटू, एआइएसएफ के प्रेम शंकर सिंह आदि मौजूद थे।

घर घर जाकर स्वास्थ्यकर्मी वोट आवश्य देने को ले लोगों को कर रहे जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

वैशाली। वैशाली लोकसभा चुनाव मे वोट प्रतिशत बढ़ाने को ले स्वास्थ्यकर्मियों ने भी पुरी ताकत झोक दी है।प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वैशाली द्वारा अलग अलग टीम बनाकर घर घर जाकर स्वास्थ्यकर्मी लोगो को वोट आवश्य देने को ले लोगो को जागरूक कर रहे है।वही मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सभागर मे ए एन एम एवं आशा फैसिलेटर के साथ बैठक कर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.सीमा सरोज ने प्रखंड क्षेत्र मे चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान का जायजा लिया एवं बैठक मे उपस्थित सभी स्वास्थ्य कर्मियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने लोकतंत्र मे मतदान के महत्व को बताते हुए कहा की हर हाल मे सभी लोगो को मतदान करना चाहिए।उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को घर घर जाकर मतदान करने के लिए लोगो को जागरूक करने की बात कही ।वही प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक शकील अंसारी ने प्रखंड क्षेत्र के कई गांव मे जनसम्पर्क कर लोगो से लोकतंत्र के इस महापर्व मे मतदान करने की अपील की।प्रबंधक ने बताया की मतदाताओं की शत प्रतिशत सहभागीता सुनिश्चित करने को ले प्रखंड स्तरीय मोनेटरिंग टीम का गठन भी किया गया है।जिसमे डॉ.असलम परवेज,डॉ.सुमित कुमार,डॉ.रामायोध्या साह, डॉ.मुकेश कुमार,शकील अंसारी बिनोद कुमार शर्मा,कृष्णा कुमार,नीतू कुमारी,मनमोहन बलाई को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतो मे मतदाताओ को जागरूक करने की जवाबदेही दी गई है।वही मतदाताओं की शत प्रतिशत सहभागीता सुनिश्चित करने को ले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे कंट्रोल रूम भी बनाया गया है ।

बढ़ते अपराध पर नियंत्रण को ले एएसपी ने की व्यवसायियों के साथ अहम बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा अपराध नियंत्रण को लेकर एएसपी प्रवेंद्र भारती ने व्यावसायियों के साथ आदर्श थाना सिंहेश्वर में एक बैठक आयोजित की। जहां जिले में अपराध नियंत्रण के लिए बाजार के संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले जगहों पर सीसीटीवी कैमरा अधिक से अधिक लगाने का आग्रह किया, साथ हीं गर्ल्स विद्यालय के आसपास अनावश्यक रूप से मजनुओं का जमावड़ा पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस की चौकसी हेतु विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। वहीं बैठक के दौरान एसएसपी श्री भारती ने कहा कि ऐसे जगहों पर पुलिस पदाधिकारी ऐसे मजनुओं को पकड़ कर उसके गार्जियन को वार्निंग देकर छोड़ेंगे, ताकि आगे इस तरह की हरकत पर लगाम लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि सीएसपी संचालक और व्यवसाई अगर मोटा रकम लेकर कही जा रहे हैं तो पुलिस से जरूर सहयोग ले। वहीं बाजार में लग रहे जाम की समस्या को लेकर उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से बाजार में ठेला लगा देता है जिसे हटा दिया जाता है फिर लगा देता है ऐसे बिंदुओं पर भी प्रकाश डाला जाय ताकि जाम की समस्या से निजात मिल सके। उन्होंने व्यवसायियों को संबोधित कर कहा कि पुलिस हमेशा आपकी सेवा में तत्पर रहेगी आप पुलिस से सहयोग लें और सहयोग करें ताकि बढ़ते अपराध पर नियंत्रण हो सके। वहीं इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सह व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवचंद चौधरी, व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय टेकरीवाल, महासचिव अशोक भगत, पुर्व सरपंच राजीव कुमार बबलू, पार्षद शंकर चौधरी, शंकर स्वर्णकार, आदि दर्जनों व्यवसाई मौजूद रहे।

वैनवी पासवान करेगी नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप मे बिहार का प्रतिनिधित्व

प्रात : किरण संवाददाता

वैशाली।प्रखंड क्षेत्र के केशोपुर निवासी प्रो. विनय पासवान की 9 वर्षीय लड़की वैनवी पासवान पुणे मे आयोजित नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप मे बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी।जिसे लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र मे काफी हर्ष का माहौल है।वैनवी के कोच कोलकत्ता निवासी विमल कुमार सिंह एवं पिता प्रो.विनय पासवान ने बताया की वैनवी का चयन कई प्रतियोगिता मे सफल होने के बाद किया गया है।21 मई से 26 मई तक श्री शिव छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स कप्लेक्स बेलेवाड़ी पुणे महाराष्ट्र मे आयोजित गर्ल्स नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप मे बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी ।वैनवी बुद्धा ग्लोबल विलेज एकेडमी की क्लास 3 की छात्रा है।इनके इस सफलता पर विद्यालय के बच्चों आस पास के गांव के लोगो के साथ साथ पूरे प्रखंड क्षेत्र मे हर्ष का माहौल है।बताते चले की वैनवी के पिता एक निजी कॉलेज मे प्रोफेसर है वही इनकी माँ एक सरकारी स्कूल मे शिक्षिका है वैनवी के दादा राजगीर पासवान भी एक सेवनिवृत शिक्षक है।पूरे परिवार मे शिक्षा का माहौल होते हुए भी अपने बॉक्सिंग का शौक के बारे मे वैनवी ने बताया की मुझे बॉक्सिंग खेलने मे काफी आनंद आता है।और मुझे इसमे आगे काफी कुछ करना है।

प्रखंड में मनरेगा कर्मी के द्वारा खेत पोखरी, पोखर खुदाई एवं चेकडैम निर्माण में भारी अनियमितता

कोई भी योजना किसानों के लिए हितकर नहीं, सिर्फ सरकारी राशि का हो रहा बंदरबांट

- मजदूर के जगह पर जेसीबी मशीन से कार्य को दे रहे हैं अंजाम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिले के अति पिछड़ा प्रखंड लक्ष्मीपुर के विभिन्न पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) द्वारा संचालित योजनाओं में मनरेगा कर्मी का मनमानी चल रहा है। चाहे खेत पोखरी या पोखर निर्माण हो, चाहे चेकडैम/छिलका निर्माण हो , सभी कार्यों में मजदूर को हटाकर जेसीबी मशीन से कार्य कराया जा रहा है।

जबकि मनरेगा का उद्देश्य है कि टिकाऊ संपत्तियां जैसे सड़कों, नहरों, तालाबों और कुओं का निर्माण कार्य मजदूरों से करवाकर एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन की गारंटी मजदूरी रोजगार प्रदान करना है। लेकिन ऐसा सिर्फ कागजों पर दिखाई दे रहा है। प्रखंड क्षेत्र से रोजगार के बिना मजदूर पलायन हो रहे हैं।

ताजा मामला लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत मटिया पंचायत के वार्ड नंबर:-01और 02 का है। जहां ग्रामीणों की शिकायत पर मेरे संवाददाता स्थलीय निरीक्षण को पहुंचे तो देख कर दंग रह गए।

रविवार रात्रि को वार्ड नंबर 01 में मनरेगा द्वारा संचालित योजना बदरौट गांव में डोमन टुडू के जमीन पर जेसीबी मशीन से खेत पोखरी का निर्माण कराया गया है। स्थलीय निरीक्षण के उपरांत डोमन टुडू के निमार्णाधीन खेत पोखरी में गाड़ी के चक्कों का निशान पाया गया है। जिसकी सूचना मेरे संवाददाता ने दूरभाष से मटिया पंचायत के रोजगार सेवक धर्मेन्द्र कुमार को दी, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं लिया। फिर लक्ष्मीपुर प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारी कौशलेंद्र कुमार को जानकारी दी गई लेकिन वो भी असहाय दिखे और कार्य को बन्द करने की सहमति जताई। जबकि मटिया पंचायत में जितने भी खेत पोखरी का निर्माण कराया गया है वो सभी खेत पोखरी किसानों के लिए फायदेमंद नहीं है और ना ही उसमें जल संचय हो सकता है।

इतना ही नहीं पंचायत समिति सदस्य के द्वारा मनरेगा से संचालित योजना का भी वही हाल है।हद तो तब हो गई जब मटिया पंचायत समिति सदस्य की योजना डगरैली आहर को मनरेगा कर्मी के सहयोग से आनन्दपुर पंचायत के जमीन पर कर रूपए की निकासी हो रही है।जो भी चेकडैम/ छिलका निर्माण कार्य हुआ है वो किसानों के लिए ना तो फायदेमंद है ना ही हितकारी है। वहीं बदरौट गांव के अलावा बेला, डाकिया गांव में भी कई खेत पोखरी का जेसीबी मशीन से निर्माण कराया गया है।जो जांच का विषय है। वार्ड नंबर 01 के ग्रामीण जनता ने बताया कि मनरेगा कर्मी की मिलीभगत से सरकारी राशि का बंदरबांट हो रहा है और हम ग्रामीण रोजगार के मोहताज है।

उक्त बातें राजेश कुमार टुडू, सुखदेव टुडू, कन्हैया टुडू, मुन्नी देवी, संगीता देवी, तनकु टुडू, रमेश टुडू,सम्मर हेम्ब्रम, तालो देवी, सोनेलाल हेम्ब्रम, मुकेश बेसरा, बाबुलाल बेसरा, सुक्कर बेसरा, छक्कन लाल बेसरा एवं अन्य ने कही। वहीं ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और उप विकास आयुक्त से मटिया पंचायत में मनरेगा कर्मी के द्वारा मचाई जा रही लूट को उजागर करते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करती है।

अपराधियों ने की ट्रेक्टर की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा शातिराना अंदाज में अपराधियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि सीसीटीवी कैमरे में चोरों की करतूत कैद हो गई है। मामला सदर थाना क्षेत्र के सुखासन रोड स्थित भिरखी मोहल्ले की है जहां बीते देर रात चोरों ने शातिराना अंदाज में एक ट्रेडर्स परिसर से ट्रेक्टर लेकर फरार हो गया। वहीं पीड़ित ट्रेडर्स मालिक ने थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। बता दें कि मधेपुरा में ट्रेक्टर चोरी का ये कोई पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई ट्रेक्टर चोरी हुई है हालांकि एक दो केस डिटेक्ट भी हुआ है जिसमे पुलिस ने खुलासा कर ट्रेक्टर भी बरामद किया है। बताया जा रहा है कि खासकर कोसी के इलाके में अंतर राज्य ट्रेक्टर चोर गिरोह सरगना का आतंक है।हालांकि पीड़ित भीरखी वार्ड संख्या 25 निवासी डॉ. रंजन कुमार रमन ने सदर थाना में आवेदन दिया है, उन्होंने थाना में दिए आवेदन में बताया कि सुखासन रोड स्थित शिव ट्रेडर्स के आगे उनका स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर और ट्रेलर रखा हुआ था लेकिन रात करीब डेढ़ बजे चोरों ने ट्रैक्टर चोरी कर लिया। जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 43 जी 4955 है। उन्होंने इस मामले में मधेपुरा एसपी संदीप सिंह से उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं बहरहाल पुलिस के आलाधिकारी इस मामले में कैमरे पर कुछ ना बोलते हुए कहा कि पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है बहुत जल्द मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आदेश- बिना जानकारी 15 दिनों तक अनुपस्थित रहने वाले बच्चों का कटेगा नाम

स्कूलों में 90 प्रतिशतउपस्थित नहीं रहने पर एचएम व शिक्षक पर होगी कार्रवाई

- तीन दिन नहीं आने वाले बच्चों की ली जाएगी फोन से जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टी के बाद एक बार फिर से पढ़ाई शुरू हो चुकी है। हालांकि इन दिनों ज्यादातर स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कम रही। गर्मी की छुट्टी के बाद स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 90% अनिवार्य कर दी गई है। शिक्षकों की उपस्थिति भी शत प्रतिशत होनी निहायत जरूरी है। बीईओ मो.समसुल हौदा ने बताया कि स्कूलों में 90% उपस्थिति नहीं रहने पर प्रधानाध्यापक और शिक्षकों पर नियम नुसार कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर स्कूल के शिक्षकों और प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी बढ़ गई है। पहले से लागू निर्देश के अनुसार तीन दिन से अधिक बिना बताए स्कूल नहीं आने वाले बच्चों के अभिभावकों से स्कूल प्रबंधन के द्वारा फोन कर स्कूल नहीं आने के कारण पूछा जाता है।सात दिनों तक स्कूल नहीं आने पर अभिभावकों को नोटिस भेजा जाता है और बिना जानकारी 15 दिनों तक स्कूल नहीं आने वाले बच्चों का रजिस्टर से नाम काट दिया जाता है। इसके बाद दोबारा नाम लिखवाने के लिए प्रॉपर कारण के साथ अभिभावकों को शपथ पत्र एफिडेविट के साथ देना होता है तब जाकर नाम वापस रजिस्टर में दर्ज हो सकता है।

सरकारी स्कूलों में 75% अटेंडेंस अनिवार्य है और बिना कारण बताएं 15 दिनों तक उपस्थित नहीं रहने वाले बच्चों का नाम काटने का सिलसिला जारी है। जुलाई 2023 से इस वर्ष 13 अप्रैल तक यानी 10 महीने में पूरे बिहार में कक्षा एक से 12 तक के 23,96,717 बच्चों का नाम काटा जा चुका है। इसमें से 421213 बच्चों का री-एडमिशन लिया गया है। पूरे बिहार में कक्षा 1 से आठवीं तक 1924 042 और कक्षा नौवीं से 12वीं तक 472675 बच्चों का नाम अब तक काटा जा चुका है ।

बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने की हो रही पहल

सरकारी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 90% हो सके इसको लेकर शहरी क्षेत्र के स्कूलों के लिए मीना मंच,बाल संसद,वर्ग शिक्षक और हेड मास्टर के साथ-साथ विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों के माध्यम से बच्चों को स्कूल लाने की पहल की जा रही है।वहीं ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा सेवक और तालिमी मरकज के माध्यम से बच्चों को स्कूल पहुंचा जा रहा है और उनके माध्यम से बच्चों के नामांकन पर भी जोड़ दिया जा रहा है।वहीं अभिभावकों को भी जागरूक किया जा रहा है बच्चों को नियमित स्कूल पढ़ने के लिए समय पर भेजें।

पुलिस ने चलाया गहन वाहन चेकिंग अभियान, चालक में हड़कंप

प्रात : किरण संवाददाता

घैलाढ़ (मधेपुरा) घैलाढ़ ओपी पुलिस ने घैलाढ़ चौक पर एस आई श्यामदेव प्रसाद के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जहां इस दौरान पुलिस ने करीब दो दर्जन वाहन एवं वाहन चालकों की जांच की। पुलिस ने संदिग्धों की तलाशी भी ली। बता दें कि वाहन चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण व बाइक सवारों द्वारा किए जा रहे अपराधों पर लगाम कसने के इरादे से एसपी के निर्देश पर सघन वाहन चेकिंग में पुलिस जुट गई। अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्धों व उनके सामान की भी तलाशी ली। लेकिन इस दौरान कुछ भी आपत्तिजनक समान पुलिस के हाथ नहीं लगी। वहीं जांच के दौरान कई दोपहिया वाहन चालक अपना-अपना रास्ता भी बदलकर गंतव्य स्थान को पहुंचते दिखे। वहीं कई नाबालिग दो पहिया वाहन चालकों में वाहन जांच की खबर सुन दिनभर हड़कंप मचा रहा।

प्रो. एसआर भट्ट के निधन पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा दर्शनशास्त्र विभाग, ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा द्वारा सुप्रसिद्ध दार्शनिक एवं संस्कृतिविद् प्रोफेसर एस. आर. भट्ट (नई दिल्ली) के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि प्रो. भट्ट ने कई महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष तथा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में काफी सराहनीय कार्य किया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुधांशु शेखर ने कहा कि आज प्रो. भट्ट ने देश-विदेश में दर्शनशास्त्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में आईसीपीआर से बीएनएमयू को दो-तीन कार्यक्रमों के आयोजनार्थ अनुदान मिला था। गणित विभागाध्यक्ष ले. गुड्डु कुमार ने कहा कि प्रो. भट्ट अब सशरीर हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन उनके विचार एवं कार्य हमेशा हमें प्रेरणा देते रहेंगे। शोधार्थी सौरभ कुमार चौहान ने कहा कि प्रो. भट्ट युवाओं को काफी प्रोत्साहित करते थे। इस अवसर पर शिवम राज, आलोक कुमार, अंजली कुमारी, नैना कुमारी, नीतीश कुमार, रोहित कुमार, अमित कुमार आदि उपस्थित थे।

गिद्धौर पुलिस ने तस्करी के लिए जा रहे तीन मैजिक वाहन से 09 मवेशी को किया बरामद

- तस्करी मामले में तीन गिरफ्तार, दर्ज हुई प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। मुख्य राजमार्ग के रतनपुर गांव के विक्रम केशरी बाबा स्थान के निकट से मवेशियों से लदे 03 मैजिक वाहन गिद्धौर पुलिस ने जब्त कर 09 मवेशी को बरामद किया है वहीं मामले में तीन लोग गिरफ्तार किये गए हैं। जानकारी के अनुसार गिद्धौर जमुई राजमार्ग से तस्करी हेतु मवेशियों को वाहनों में लाद ले जाने की भनक रतनपुर राजमार्ग के निकट स्थानीय ग्रामीणों को लगी।

ग्रामीणों द्वारा तत्क्षण इसकी सूचना गिद्धौर थानाध्यक्ष रिता कुमारी को दी गयी। मामले की छानबीन करने दल बल के साथ पहुंचीं थानाध्यक्ष ने मौके से उक्त मैजिक वाहन में लदे गाय,बैल सहित कुल 09 मवेशी सहित वाहन को जब्त कर गिद्धौर थाना ले आयी।इधर गिद्धौर थानाध्यक्ष रीता कुमारी ने मामले को ले बताया कि मवेशियों से लदे वाहन को पकड़ा गया है, मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में कमलेश कुमार पिता जलधर यादव,मोहम्मद सद्दाम पिता मोहम्मद निजाम साकिन नीमा थाना जमुई के निवासी हैं। वहीं अमित कुमार पिता महेश यादव सिकंदरा थाना के कोनन गांव के निवासी बताए जाते हैं, उक्त अभियुक्तों पर थाना कांड संख्या 20/05/24 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बारिश होते ही बदली सड़कों की सूरत, जलजमाव हुआ

जल्द सड़क के दोनों और ईट सोलिंग का कार्य नहीं किया गया तो वाहन चालकों की बढ़ेगी परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार की अहले सुबह हुई तेज हवा के साथ बारिश से एक और जहां सड़कों की सूरत बदल दी है।वहीं दूसरी ओर कई घरों की छत आदि उड़ा दिया है।कच्चे मकानों को काफी नुकसान हुआ है। वहीं अगर प्रखंड मुख्यालय बाजार की बात करें तो बाजारवासी दोहरी मार झेल रहे हैं। इसको लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। बाजार वासियों ने इसके लिए सड़क निर्माण कार्य किए संवेदक को दोषी मान रहे हैं उनका कहना है कि संवेदक उपेक्षा का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। संवेदक की मनमानी के कारण मिंटो टावर चौक सड़क के बीचों बीच गड्ढा नुमा छोड़ दिया गया है नतीजा लोगों का जीना मुश्किल तो हुआ ही है सैकड़ो लोगों की जान भी दुर्लभ में पड़ा हुआ है। मंगलवार की सुबह हुई बारिश से युक्त गड्ढे में जल जमाव होने से वाहन चालकों के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो चुकी है।बाजार में जाम की बड़ी समस्या अब उत्पन्न हो गई है।सड़क के बीच में गड्ढा नुमा रहने के कारण सड़क पे ही घुटना तक पानी जमा हो गई है। ऐसे में अगर कोई चार चक्का वाहन बाजार में आ जाते हैं तो फिर बाइक को भी साइड से निकलना मुश्किल होता है खासकर तब जब तक मानसून ने अपनी दस्तक ठीक से दी भी नहीं है। गांव से लेकर प्रखंड मुख्यालय बाजार की सड़कों की सूरत बदल दी है। बारिश में जल जमाव तथा कीचड़ होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आक्रोशित लोगों ने कहा कि अगर जल्द से जल्द सड़क को मरम्मती कार्य नहीं किया गया तो वाहन चालकों के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। वाहन चालक कभी भी किसी भी समय दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

गृहे गायत्री यज्ञ को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के लिए संगोष्ठी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर।डिवाईन इंडिया सायंस एण्ड स्प्रिचुअल हैप्पीनेश एसोसिएशन-दिशा के महाराणा प्रताप कॉलोनी स्थित कार्यालय में आगामी बुद्ध पूर्णिमा,23 मई 2024 को अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्ति कुञ्ज,हरिद्वार द्वारा पुरे विश्व में एक ही साथ एक ही समय में अपने अपने स्थानों पर सम्पन्न होने वाले ह्यगृहे गृहे गायत्री यज्ञह्व को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के लिए संगोष्ठी की गयी। जिसमें संस्था के सभी सदस्यों ने भाग लिया। सबने कहा की पूरे विश्व में शान्ति सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए होने वाले इस यज्ञ में अधिक से अधिक भागीदारी करना समस्त मानव जाति का कर्तव्य बनता है। इसे समस्त संस्थाओं, आश्रमों के सदस्यों को मनाना चाहिए। इससे अपने भारत देश का भी कल्याण होगा,साथ ही अपना देश पुनः दुनिया का सरताज बन पाएगा। संस्था के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी एवं समाजसेवी पं. उमेश तिवारी ने कहा की यह सिर्फ गायत्री परिवार की हि नहीं यह तो समस्त मानव जाती के कल्याण के लिए घर घर में यज्ञ हो रहा है। संस्था के संस्थापक सचिव आचार्य राजेश तिवारी ने कहा की निर्धारित वैशाख बुद्ध पूर्णिमा के दिन यह यज्ञ करना सोने पे सुहागा साबित होगा । हमें इस दिन स्नान इत्यादि करके शुद्ध होकर अपने देवी देवताओं ,गुरुओं,पितरों को प्रणाम करके या यथाशक्ति पूजन करके अग्नी प्रज्वलित करें।

सम्पादकीय

हकीकत जल्द स्पष्ट होगी

सुप्रीम कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग से पूछा है कि चुनाव होने के काफी दिनों बाद बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत क्यों जारी किया जा रहा है। इस बात को समझाया जाए। शीर्ष अदालत ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आयोग से कहा कि वह 24 मई तक अपना पक्ष रखे। एडीआर ने अपनी याचिका में मांग की है कि आयोग को चुनाव होने के दो दिन के भीतर ही अंतिम आंकड़े जारी करने को कहा जाए। यहीं संशय की स्थिति बनी और विपक्ष ने मतदान के आंकड़े देरी से जारी करने को चुनाव में मुद्दा बना लिया है। दरअसल, एक चरण के अंतिम आंकड़े आने पर एक करोड़ वोट बढ़ जाने से हर कोई चौंका है, और आम मतदाता के गले निर्वाचन आयोग की यह दलील नहीं उतर रही है कि मतदान का प्रतिशत बढ़ जाना सामान्य बात है। निर्वाचन आयोग मतदान के अंतिम आंकड़े जारी कर रहा है, तो मतदान 5-6 प्रतिशत बढ़ा हुआ आ रहा है। एडीआर की याचिका पर राजनीतिक माइलेज लेने की गरज से विपक्ष इस कृत्य को भाजपा के लिए मददगार करार देने में जुट गया है। हालांकि इससे पहले वह ईवीएम के मुद्दे को लेकर भी खासा मुखर हुआ था और ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शीर्ष अदालत जा पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्पष्ट फैसला देते हुए विपक्ष के इस उपक्रम पर रोक लगा दी तो ईवीएम की विश्वसनीयता पर संदेह करके निर्वाचन आयोग और सत्ता पक्ष को घेरना विपक्ष के लिए मुमकिन नहीं रह गया है। ले-दे के मतदान प्रतिशत के आंकड़े देरी से जारी करने का मुद्दा विपक्ष के सामने बच रहा जिसे वह भुनाने में जुट गया है। हालांकि वह अभी तक प्रभावी तरीके से मतदान प्रतिशत के आंकड़े में विलंब का मुद्दा नहीं उठा पाया है। फिर भी उसकी कोशिश जारी है कि कुछ सरकारी एजेंसियों की तरह संवैधानिक संस्थाओं और निर्वाचन आयोग की स्वायत्तता पर सवाल उठाते हुए उन्हें सरकार का मददगार बताए। मतदाता को चुनाव में लेवल प्लेइंग फील्ड न होने का यकीन दिला कर उसकी हमदर्दी हासिल करे। यदि सफल रहता है तो उसे अपने पक्ष में ज्यादा मतदान करा ले जाने की संभावना दिखलाई पड़ रही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर की याचिका पर जो व्यवस्था दी है, उससे लगता है कि मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में देरी की हकीकत जल्द स्पष्ट होगी।

एक चाल का तानाशाह

राजेंद्र शर्मा

स्वतंत्र प्रेस के जरिए और जाहिर है कि संसद के जरिए भी, जनता के सामने जवाबदेही से ही प्रधानमंत्री मोदी के इस तरह भागने की असली वजह, उनका तानाशाहाना मिजाज है। नरेंद्र मोदी खुद को भारत का बादशाह या शहंशाह या चक्रवर्ती सम्राट जैसा कुछ समझते हैं, जिसकी इच्छा ही सर्वोपरि है और जिसका निर्णय ही कानून है। वास्तव में निर्वाचित सत्ताधीश के सर्वोपरि होने की दलील, मोदी राज में सत्ता के प्रधान नैरेटिव के रूप में बार-बार हमें सुनने को मिलती है।

पांचवे चरण में 49 सीटों के लिए मतदान के साथ, 2024 के चुनाव का नतीजा एक तरह से तय होकर, ईवीएम मशीनों में बंद हो चुका है। बचे हुए दो चरणों में जिन 125 सीटों पर वोट पड़ने हैं, उनकी संख्दया और मिजाज, दोनों ऐसे नहीं हैं कि, चुनाव अचानक पलटा खा जाए। अब 428 सीटों के लिए मतदान के साथ ईवीएम मशीनों में बंद यह नतीजा क्या है, इसका ठीक-ठीक पता तो 4 जून को मतगणना से ही चलेगा। फिर भी इतना तय है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा की बदहवासी साफ-साफ दिखाई दे रही है। इस बदहवासी के दूसरे अनेक लक्षणों के अलावा, एक और नया लक्षण जो व्यापक रूप से राजनीतिक तथा विशेष रूप से मीडिया प्रेक्षकों ने दर्ज किया है, चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का, भांति-भांति के मीडिया संस्थानों को पांचवे चरण के मतदान के दिन तक 42 साक्षात्कार दे चुका होना है। यह दूसरी बात है कि मीडिया से आमने-सामने होने में सौ फीसद अनुकूलता और नियंत्रण हासिल करने की हवस में, मोदी के प्रचार प्रबंधकों ने इन्हें साक्षात्कार के नाम पर मजाक ही बनाकर रख दिया है। अब तक आई जानकारियों के अनुसार, इन सभी आयोजनों में अगर साक्षात्कार के नाम पर कुछ है तो यही कि संबंधित मीडिया संस्थानों के सावधानी से चुने गए साक्षात्कारकताओं को, इस बहाने से प्रधानमंत्री मोदी से दस-पंद्रह मिनट की आमने-सामने की मुलाकात और मामूली गप-शप करने का भी मौका दिया जाता है, जिसकी तस्वीरों का बाद में उपयोग भी किया जा सकता है। वर्ना साक्षात्कारकताओं के चयन से लेकर, प्रश्नों के सूत्रीकरण और जवाबों की रिकार्डिंग/लेखन और अंततः संपादन तक, सब कुछ प्रधानमंत्री कार्यालय खुद करता है और तैयार कॉपी प्रसारण/प्रकाशन के लिए, मीडिया संस्थान को उपलब्ध करा दी जाती है। हैरानी की बात नहीं है कि सोशल मीडिया में इस पर व्यंग्यात्मक चर्चा ही चल पड़ी है कि साक्षात्कार की इस प्रजाति को किस नाम से पुकारा जाना चाहिए। और भी गहरी विडंबना यह कि इन्हीं छद्म साक्षात्कारों में से एक में, प्रधानमंत्री मोदी ने एक सवाल के अपने जवाब में अपने कार्यकाल के दस साल में, एक भी खुली प्रेस कान्फ्रेंस नहीं करने की सफाई देने की सरासर बेईमान कोशिश भी की है। मोदी ने अपने खुली प्रेस कान्फ्रेंस न करने के लिए, प्रेस को ही दोषी ठहराने का रास्ता चुना है। उन्होंने इसकी शिकायत की है कि अब प्रेस, पहले की तरह तटस्थ या वस्तुनिष्ठद्द नहीं रह गई है; पत्रकार अपनी राय से, अपने विचारों से संचालित होते हैं। जाहिर है कि इसीलिए, उन्होंने कोई प्रेस कान्फ्रेंस नहीं की। मोदी के स्वतंत्र प्रेस से भागने की इस झूठी बहानेबाजी की विडंबना सिर्फ इतनी ही नहीं है कि इसमें उन्होंने सारे के सारे प्रेस पर ही पक्षपाती और पूर्वाग्रही होने की तोहमत लगा दी है। इस तर्क का विस्तार करें तो नरेंद्र मोदी ने पक्षपाती तथा पूर्वाग्रही का यह ठप्पा सिर्फ भारतीय प्रेस पर ही नहीं लगाया है बल्कि दुनिया भर के प्रेस पर लगाया है। आखिरकार, यह तो किसी से छुपा हुआ नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी देश में ही नहीं, विदेशी धरती पर और विदेशी पत्रकारों से रूबरू होने से भी, सायास बचते आए हैं। मोदी की स्वतंत्र प्रेस नीति तो इस हद तक जाती है कि जी-20 शिखर सम्द्मेलन के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ आए पत्रकारों को मोदी राज के आदेश पर घंटों तक उनके वाहन में ही बंधक बनाकर बैठाए रखा गया था, ताकि इस सम्मेलन के हाशिए पर हुई मोदी-बाइडेन मुलाकात के बाद, मोदी को पत्रकारों के सवालों का सामना नहीं करना पड़े। भारत को दुनिया भर में हँसी का पात्र बनाने वाले इस प्रसंग के आखिर में, बाइडेन को वियतनाम पहुंचकर ही अमरीकी व अन्य पत्रकारों को संबोधित करना पड़ा था।

इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि मीडिया/ प्रेस में वस्तुगतता और निष्पक्षता के न रह जाने की शिकायत वही प्रधानमंत्री कर रहे थे, जिसके दस साल के राज में मीडिया की मुख्यधारा को पालतू बनाने और स्वतंत्र मीडिया को कुचलने में जितनी ऊर्जा लगाई गई है, उतनी ऊर्जा तो शायद अपने राजनीतिक विरोधियों को बर्बाद करने पर भी नहीं लगाई गई होगी। विडंबना के साथ, मजाक का छौंक यह कि प्रेस की स्वतंत्रता के ह्रास की शिकायत भी छद्म साक्षात्कारों की ऐसी श्रृंखला के दौरान की जा रही थी, जिसे चुनाव के संदर्भ में पहले कभी पेड न्यूज के रूप में आदर्श चुनाव संहिता का उल्लंघन ही माना गया होता। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने, एक और बेढब दलील यह दी कि अब मैं संसद में हूं, वहीं जवाब दिया जाता है। लेकिन, यह दलील भी मीडिया के तटस्थ न रह जाने जितनी ही झूठी है। पहली बात तो यह कि मोदी कोई पहले प्रधानमंत्री तो हैं नहीं, जो संसद में हों और जिनकी संसद के प्रति जवाबदेही बनती हो। हरेक प्रधानमंत्री को, संसद के किसी न किसी सदन का सदस्य होना ही होता है। फिर भी, मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने दस साल में एक भी खुली प्रेस कान्फ्रेंस का सामना नहीं किया है। दूसरी बात यह है कि संसद में सवालों के जवाब देने का प्रधानमंत्री मोदी का रिकार्ड, पत्रकारों के सवालों का सामना करने के उनके रिकार्ड जितना ही खराब है। सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दस साल में नरेंद्र मोदी ने संसद में भी एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने संसद में, खास-खास सत्रों में, खास-खास बहसों के जवाब के नाम पर, अपने मन की बात भर की है, वर्ना उनका रिकार्ड संसद से ज्यादातर समय गायब रहने का और उसकी चचाओं में हिस्सा लेने से बचने का ही रहा है। स्वतंत्र प्रेस के जरिए और जाहिर है कि संसद के जरिए भी, जनता के सामने जवाबदेही से ही प्रधानमंत्री मोदी के इस तरह भागने की असली वजह, उनका तानाशाहाना मिजाज है। नरेंद्र मोदी खुद को भारत का बादशाह या शहंशाह या चक्रवर्ती सम्राट जैसा कुछ समझते हैं, जिसकी इच्छा ही सर्वोपरि है और जिसका निर्णय ही कानून है। वास्तव में निर्वाचित सत्ताधीश के सर्वोपरि होने की दलील, मोदी राज में सत्ता के प्रधान नैरेटिव के रूप में बार-बार हमें सुनने को मिलती है। यही दलील जरा तिर्यक रूप से खुद प्रधानमंत्री मोदी के दावों में भी हमें सुनने को मिलती है, जब वह 140 करोड़ भारतीयों की ओर से बोलने का दावा ही नहीं करते हैं ।

चुनाव परिणामों से जुड़ी फिजूल की अटकलें

राजनीतिक दलों की आक्रामकता अब चुनाव परिणामों को लेकर फिजूल की अटकलों के रूप में देखने को मिल रही है। वैसे तो तीन चरणों के बाद ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलें पर सारे चुनावी परिदृश्य बन रहे हैं। आम मतदाता की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस करने की बजाय चुनाव नतीजों की भविष्यवाणियों में चुनाव परिदृश्यों को भटकाने की कुचेष्टाएं हो रही है, यह लोकतंत्र के इस महानुष्ठान को धुंधलाने का दूषित प्रयास है। चुनाव परिणामों को लेकर हो रही इन चचाओं से जहां आम मतदाता भ्रमित हो रहा है, वही देश के शेयर बाजारों में गिरावट की स्थितियां आर्थिक असंतुलन का कारण बन रही है। राजनीतिक दलों की सोची-समझी रणनीति के तहत चुनाव परिणामों की संभावनाएं व्यक्त करना, अटकले एवं कयास लगाना चुनावी परिदृश्यों को भटकाने की कोशिशें हैं, इसमें राजनीतिक विश्लेषण और उनके निष्कर्ष भी कहीं-न-कहीं ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे मतदाता को लुभाया जा सके, भटकाया जा सके या गुमराह किया जा सके। कांग्रेस हो या भाजपा और अन्य दल सभी चुनाव परिणाम की अटकलों पर ध्यान लगाये हुए हैं, वे ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं करते हुए जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे मतदाता द्वंद्व की स्थिति में हैं। राजनीतिक दलों ने राष्ट्र के जरूरी एवं बुनियादी मुद्दें को तवज्जों न देकर राजनीतिक अपरिपक्वता का ही परिचय दिया है। दिक्कत यह है

ललित गर्ग

लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

पांचवें चरण के तहत सोमवार को आठ राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की 49 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गये, इसके बाद दो ही चरण की वोटिंग शेष रह जाएगी। शेष रहे दो चरणों के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं और जैसे-जैसे चुनाव सम्पन्नता की ओर बढ़ रहे हैं, राजनीतिक दलों की आक्रामकता अब चुनाव परिणामों को लेकर फिजूल की अटकलों के रूप में देखने को मिल रही है। वैसे तो तीन चरणों के बाद ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलें पर सारे चुनावी परिदृश्य बन रहे हैं। आम मतदाता की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस करने की बजाय चुनाव नतीजों की भविष्यवाणियों में चुनाव परिदृश्यों को भटकाने की कुचेष्ठाएं हो रही है, यह लोकतंत्र के इस महानुष्ठान को धुंधलाने का दूषित प्रयास है। चुनाव परिणामों को लेकर हो रही इन चचाओं से जहां आम मतदाता भ्रमित हो रहा है, वही देश के शेयर बाजारों में गिरावट की स्थितियां आर्थिक असंतुलन का कारण बन रही है। राजनीतिक दलों की सोची-समझी रणनीति के तहत चुनाव परिणामों की संभावनाएं व्यक्त करना, अटकले एवं कयास लगाना चुनावी परिदृश्यों को भटकाने की कोशिशें हैं, इसमें राजनीतिक विश्लेषण और उनके निष्कर्ष भी कहीं-न-कहीं ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे मतदाता को लुभाया जा सके, भटकाया जा सके या गुमराह किया जा सके।

कांग्रेस हो या भाजपा और अन्य दल सभी चुनाव परिणाम की अटकलों पर ध्यान लगाये हुए हैं, वे ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं करते हुए जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे मतदाता द्वंद्व की स्थिति में हैं। राजनीतिक दलों ने राष्ट्र के जरूरी एवं बुनियादी मुद्दें को तवज्जों न देकर राजनीतिक अपरिपक्वता का ही परिचय दिया है। दिक्कत यह है कि सभी पार्टियां अपने दल या गठबंधन की जीत को सुनिश्चित बताते हुए इस तरह के विश्लेषण और निष्कर्ष निकाल रहे हैं जो सत्यता से दूर हैं। ऐसे निष्कर्ष अतीत में कई बार गलत साबित हो चुके हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को ऐसी जीत मिली, जिससे देश में तीन दशक बाद किसी पार्टी ने अपने बहुमत वाली सरकार बनाई। 2019 में पार्टी ने उससे भी बड़ी जीत हासिल की। लेकिन 2019 में भी चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार लड़खड़ाते नजर आ रहे थे एवं विपक्षी दल भाजपा के हार की भविष्यवाणी कर रहे थे। 2014 में भी कई विश्लेषक उत्तरप्रदेश की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के कथित ध्रूवीकरण का हवाला देते हुए खास तरह के चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे थे, जो गलत साबित हुए। ऐसी ही भविष्यवाणियां इस बार भी बढ़-चढ़ कर हो रही है, लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम अप्रत्याशित होने वाले हैं, चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले होंगे।

निश्चित ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलों का शेष रहे दो चुनाव चरणों पर व्यापक प्रभाव पड़ता हैं। पहले तीन चरणों के कम मतदान को सत्तापक्ष के समर्थक मतदाताओं के उत्साह में कमी का संकेत बताया जा रहा है तो महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए के सहयोगी दलों की वोट ट्रांसफर करने की क्षमता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक वोटरों के उत्साह में कमी की बात है तो अव्वल तो चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक वोट प्रतिशत का अंतर काफी कम रह गया है, दूसरी बात यह कि वोट न देने वालों में किस पक्ष के समर्थक ज्यादा हैं, इसे लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं जिनकी सचाई 4 जून को ही सामने आएगी। लेकिन चुनाव परिणामों को लेकर विरोधाभासी अटकलों का असर मतदाता पर पड़ता ही है। समूचे देश की बात करें तो इस पर लगभग आम राय है कि इन चुनावों में कोई लहर नहीं है। कई चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार 2019 के चुनाव में पुलवामा में हुई घटनाओं और उसके बाद बालाकोट में जो हुआ उसके बाद देश भर में राष्ट्रीय सुरक्षा की लहर दौड़ गई थी। इस बार सोचा गया था कि श्रीराम मन्दिर के उद्घाटन का व्यापक असर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकास का मुद्दा अवश्य मतदाता के दिमाग में रहा है। फिर भी अगर किसी एक नेता के पक्ष में मतदाताओं की पसंद मुखरता से सामने आ रही है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। सवाल है कि क्या यह मुखरता वोट में भी परिणत होगी? जवाब के लिए 4 जून का इंतजार करना बेहतर होगा।

अनेक चुनाव विश्लेषण बताते हैं कि 1999 और 2004 में कम मतदान प्रतिशत से भाजपा को फायदा हुआ, लेकिन 2014 में अधिक मतदान से लाभ हुआ। लेकिन विश्लेषक मतदान प्रतिशत और अंतिम परिणामों के बीच स्पष्ट संबंध बताने में विफल हैं। बाजार के इस उतार चढ़ाव के बीच निवेशक लोकसभा चुनाव में कुछ चरणों के कम मतदान प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। वे चुनाव परिणाम के बारे में अनिश्चितता पाले हुए हैं। निवेशक ही नहीं, मतदाता एवं नेता भी भ्र्रम एवं भटकाव पाले हुए है। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा विरोधी ह्यइंडियाह्न गठबंधन के सत्ता में आने पर तृणमूल कांग्रेस नई सरकार के गठन में ह्यबाहर से समर्थनह्न देगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस टिप्पणी के बाद से ही राजनीतिक हलकों में कयासों और अटकलों का दौर तेज हो गया था। सवाल उठ रहा था कि क्या उनकी इस टिप्पणी में कोई नया संकेत छिपा है? पांचवें चरण की सम्पन्नता के बाद यह साफ हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर इस बार सत्तारूढ़ भाजपा की कांग्रेस समाहित विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्न के साथ कांटे की लड़ाई हैं और दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी विजय का दावा कर रहे हैं।

कम मतदान की पहेली का एक मतलब ये भी निकाला जा सकता है कि मतदाता को कोई उत्साह नहीं है, क्योंकि उसको ये लगता है कि 400 सीटों की जीत का दावा किया जा रहा है तो उसके वोट से कोई फर्क नहीं पडने वाला है। एक वजह ये भी हो सकती है कि वह परिणाम को लेकर पहले से ही आश्वस्त है, लेकिन इन दोनों वजहों में राजनीतिक कार्यकताओं का रोल है, ये मतदाता की पहचान से जुड़े मामले नहीं हैं। विपक्ष इस बात को हवा दे रहा है कि जब सत्ताधारी दल का कार्यकर्ता जनता को बूथ पर लाने में फेल होता है तो इसका मतलब है कि कुछ गड़बड़ है। कुछ जानकार कह रहे हैं कि मामला उतना सपाट नहीं है। एक तो मौसम की मार और दूसरा ये एक ऐसा राजनीतिक मैच है जिसका नतीजा पहले से पता है इसलिए ऐसे मैच में कोई उत्साह नहीं होना बहुत सामान्य है। पांचवें चरण में हो रहा लोकसभा का यह चुनाव भाजपा के लिए ह्यसेफ जोनह्न की तरह माना जाता है। दरअसल भाजपा और एनडीए ने मिलकर पिछले लोकसभा चुनाव में पांचवें चरण की 49 सीटों पर जिस तरह से बैटिंग की थी, वह उसको सत्ता की सीढ़ी तक ले गई। जबकि 2014 में भी भाजपा ने अपने सियासी ग्राफ को इस चरण में मजबूती के साथ आगे बढ़ाया था। सियासी जानकारों का मानना है कि भाजपा ने अपने इसी मजबूत सियासी ग्राफ के मद्देनजर पूरी फील्डिंग पांचवें चरण की 49 सीटों पर लगा दी है। वहीं इंडिया गठबंधन और उसके सियासी दलों, जिसमें कांग्रेस और सपा समेत शिवसेना ने पांचवें चरण के लिए 2014 से पहले वाली रवायत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तैयारी की है। अब परिणाम तो भविष्य के गर्भ में हैं। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद हुए पहले मतदान में प्रतिशत का अधिक रहना सुखद ही है। जो घाटी के लोगों के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास बढ़ने को दशार्ता है। कालांतर ये इस केंद्रशासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलवाने और यथाशीघ्र विधानसभा चुनाव करवाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। बहरहाल, पूरे देश में चुनाव प्रतिशत में कमी के रुझान पर चुनाव आयोग को भी गंभीर मंथन करना चाहिए कि मतदान बढ़ाने के लिये देशव्यापी अभियान चलाने के बावजूद वोटिंग अपेक्षाओं के अनुरूप क्यों नहीं हो पायी। वहीं राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि मतदाता के मोहभंग की वास्तविक वजह क्या है। उन्हें अपनी रीतियों-नीतियों तथा घोषणापत्रों की हकीकत को महसूस करते हुए अतिश्योक्तिपूर्ण भविष्यवाणियों एवं अटकलों से बचना चाहिए।

मोदी की विरासत में कौन...? एक सौ चालीस करोड़ भारतीय या अमित शाह..?

भारत की आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के सत्रह वर्षिय शासनकाल के बाद उनकी मौत के पश्चात उनकी बेटी इंदिरा जी प्रधानतंत्री बनी और इंदिरा जी के सत्रह वर्षिय प्रधानमंत्रित्व काल के बाद उनके बेटे राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, लेकिन यह वंश परम्परा भारत में तब नही चल पाई जब कोई अविवाहित या धर्मपत्नी को त्यागने वाला शख्स प्रधानमंत्री बना, इस सदी के प्रारंभ में भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने जो अविवाहित थे, इसलिए उनके बाद सत्ता कांग्रेस की झोली में चली गई और डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बन गए जो एक दशक तक इस पद पर रहे, उन्होने इस वंश परम्परा का निर्वहन नही किया, इसलिए डॉ. मनमोहन सिंह के बाद, भाजपा के नरेन्द्र भाई मोदी प्रधानमंत्री बने, जो पिछले एक दशक से इस पद पर है और संतान विहीन होने के कारण शायद पुनः इसी पद के दावेदार बने रहे? किंतु भारतीय राजनीति की परम्परा के अनुसार यह सवाल अवश्य उठाया जा रहा है कि मोदी के बाद कौन? क्योंकि अगले एक पखवाड़े में ही भारती राजनीतिको इस प्रश्न का जवाब खोजना है, क्योंकि एक जून के मतदान प्रक्रिया खत्म होने वाली है और चार जून को परिणाम आना है और यहतो ध्रुव सत्य है कि कांग्रेस या उनका गठबंधन सत्ता में आने वाला है

ओमप्रकाश मेहता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

विश्व में संभवतः ब्रिटेन के बाद भारत अकेला देश है, जहां लोकतंत्रीय परम्परा के साथ वंशानुगत राजनीतिक विरासत का चलन है, भारत की आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के सत्रह वर्षिय शासनकाल के बाद उनकी मौत के पश्चात उनकी बेटी इंदिरा जी प्रधानतंत्री बनी और इंदिरा जी के सत्रह वर्षिय प्रधानमंत्रित्व काल के बाद उनके बेटे राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, लेकिन यह वंश परम्परा भारत में तब नही चल पाई जब कोई अविवाहित या धर्मपत्न ी को त्यागने वाला शख्स प्रधानमंत्री बना, इस सदी के प्रारंभ में भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने जो अविवाहित थे, इसलिए उनके बाद सत्ता कांग्रेस की झोली में चली गई और डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बन गए जो एक दशक तक इस पद पर रहे, उन्होने इस वंश परम्परा का निर्वहन नही किया, इसलिए डॉ. मनमोहन सिंह के बाद, भाजपा के नरेन्द्र भाई मोदी प्रधानमंत्री बने, जो पिछले एक दशक से इस पद पर है और संतान विहीन होने के कारण शायद पुनः इसी पद के दावेदार बने रहे? किंतु भारतीय राजनीति की परम्परा के अनुसार यह सवाल अवश्य उठाया जा रहा है कि मोदी के बाद कौन? क्योंकि अगले एक पखवाड़े में ही भारती राजनीतिको इस प्रश्न का जवाब खोजना है, क्योंकि एक जून के मतदान प्रक्रिया खत्म होने वाली है और चार जून को परिणाम आना है और यहतो ध्रुव सत्य है कि कांग्रेस या उनका गठबंधन सत्ता में आने वाला है नहीं, और यदि भाजपा ही सत्ता में आती है तो अगला प्रधानमंत्री मोदी जी ही या कोई ओर? फिलहाल भाजपा तो यही कह रही है कि मोदी जी ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बन कर नेहरू जी के कीर्तिमान को ध्वस्त करेगें, किंतु राजनीति कब कैसी करवट ले ले, यह भी कहा नही जा सकता, इसलिए भाजपा को मोदी जी का विकल्प तो खोज के रखना ही पड़ेगा?

जहां तक मोदी जी की वसीयत या विरासत का सवाल है, पिछले पखवाड़े ही मोदी जी ने कहा था कि भारत की 140 करोड़ भारतीय मेरी विरासत के वारिस है, किंतु उन्होंने यह स्पष्ट नही किया था कि विरासत कौन सी? राजनीतिक या और कोई? जहां तक राजनीतिक का सवाल है, वह तो स्वयं मोदी जी ने अपने परमप्रिय अमित शाह जी को सौंप रखी है और सम्पत्ति या अन्य विरासत का सवाल इसलिए पैदा नही होता क्योंकि मोदी जी के पास मौद्रिक रूप से एक या दो करोड़ रूपए व नगदी रूप में इक्यावन हजार रूपए की सम्पत्ति है, यह यदि 140 करोड़ भारतीयों में बांटी जाती है तो हर भारतीय को मोदीजी की सम्पत्ति के रूप में पूरा एक रूपया भी नही मिलेगा, इसलिए मौद्रिक सम्पत्ति का चर्चा तो व्यर्थ है, सिर्फ राजनीतिक विरासत का जहां तक सवाल है, उसके लिए अमित शाह हाजिर है, जो पिछले 42 साल से उनके मित्र है, उस समय से जब अमित शाह संघ के स्वयंसेवक मात्र थे और यह भी किसी से छुपा नही है कि आज राजनीतिक रूप से भी अमित शाह ही मोदी जी के सबसे करीब है, इसलिए मोदी जी की अब राजनीतिक विरासत के बारे में तो बात करना ही व्यर्थ है, अब तो ज्वलंत सवाल भाजपा में ही यह उठाया जा रहा है कि मोदी जी प्रधानमंत्री का पद अपने पास ही रखना पसंद करेगें या अमित शाह या किसी अन्य को सौंप देगें? भाजपा के अंदरूनी खेमों में इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन जारी है। इस प्रकार प्रजातंत्र की प्राप्ति के बाद यह पहला चुनाव है जिसके परिणामों पर नहीं, बल्कि अगली प्रधानमंत्री के नाम पर गंभीर चिंतन हो रहा है, अब यह मोदी जी की मर्जी पर निर्भर रहेगा कि वे अपनी उम्र के आधे सात के पड़ाव पर इस पद पर बने रहना चाहते है या किसी अन्य को अपना उत्तराधिकारी घोषित करते है?

साइबर हमले को लेकर सजग हों हम

मधुरेंद्र सिन्हा

इंटरनेट ने दुनिया को एक गांव में तब्दील कर दिया था, पर डिजिटलीकरण ने उस दुनिया को और बदल दिया है। दूरियां खत्म कर दी है। कहीं से भी, कभी भी संवाद स्थापित करना पलक झपकते संभव है। परंतु इसी सरलता ने देशी-विदेशी अपराधियों को मौका दे दिया है और वे सक्रिय हो गये हैं। आज ऐसे लोग मौजूद हैं जो इसका लाभ उठाकर आम आदमी और हमारे देश को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। साइबर हमलों के माध्यम से ऐसे प्रयास बढ़ रहे हैं, जिनमें से कुछ स्थानीय आपराधिक तत्वों के अलावा सीमाओं के पार से प्रायोजित अपराधी भी शामिल हैं। इन हमलों का उद्देश्य भारत के दूरसंचार, बैंकों, बिजली, अस्पतालों से लेकर सरकारी और निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों तक के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और लूट, फिरौती एवं अराजकता के माध्यम से अविश्वास पैदा करना है। इन दिनों साइबर हमलावरों ने दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई नगरों में ईमेल भेजकर स्कूल, स्टेशन, हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी देनी शुरू की है। सुरक्षा एजेंसियों ने पता लगा लिया है कि यह शांति भंग करने की एक साजिश है और एक गिरोह ईमेल भेजकर सभी को डरा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस अपराध को रोकने के लिए कई उपाय किये हैं, उम्मीद है कि अपराधियों का जल्द ही पता लग जायेगा। जी-20 के दौरान तो भारतीय प्रतिष्ठानों और जी-20 आयोजनकताओं के दफ्तरों पर हजारों नहीं लाखों हमले हुए। परंतु हमारी एजेंसियों ने अपना कौशल दिखाते हुए उन्हें नाकाम कर दिया। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हर 60 सेकेंड में 16 लाख साइबर अटैक हुए थे। केंद्रीय एजेंसियों ने अपनी त्वरित कार्रवाई से साइबर अपराधियों को उनके मंसूबों में सफल नहीं होने दिया। केवल देश ही नहीं, आम जन पर भी लगातार ऐसे हमले हो रहे हैं। साइबर अपराधी आम जनता को कॉल करके उनसे ठगी कर रहे हैं। देश में रोजाना साइबर अपराध के चलते 50000 कॉल मिल रही हैं। एक लाख लोगों पर 129 शिकायतें दर्ज हो रही हैं। हजारों साइबर अपराधी पकड़े जा रहे हैं और उन पर कार्रवाइयां हो रही हैं। इन अपराधों को रोकने तथा लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह की टीम द्वारा शुरू की गयी ह्यसाइबर सेफ इंडिया पहल गृह मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। केंद्रीय गृह मंत्रालय में साइबर क्राइम से निपटने के लिए स्थापित किये गये भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आईफोरसी) ने अब तक उल्लेखनीय कार्य किया है। विदेशों से हमले करने वाले साइबर अपराधियों के पास आधुनिकतम डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है। वे कहीं से भी हमला करते हैं और हमारे देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की वेबसाइटों तथा संचार व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश करते हैं या वहां से सूचनाएं चुराने का प्रयास करते हैं। हमारे कई बड़े संस्थानों पर ऐसे हमले हो चुके हैं, पर अधिकतर निष्फल ही हुए है। इस तरह के हमले चीन, पाकिस्तान से तो होते ही हैं, तुर्की और यहां तक की अमेरिका-कनाडा से भी होते हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइफोरसी) ने देशभर में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और लगभग पांच लाख शिकायतों का निपटारा किया है। यह केंद्र विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने के अतिरिक्त, साइबर अपराध से निपटने के लिए देश के भीतर क्षमता निर्माण करने का भी प्रयास कर रहा है। इसने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के लॉन्चिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी, जिसका उपयोग पहले से ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 31 लाख से अधिक साइबर अपराध शिकायतों, 66, 000 एफआईआर के साथ 14 करोड़ बार किया जा चुका है। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) के माध्यम से 12.30 करोड़ से अधिक मामलों का निपटान किया जा चुका है। राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला (एनसीएफएल) साइबर घटनाओं से संबंधित जांच में सहायता करती है. चूंकि ऐसे अपराध राज्य की सीमाओं से परे होते हैं, इसलिए आइफोरसी ने बेहतर अंतर-राज्य समन्वय के लिए संयुक्त साइबर अपराध समन्वय दल जेसीसीटीएस की स्थापना की है। आइफोरसी के अंतर्गत राष्ट्रीय साइबर अपराध पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन इकाई साइबर स्वच्छता में जागरूकता के लिए संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण अपनाती है। साइबर दोस्त नामक एक सोशल मीडिया हैंडल भी संचालित किया जा रहा है, जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा से जुड़े टिप्स मुहैया कराता है. गृह मंत्रालय द्वारा ह्यसाइबर जागृति दिवसह्न नामक एक पहल भी आरंभ हुई है

संक्षिप्त खबरें

अधेड़ व्यक्ति की पेड़ के फंदे से लटका मिला शव, मचा हड़कंप

बेतिया(मोहन सिंह)।बगहा के रामनगर में एक अधेड़ व्यक्ति का पेड़ पर फंदे से लटका हुआ शव बरामद हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन कर रही है। उक्त व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। लिहाजा पुलिस सोशल साइट्स से मृतक की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना रामनगर थाना क्षेत्र के मोतपुर आम के बगीचे की है। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। क्योंकि आम लोगों में चर्चा है की 65 वर्षीय बुजुर्ग ने आत्महत्या की होगी तो वहीं कुछ लोग इसे हत्या कर शव को बगीचे में टांगने की आशंका जता रहे हैं।

चुनावी रंजिश में चली गोली, एक युवती हुई घायल

छपरा ' बीति रात करीमचक राहत रोड में चुनाव खत्म होने के बाद कुछ लोगों द्वारा राहत रोड मुस्लिम के घरों में घुसकर हमला कर दिया ' गुस्साए मोहल्ला वासियों ने बदमाशों को जमकर पिटाई की ' इसके बाद क्रोधित बदमाशों ने फायरिंग कर दिया, जिससे एक युवती के पैर में गोली लग गई ' घायल युवती गुलफशा परवीन पुत्री वकील खान का बताया जाता है, जो राहतरोड का निवासी बताया गया है ' इस संदर्भ में लोगों का कहना है कि दूसरे मोहल्ले के कुछ नौजवान चुनाव के दौरान राजद समर्थक से बार-बार पैसा की मांग कर रहे थे ' स्थानीय लोगों द्वारा समझाकर भेज दिया जाता था ' चुनाव खत्म होने के बाद युवक ने अपने साथियों के साथ राजद समर्थक के घरों पर हमला करने लगे, जिससे मोहल्ले वालों ने जमकर पिटाई कर दी ' इसी दौरान भीड़ में किसी ने गोली चला दी ' घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है ' दोनों युवक करीम के कब्रिस्तान के पास का रहने वाला बताया गया है ' पुलिस लगातार गस्त कर रही है, अब हालात काबू में है '

बनकटवा में तेजस्वी व मुकेश की सभा 23 मई को

बनकटवा पु च,बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम व राजद नेता तेजस्वी यादव तथा वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी गुरुवार को बनकटवा की गोशाला की भूमि पर पश्चिम चंपारण लोकसभा की कॉंग्रेस प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। बनकटवा के कॉंग्रेस के जिला चुनाव प्रभारी निप्पु सिंह ने बताया कि दोनों नेता हेलीकॉप्टर से बनकटवा पहुंचेंगे। हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड के रूप में राममनोहर लोहिया मैदान में बनकटवा प्रखण्ड मुख्यालय के खेल के मैदान को चिन्हित किया गया है। जिसका निरीक्षण राज विधायक शमीम अहमद द्वारा किया जा रहा है। पश्चिम चंपारण लोकसभा के अधीन बनकटवा में आगामी 25 मई को लोकसभा चुनाव का मतदान होगा।

घर में सिलेंडर तो है महंगाई के कारण गैस नहीं है: तेजस्वी

केंद्र में इंडिया की सरकार बनते ही एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा

- पिछले दस साल से लगातार जनता को व बिहारवासी को लगातार गुमराह करने वालों को बदलें

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)।केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है. सरकार बनते ही राहुल गांधी एक करोड़ बेरोजगार युवाओं को नौकरी दी जाएगी और हर रक्षाबंधन के दिन बहनों को एक लाख रुपया उनके खाते में भेजा जाएगा। साथ ही प्रति परिवार 2 सौ यूनिट फ्री बिजली और गैस सिलिंडर 5 सौ रुपया कर दिया जाएगा। उक्त बातें मंगलवार को मैनाटांड के हाई स्कूल खेल स्टेडियम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कही. उन्होंने लोकसभा के राजद प्रत्याशी दीपक यादव को भारी बहुमत से चुनाव जीतने की अपील भीड़ से की. तेजस्वी यादव सीएम नीतीश कुमार पर बिना टीका टिप्पणी किए नरमी बरतते हुए कहा कि चाचा नीतीश कुमार को बीजेपी वाले हाईजैक कर लिया है. मुझे पता है कि चाचा का शरीर वहां है और दिल उनका यहां है. श्री यादव ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि पीएम, सीएम, मंत्री और कई वरीय नेता एक तेजस्वी के हेलीकॉप्टर को रोकने के साथ एक दिन 20 हेलीकाप्टर का सहारा लेकर घेरने का काम कर रहे हैं. सभी नेता तेजस्वी से काफी चुनावी अखाड़ा में डरे हुए हैं. उन्होंने कहा कि मैं कलम की भाषा की बात करता हूं, लेकिन भाजपा हिंदू, मुस्लिम, जाति पति और तलवार की बात कर रही है। उन्होंने लोगों से कहा कि भाजपा वाले देश को टुकड़े में बांटना चाहते हैं, लेकिन हम देश को जोड़ने का काम करते हैं. श्री यादव ने भीड़ को देखकर कहा कि मैं जो सरकार 17 साल में नहीं कर सकी , वह मैने 17 महीना उप मुख्यमंत्री के पद पर रहकर 5 लाख लोगों को नौकरियां दी. स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क ,पर्यटन आदि का भी विकास किया. भाजपा ने कोई फैक्ट्री लगाई है, किसी को रोजगार दिया हो तो हमें बतावें।

तेजस्वी यादव ने कही मुद्दे की बत

पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन का मुख्य मुद्दा बेरोजगारी, गरीबी एवं सिंचाई है. यह संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है. बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी से लोग त्रस्त हैं. इससे लोगों को सजग रहने की जरूरत है.मौके पर एमएलसी ई सौरव कुमार, राज्य सभा सांसद संजय यादव , विधायक विरेंद्र गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष दिनेश यादव, मुन्ना यादव, मुकेश यादव, मुन्ना त्यागी, जिलाध्यक्ष साहेब हुसैन, अमर यादव, इंद्रजीत यादव, मान सरोवर राम, अब्बास अहमद, आदित्य यादव, विनोद यादव, अच्छेलाल राम, सिताराम राम, सुभाष प्रसाद, जाबेद अंसारी, रितेश यादव, खोभारी यादव, कन्हैया यादव आदि मौजूद।

भीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी बोले

देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में आ गया है. दिल्ली की सरकार संविधान को नहीं मानती है. अतः एनडीए की सरकार को बदलने की जरूरत है. यह पार्टी केवल जाति और मजहब के नाम पर देश की जनता को गुमराह कर अपनी सरकार चलाना चाहती है।

इनलोगों ने लिया पार्टी की सदस्यता

मुन्ना यादव, बैधनाथ प्रसाद साह, चुमन सिंह, आलोक सिंह, फेकू सिंह, अखिलेश राज, रामविनय गुप्ता, खुर्शेद आलम सहित सैकड़ों लोगो ने राजद पार्टी कि सदस्यता ग्रहण उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के हाथों किया।

आक्रोशित छात्रों ने प्रधानाचार्य के खिलाफ किया प्रदर्शन कक्षा 9 के नामांकन में मनमानी शुल्क लेने का लगाया आरोप

पूर्व में भी प्रधानाचार्य पर लगे हैं कई बार आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया।बगहा के वाल्मीकिनगर स्थित नदी घाटी योजना उच्च विद्यालय में नवम वर्ग में नामांकन के लिए पहुंचे छात्रों से विद्यालय के प्रधानाचार्य मंतोष कुमार शारदा के द्वारा निर्धारित शुल्क 420 की जगह 1000 की मांग पर छात्रों में आक्रोश उत्पन्न हो गया है। इस बाबत छात्रों में कोमल कुमारी, सुनीता कुमारी,रोहिणी कुमारी, रिया कुमारी,अर्पिता कुमारी,अंजली कुमारी हाजरा खातून,कुमकुम कुमारी और अरंचिता कुमारी आदि अन्य छात्रों ने बताया कि प्रधानाध्यापक श्री शारदा के द्वारा नामांकन के लिए 1000 की प्रति छात्र मांग की गई है। वहीं कई अभिभावकों ने बताया कि इसके पूर्व भी कई बार प्रायोगिक परीक्षा में निर्धारित शुल्क से ज्यादा राशि की वसूली प्रधानाध्यापक द्वारा करने के मामले में विद्यालय में छात्रों ने विरोध दर्ज कराया है । बतादें नामांकन,परीक्षा के लिए फॉर्म भरने और प्रैक्टिकल आदि में निर्धारित शुल्क से ज्यादा की वसूली प्रधानाध्यापक के द्वारा की जाती है। इस बाबत पूछे जाने पर प्रधानाध्यापक मंतोष कुमार शारदा ने बताया कि आरोप बेबुनियाद है। वहीं विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य मंतोष कुमार शारदा के विरुद्ध विद्यालय में घोर अनियमितता,घूसखोरी का आरोप अविभावको और छात्रों ने लगाया है।

चुनावी रंजिश मे हुए हत्या कांड को ले अधिकारियों ने किया घटना स्थल का दौरा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।नगर थाना क्षेत्रान्तर्गत भिखारी चौक स्थित बूथ पर रोहिणी आचार्य के जाने के बाद उपजी विवाद में आज सुबह हुई गोलीबारी में एक की मौत दो गंभीर रूप से घायल पीएमसीएच रेफर। मृतक नगर थाना क्षेत्र के बड़ा तेलपा निवासी नागेंद्र राय के 26 वर्षीय चंदन कुमार जबकि घायल में शंभू राय के 30 वर्षीय पुत्र गुडु राय और विदेशी राय के 40 वर्षीय पुत्र मनोज राय को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच पटना रेफर कार दिया गया है।घायल मनोज के कमर में गोली लगी है जबकि गुड्डू राय के सिर में गोली मारी गई है।

घटना की सूचना मिलने पर सदर अस्पताल में पूर्व मंत्री सह मढ़ौरा से राजद विधायक जितेंद्र राय पहुंच मामले की जांच में जुट गए है। वही घटना स्थल पर सारण के आयुक्त एम सरवणन और पुलिस उप महानिरीक्षक विकास वैभव सहित जिलाधिकारी अमन समीर और पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला सहित सैकड़ों की संख्या में पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। हालांकि घटना के विरोध में भिखारी ठाकुर चौक को पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है। इस मामले को लेकर पूर्व मंत्री सह राजद विधायक जितेंद्र राय ने कहा कि चुनाव के दिन देर रात्रि को भाजपा कार्यकताओं द्वारा राजद प्रत्याशी डॉ रोहिणी आचार्य के सामने गाली गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। उसके बावजूद भाजपा नेताओं और कार्यकर्तो द्वारा सुबह में भिखारी ठाकुर चौक पर चाय पीने आए युवकों के साथ हवाई फायरिंग करते हुए गोली मारी गई है। जिस दौरान एक युवक की मौत जबकि दो युवक बुरी तरह से जख्मी हो

पीएम मोदी के नाम, काम व जय श्रीराम पर वोट मांगने आए हैं :नित्यानंद

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल।केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में भाजपा प्रत्याशी संजय जायसवाल के समर्थन में विशाल रोड शो का आयोजन किया गया। रोड शो के दौरान भारी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकताओं की उपस्थिति रही। रक्सौल नगर के सोना टॉकिंज चौक से शुरू होकर यह रोड शो शहर के सभी मार्गो से गुजरा और जय श्री राम के नरों से पूरा इलाका घंटों तक गूंजते रहा। रोड शो के दौरान कार्यकताओं ने जेसीबी के पुष्प वर्षा भी की। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए नित्यानंद राय व सम्राट चौधरी ने कहा कि वे भाजपा को यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम, काम और जय श्री राम पर वोट मांगने आए है। कहा कि संजय जायसवाल पीएम मोदी के सच्चे सिपाही है और इनकी जीत पीएम मोदी की जीत है। इसका वजह यह है कि पीएम का लक्ष्य देश में चार सौ का आंकड़ा पार करना है और यह तभी संभव है जब संजय जायसवाल की जीत होगी। उन्होंने कहा कि इन्होंने लोकसभा क्षेत्र में जो काम किया है वह एक मिशाल है। इनकी जीत में ही इस क्षेत्र का कल्याण संभव है। इनकी जीत होगी तभी भाजपा देश में चार सौ का आंकड़ा पार करेगी। उन्होंने कहा कि देश की जनता को वह दिन याद होगा जब देश किस विकट स्थिति से गुजर रहा था। उस स्थिति पर मोदी के कुशल नेतृत्व कि वजह से विजय पाया जा सका है। पीएम मोदी ने देश का मान और सम्मान पूरे संसार में फैलाया है। आज भारत विश्व गुरु बन रहा है और अब विश्व की निगाहे भारत की तरफ टिंकी हुई हैं। इन्होंने तेजस्वी यादव के सम्बन्ध में कहा की इनके द्वारा लोगों में भरम फैलाया जा रहा। नित्यानंद राय ने कहा कि जाती धर्म से ऊपर उठकर भाजपा व एनडीए प्रत्याशियों को जिताये।

भिखारी ठाकुर चौक पर हुई घटना में दो लोग हुए गिरफ्तार : एसपी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ' मंगलवार को सुबह में नगर थाना अंतर्गत तेलपा स्थित भिखारी ठाकुर चौक के पास दो पक्षों के बीच हुई झरप में एक ही पक्ष के तीन लोगों को गोली लगी है ' इस आशय की जानकारी देते हुए सारण के पुलिस कप्तान गौरव मंगला ने बताया कि सोमवार को चुनाव के दिन बूथ संख्या 318 एवं 319 पर राजद एवं भाजपा समर्थक के बीच कहा सुनी,गाली - गलौज और पत्थर बाजी प्रतीत हो रहा है ' घायलों में चंदन कुमार पिता नागेंद्र राय की मृत्यु हो गई ' एवं दो अन्य मनोज राय पिता विदेशी राय तथा गुड्डू राय पिता शंभू राय घायल है, जिनका इलाज पीएमसीएच में चल रहा है, जो खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं ' एसपी ने यह भी बताया कि मृतक के परिजन के बयान पर प्राथमिक की दर्ज की जा रही है ' संलिप्त अपराधियों की पहचान कर करवाई की जा रही है ' एसपी के अनुसार इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित दो अभियुक्त रामाकांत सोलंकी पिता स्वर्गीय जय नारायण सिंह सोलंकी बड़ा तेलपा छपरा एवं रवि कांत सिंह उर्फ राम प्रताप सिंह पिता देवेंद्र सिंह बड़ा तेलपा नई बस्ती को हिरासत में ले लिया गया है ' इनकी तलाशी में हथियार एवं गोली भी बरामद हुआ है, अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है ' इस घटना में लापरवाही बरते जाने के आरोप में नगर थाना अध्यक्ष अश्वनी कुमार तिवारी को लाईन हाजिर कर दिया गया है ' इनके स्थान पर अन्य अधिकारी को थाना अध्यक्ष के पद पर स्थापित के लिए आयोग को पत्र भेजा गया है ' पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है ' घटना स्तर पर लगातार पुलिस कैंप कर रही है ' तथा मजिस्ट्रेट की भी प्रतिनियुक्ति कर दी गई है ' कानून को हाथ में लेने वाले एवं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट चलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा '

केन्द्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय पहुंचे सुगौली किया प्रेस वार्ता

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली: केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सुगौली दौरा के क्रम में भाजपा नेता रामगोपाल खंडेलवाल के आवास पर प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि पांचवे चरण तक जितने चुनाव हुए है सभी सीटे एनडीए जीतेगी। घमंडीया इंडी गठबंधन को मिलने वाली नहीं है। अब लोग जात पात की राजनीत से बिहार के लोग उपर उठे है और नरेन्द्र मोदी जी के न्याय के साथ विकास और सबका साथ सबका विकास का जो संकल्प है,उसके साथ बिहार के मतदाता जुड़े है। उक्त बाते । उन्होंने कहा कि अब देश के सांस्कृतिक व सनातन जागृति का समय आ गया है। केन्द्र की सरकार ने विरासत और विकास दोनों को एक साथ लेकर इस भारत को संपूर्णता देने का काम मोदी सरकार कर रही है। इस देश के लोगों को रोटी भी और राम चाहिए। बिहार व पूर्वी एवं प.चंपारण के सीटो पर भी मोदी जी के रोटी और राम का असर मतदाताओं पर है। वहीं उन्होंने सांसद संजय जायसवाल एवं राधामोहन सिंह द्वारा किए गए कार्यों को बताते हुए कहा कि बिहार में इन लोगों ने रेकॉर्ड काम किया है। क्षेत्र के लिए बहुत सारे काम किया है। यह दोनों पीएम मोदी के सच्चे सिपाही है। मौके पर अररिया क्षेत्र के विधायक जयप्रकाश यादव, चनपटिया के पूर्व विधायक प्रकाश राय, भाजपा नेता रामगोपाल खंडेलवाल, श्याम शर्मा, संजय संजू, राम एकबाल प्रसाद, बिल्लू बरणवाल आदि उपस्थित थे। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा विपक्ष भ्रम फैलाने का काम कर रहा है कि भाजपा आरक्षण समाप्त कर देगी। हम विपक्ष से पूछना चाहते है कि आप ओबीसी के आरक्षण को हमेशा कमजोर करने का काम किए है। ओबीसी की आरक्षण की नीति को मजबूत और पहल करने का काम पीएम मोदी जी ने हीं किया है। जैसे ओबीसी आयोग को संबैधानिक दर्जा नहीं मिला। वह ओबीसी के आरक्षण पर दखल नहीं कर सकता था। लेकिन अब आयोग का दर्जा हो गया। अब कोई इस आरक्षण को समाप्त नहीं कर सकता। पीएम ने कहा कि ओबीसी की आरक्षण समाप्त करने का किसी ताकत नहीं है। कांग्रेस गरीब को अपमानित करने का काम किया। उन्होंने 370 धारा का जिक्र भी किया। उन्होंने विपक्ष द्वारा धर्म के आधार पर आरक्षण देने की बात परसवाल उठाया। उन्होंने विपक्ष को चेताते हुए कहा कि ओबीसी आरक्ष पर हाथ लगाने नहीं देदिया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की गुणगान करने वाले लोगों को शर्म आनी चाहिए। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए नौकरी की परिकल्पना एनडीए सरकार ने किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का योगदान है।

तेलपा की घटना निंदनीय, बेकसुरों को प्रताड़ित किया जा रहा है: राजीव प्रताप रुडी

चुनाव आयोग में की शिकायत, कहा, अब चुनाव आयोग विधी-व्यवस्था का लेगा निर्णय

- रक्तरंजित करने की परंपरा रही है राजद की, निदोर्षों की जाती है जान
- उनकी इसी मनोवृति के कारण साल 2004 मे पूरे लोकसभा में दुबारा हुआ था मतदान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। राजद की यह परंपरा रही है कि जब जब सारण में राजद के परिवावादी कैंडिडेट रहे है तब-तब यहां की धरती को रक्तरंजित किया गया है और निदोर्षों की जान गई है। भाजपा प्रत्याशी राजीव प्रताप रुडी ने उक्त बाते कहते हुए आगे बताया कि साल 1996, 1999 2004, 2009 का चुनाव इसका उदाहरण है। राजद और उनके समर्थकों मनोवृति यही रही है। यही कारण है कि साल 2004 में देश में एक छपरा लोकसभा क्षेत्र ही ऐसा था जहां सभी बूथों पर पुर्नमतदान कराया गया था। तेलपा की घटना को लेकर भाजपा प्रत्याशी रुडी ने कहा कि शुरू से ही मतदान ठीक चल रहा था जिसकी भनक मिलते ही राजद के लोग बौखला गये। उन्होंने घुम-घुम कर मतदाताओं को धमकाने का अभियान शुरू किया जो अंततः हत्या के रूप में दिखा। उन्होंने कहा बेकसूर लोगों को गिरफ्तार किया जाता है और जो असल अपराधी किस्म के लोग है निकल जाते है। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है कि इसकी जांच कराते हुए अविलम्ब शांतिपूर्ण स्थिति बहाल किया जाए।

रुडी ने कहा कि तेलपा के बूथ पर अवैध तरीके से प्रत्याशी द्धारा समर्थकों के साथ बूथ पर आ कर लोगों को धमकाने का काम किया जा रहा था जिसका लोगों ने प्रतिरोध किया। इसकी शिकायत चुनाव आयोग में कर दी गई है, अब इसका निर्णय चुनाव आयोग करेगा। रुडी ने कहा कि ऐसा माना गया है कि उसी घटना को लेकर के माहौल बिगड़ता चला गया और जमावड़ा होने लगा और पत्थरबाजी वगैरह होती रही। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन को भी इस बात की जानकारी थी परंतु अफसोस की बात है कि किसी ने कार्रवाई नहीं की और अचानक यह घटना सुबह 7 बजे घटीत हो गई। उन्होंने कहा कि लोगों में दहशत फैलाना राष्ट्रीय जनता दल का इतिहास रहा है जो अब खुल कर सामने आ रहा है। राष्ट्रीय जनता दल और उनके समर्थक इसी प्रकार से व्यवहार करते रहते है। पूरे बिहार में हिंसा का वातावरण हो गया है और उसका असर प्रमुख रूप से छपरा में दिख रहा है।

इस संदर्भ में रुडी ने दुरभाष पर राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी तथा सभी वरीष्ठ पदाधिकारियों से बात की है। भारतीय जनता पार्टी के लिगल सेल के एसडी संजय से भी बात हुई और बताया कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं को जिला भर में विशेष रूप से तेलपा में प्रताड़ित किया जा रहा है, जो चिन्ता का विषय है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि निर्दोष बच्चों को महिलाओं को जीस प्रकार से पकड़ा जा रहा है। वो गलत है, अपराधियों पर कार्रवाई की जाय और जिसके द्वारा इस तरह की परिस्थिति उत्पन्न की गई है उस पर भी कार्रवाई की जाय ।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में जमकर चली लाठियां एक का हाथ टूटा दो अन्य गम्भीर रूप से घायल

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।बगहा में जमीनी विवाद को लेकर एनएच 727 रणक्षेत्र बन गया और दो पक्षों में जमकर लाठियां बरसी। इस मारपीट में एक व्यक्ति का हाथ टूट गया है जबकि दो अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं। घटना वार्ड 33 की बताई जा रही है जहां आपसी विवाद को लेकर दो पक्ष एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए और तब तक मारपीट करते रहे जब तक की 112 की पुलिस बल नहीं आ गई। इस मारपीट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि वार्ड 33 निवासी मो. इस्लाम ने 8 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है की वे अपने दुकान पर खड़े थे तभी एक ही परिवार के समीर गद्दी,फिरोज गद्दी,मेला गद्दी,सरफराज गद्दी, इकबाल गद्दी, इश्तेखार गद्दी इत्यादि आए और बोला की तुम्हारे दुकान से हमें परेशानी है। जब बात बढ़ने लगी तो रड, सरिया और लाठी डंडा से उनकी पिटाई करने लगे इतना हीं नहीं जो बचाने आया उसकी भी पिटाई की। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर चिन्हित कर मामले के छानबीन और पड़ताल में जुटी है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया की दोनों पक्षों के तरफ से प्राथमिकी दर्ज हुई है। दोनों पक्षों से लोग घायल हुए हैं जिनका इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। मामले की जांच कर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा की गलत नीतियों के कारण देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नेता व पूर्व विधायक त्रिवेणी तिवारी ने रामगढ़वा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है।आज इन्हीं की गलत नीतियों के का रण हिंदू मुस्लिम सिख इसाई की कौमी एकता को गंभीर खतरा पैदा हो चुका है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने पार्टी के कार्यकताओं से कहा कि देश को बचाने के लिए महागठबंधन को वोट दें। महागठबंधन का ही घटक दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भी है। इन्होंने आम कार्यकताओं से कहा कि मतदान करने के दौरान पश्चिमी चंपारण संसदीय क्षेत्र की जनता को हाथ के निशान के सामने वाला बटन दबाना है।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यहां से चुनाव नहीं लड़ रही है। यह सीट उनके ही घटक दल कांग्रेस के हिस्से में है।पूर्व विधायक त्रिवेणी तिवारी ने यह भी कहा कि स्थानीय व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कद्दावर नेता का राधा मोहन सिंह पार्टी के हनुमान हैं और इनसे इस चुनावी समर में हनुमान के जैसा काम करने का आह्वान भी किया गया. इस कार्यक्रम को कामरेड राधा मोहन सिंह, पूर्व मुखिया कृष्ण सिंह, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष संजय पांडेय,युवा राजद अध्यक्ष मुकेश यादव,राजद नेता रामबाबू प्रसाद गुप्ता, भोला पासवान कामरेज बिक्की सिंह इत्यादि ने संबोधित किया।

रामनगर में चिराग पासवान गरजे कहा गलती से भी महागठबंधन की सरकार आई तो गरीबो को मिलने वाला योजना बंद कर दिया जाएगा

आरजेडी शासनकाल में लाठी में तेल पिलाकर लोगों पर किए गए थे अत्याचार:चिराग पासवान

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया।छठे चरण में 25 मई को होनें वाले मतदान के पूर्व आज रामनगर में चिराग पासवान ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उनके साथ जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा भी मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने राजद और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा । जंगल राज की याद दिलाकर लोगों से जदयू प्रत्याशी सुनील कुमार को वोट देने की अपील की ।

चिराग पासवान ने वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए कहा की मोदी सरकार गरीबों के विकास और हित में काम कर रही है। नतीजतन राजद और कांग्रेस झूठ बोलकर वोट लेना चाहती है। जिस तरह बिहार में जंगल राज था और लाठी में तेल पिलाकर लोगों के साथ अत्याचार किया जाता था वैसे ही अगर फिर गलती से भी राजद और कांग्रेस की मिलिजुली सरकार बनी तो ये लोग मोदी सरकार द्वारा गरीबों को दी जाने वाली तमाम योजनाओं और लाभ को बंद कर देंगे। ये लोग 5,5 किलो दी जाने वाली मुफ़्त राशन,किसान समृद्धि योजना,आयुष्मान योजना को भी बंद कर अपना कानून बनाएंगे। यहीं नहीं गरीबों की जमीन जायदाद और गहने जेवर का 55 फीसदी हिस्सा कानून में संशोधन कर कब्जा कर लेंगे । इसी वजह से ये लोग मोदी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं की एनडीए सरकार संविधान बदल देगी जिससे लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। जबकि कांग्रेस सरकार खुद कई बार संविधान बदल चुकी है। चिराग पासवान के रहते कोई संविधान में छेड़छाड़ नहीं कर सकता है लिहाजा जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार को वोट कर मोदी जी के हाथों को मजबूत करने की जरूरत है। क्योंकि एनडीए सरकार ही देश में लोगों का कल्याण कर सकती है महागठबंधन केवल लोगों को बर्गलाने व डराने का काम कर रहीं है।

नगर परिषद शेरघाटी के सफाई कर्मी मानदेय भुगतान नहीं होने पर किया हड़ताल

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी।नगर परिषद में कार्यरत 65 महिला पुरुष सफाई कर्मी मंगलवार से लंबित मानदेय भुगतान को लेकर हड़ताल पर चले गए हैं। जिसके कारण नगर परिषद में सफाई कार्य बाधित हो गया है। सफाई कर्मी राजेश डोम ने ठोस एवं अपशिष्ट कचरा प्रबंधन इकाई परिसर में एकत्रित हुए मजदूरों के समूह का नेतृत्व करते हुए बताया कि हमलोग को सोमवार 20 मई को भुगतान करने का वादा किया गया था। नहीं मिलने के बाद काम बंद कर हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने बताया कि पुराने मजदूर का तीन माह से मानदेय भुगतान नहीं हुआ है। जबकि नए मजदूरों का एक माह का भुगतान नहीं हुआ है। इधर इस माह का 20 दिन भी गुजर गया। कार्यालय के पास एकत्रित मजदूरों ने कहा कि 5 माह का पीएफ का पैसा नहीं दिया गया है। अब दुकान वाला राशन नहीं दे रहा है। हम मजदूरी करने वाले लोग क्या करें। इधर सफाई कार्य का जिम्मा संभाले एनजीओ ड्रीम्स आइसलैंड सर्विस कंसल्टेंट कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण कुमार हिटलर ने कहा कि सभी सफाई कर्मी का खाता मांगा गया है। समय पर खाता नहीं दिए जाने के कारण भुगतान में कठिनाई हो रही है। लगभग डेढ़ दर्जन मजदूरों के खाता में अभी भी त्रुटि है। आज सभी का खाता ठीक कराते हुए भुगतान कर दिया जाएगा। बातचीत चल रही है। उम्मीद है सफाई कर्मी काम पर वापस लौट जाएंगे। इधर दोपहर तक बसंत बाग, मिल्कीबाग, गढ़, काजी मोहल्ला, कमात, गोपालपुर आदि वार्ड में भी सफाई कर्मी नहीं पहुंच सकी है। इस प्रकार नगर में मंगलवार को सफाई कर्मी नियमित रूप से कार्य पर नहीं जा सके हैं।

संक्षिप्त खबरें

नीलगाय को बचा पोलम्बर मिस्त्री ने पेश की मानवता की मिसाल

आरा। आमतौर पर सड़क पर किसी बीमार या जख्मी जानवर को देखकर लोग अक्सर अपनी आंखें फेर लेते हैं, लेकिन भोजपुर जिले के कोइलवर के रहने वाले एक पोलम्बर मिस्त्री ने मानव धर्म की मिसाल पेश की है। उन्होंने सड़क पर कराह रही एक घायल नीलगाय के बच्चे को नई जिंदगी दी है। दरअसल आरा-बक्सर फोरलेन पर कुल्हड़िया पेट्रोल पंप के समीप सड़क पार कर रहे एक नीलगाय के बच्चे को एक वाहन ने टक्कर मार दी जिससे नीलगाय का बच्चा सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपनी गाड़ी में पेट्रोल लेने जा रहे कोइलवर निवासी पोलम्बर मिस्त्री अज्जू की नजर जैसी ही उस जख्मी नीलगाय के बच्चे पर पड़ी उन्होंने तुरंत उसे अपने बाहों में उठाकर पास के वन विभाग के वनागार पहुँच गए जहां उन्होंने जख्मी नीलगाय के बच्चे को कैटल गार्ड के हवाले कर उसे उपचार के लिए भेजा।

सीता जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

आरा। जिले के कोइलवर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विशनपुर में सीता जन्मोत्सव का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य सत्येंद्र राय ने किया। वही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री उपेंद्र तिवारी, बजरंग दल के प्रखंड संयोजक रितिक ओझा मौजूद रहे। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री उपेंद्र तिवारी ने अपने व्याख्यान में कहा की हमारे समाज के सभी बहन बेटियों को मां सीता के आचरण को अपने जीवन में उतारना चाहिए। वही प्रखण्ड संयोजक रितिक ओझा ने कहा की जिस प्रकार से लगातार पश्चिमी सभ्यता का हमारे संस्कृति पर प्रहार हो रहा है यह काफी निंदनीय है यह प्रहार सबसे ज्यादा हमारे घर के बहन बेटियों पर हो रहा है हमारे समाज के लड़कियों का वस्त्र दिन प्रतिदिन छोटे होते जा रहे हैं। समाज के बहन बेटियों को सीता बन कर इस पश्चिमी सभ्यता से लड़ना है।

आरा में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

भोजपुर। आरा में अपराधियों का तांडव जारी है। अपराधियों ने अपनी उपस्थिति आरा में दर्ज करायी है जहां दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। घटना टाउन थाना क्षेत्र के मझौंवा गांव स्थित बांध के पास की है जहां इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने जब डेड बॉडी का एक्सरे कराया तब मृतक के पैंट के पॉकेट से तीन जिंदा कारतूस बरामद किया गया। मृतक की पहचान कुदरिया गांव निवासी हेमंत कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह के 26 वर्षीय पुत्र प्रिंस सिंह के रूप में हुई है जो पेशे से व्यवसायी थे। बताया जाता है कि जमीन का विवाद चल रहा था। जमीन को लेकर प्रिंस सिंह की हत्या की गयी है। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन मामले की जांच कर आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

डिप्लोमा के छात्रों के स्नातक में नामांकन पर अवरोध, छात्र असमंजस में

आरा। नामांकन के इच्छुक वैसे छात्र जिन्होंने इंटर की बजाय पॉलिटेक्निक से 3 वर्षीय डिप्लोमा किया है उन्हें नामांकन पोर्टल पर आवेदन करने में परेशानी हो रही है। दरअसल कई वैसे छात्र जिन्होंने मेट्रिक के बाद सरकारी पॉलिटेक्निक से 3 साल का तकनीकी डिप्लोमा किया है उन्हें बिहार राज्य तकनीकी पर्षद द्वारा जारी प्रमाणपत्र दिया जाता है। 3 वर्षीय डिप्लोमा को इंटर के समकक्ष ही माना गया है परन्तु वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातक नामांकन पोर्टल पर वैसे डिप्लोमा का कोई विकल्प ही नहीं है लिहाजा स्नातक में आवेदन के इच्छुक छात्र आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। इसकी शिकायत करने छात्र कल्याण कार्यालय पहुंचे छात्रों त्रिलोक कुमार, दीपक कुमार, मो शाहिद, कुंदन कुमार आदि ने बताया कि उन्होंने विगत 12 दिनों से संबंधित कागजात आवेदन के साथ छात्र कल्याण कार्यालय में जमा कर दिया है परन्तु आवेदन की अंतिम तारीख 26 मई नजदीक होने के बावजूद कोई निर्णय नहीं हो सका है। छात्रों का कहना था कि दूसरे विश्वविद्यालयों में ऐसी सुविधा उपलब्ध है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आरा मंडल कारा का किया औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भोजपुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष ब्रजेश कुमार मालवीय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने मंगलवार को आरा मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। जेल में दोषसिद्ध एवं विचाराधीन बंदियों से मुलाकात कर जेल में आवासान, भोजन, सफाई, इलाज इत्यादि का जायजा लिया। जिला जज ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नाश्ता, भोजन और मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा ना होने की जानकारी ली।

स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों के शौचालय, रसोई घर, वार्डो एवं जेल परिसर की साफ सफाई का निर्देश दिया। कारागार अस्पताल में निरूध बीमार बंदियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने बंदियों को शिक्षा परक एवं रोजगार परक शिवरों का आयोजन कराकर उन्हें प्रशिक्षित किए जाने का निर्देश दिया। साथ ही महिला बैरक में निरूध महिला बंदियों से मुलाकात कर जिला जज ने उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोईघर एवं तैयार हो रहे भोजन का जायजा लिया उन्होंने बंदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। उन्होंने जेल प्रशासन को बंदियों को नियमानुसार सुविधा मुहैया करने का निर्देश दिए और कहा की प्रशासन की ओर से किसी भी तरह की ढिलाई न किया जाए। मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016 एवं मॉडल कारा एवं सुधार अधिनियम 2023 के प्रावधानों का समुचित ढंग से अनुपालन सुनिश्चित किए जाने का भी उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की मनाया गया शहादत दिवस

आरा। आधुनिक भारत के निमार्ता, दूर संचार क्रांति के जनक, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की शहादत दिवस पार्टी कार्यालय शहीद भवन आरा में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक की अध्यक्षता में श्रधांजलि सभा की गई। श्रधांजलि सभा के पश्चात कांग्रेस विचार मंच के राष्ट्रीय महासचिव डॉ शशि कुमार सिंह द्वारा लिखित पुस्तक शीर्षक कांग्रेस कार्यकाल 10 साल बनाम भाजपा कार्यकाल 10 साल एक तुलनात्मक अध्ययन देश की जनता को समर्पित पुस्तक का विमोचन किया गया। जिला अध्यक्ष अशोक राम ने श्रधांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के विकास में स्वर्गीय राजीव जी के कार्यकाल को कभी भुलाया नही जा सकता है। वे आधुनिक भारत के शिल्पकार और दूर संचार क्रान्ति के जनक है, जिन्हें पूरी दुनिया आज भी उन्हें लोहा मानती है। श्रधांजलि सभा सह पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में अशोक राम, डॉ शशि कुमार सिंह, शिव कुमार सिंह, श्रीधर तिवारी, घनश्याम उपाध्याय, प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह, सत्य प्रकाश राय, रजि अहमद, रतन धमालिया, डॉ अमित कुमार द्विवेदी, आशुतोष ठाकुर, राकेश त्रिपाठी, योगीन्द्र सिंह, अशोक यादव, मुकेश चंद्रवंशी, विजेंद्र कुमार राय, गोपाल कृष्ण गोखले, मनोज कुमार अंजनी, चितरंजन मुन्ना, लुटावन चौरसिया, राजू पाठक, रिपुंजय ओझा, हीरा लाल दुबे, लालमोहन सिंह सत्रुघ्न, भाष्कर मिश्रा, आनन्द कुमार, तारकेश्वर यादव, मोहमद्द लालदीन, सहित दर्जनों पार्टी पदाधिकारी एवम कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक्सिस बैंक ने किसानों को ऋण प्रदान करने के लिए वीएसटी टिलर्स के साथ की साझेदारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एक्सिस बैंक ने किसानों को ट्रैक्टर और खेती के काम आने वाली मशीनें खरीदने के लिए ऋण प्रदान करने के संबंध में कृषि उपकरण विनिमार्ता वीएसटी टिलर्स ट्रैक्टर्स लिमिटेड (वीएसटी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। समझौते के अनुसार एक्सिस बैंक हर जगह फैली अपनी शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से वीएसटी के संभावित ग्राहकों को वित्तीय समाधान प्रदान करेगा।

एमओयू पर एक्सिस बैंक के कृषि मशीनीकरण (फार्म मैकेनाइजेशन) के व्यवसाय प्रमुख राजेश ढागे और वीएसटी टिलर्स ट्रैक्टर्स लि. के मुख्य कार्यकारी एंटनी चेरुकारा ने एक्सिस बैंक के भारत बैंकिंग के लिए खुदरा परिसंपत्ति खंड के प्रमुख रामास्वामी गोपाल कृष्णन और वीएसटी टिलर्स के प्रबंध निदेशक वीटी रवींद्र की उपस्थिति में किया। एक्सिस बैंक के कार्यकारी निदेशक और प्रमुख-भारत बैंकिंग, मुनीश शारदा ने कहा कि हम ग्रामीण भारत के कई साझेदारों और अग्रणी संगठनों के साथ अपना गठजोड़ को मजबूत कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि हम देश भर के लाखों किसानों के जीवन में सकारात्मक और सार्थक प्रभाव डाल सकेंगे। वहीं वीएसटी टिलर्स के मुख्य कार्यकारी एंटनी चेरुकारा ने कहा कि हमें देश के अग्रणी बैंकों में से एक के साथ साझेदारी कर और अपने नवोन्मेषी कृषि उपकरणों को किसानों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाने में खुशी हो रही है। हमारी साझेदारी देश के ग्रामीण इलाके में किसानों को कृषि मशीनीकरण कर उत्पादकता बढ़ाने में मदद करने के हमारे संयुक्त लक्ष्य के अनुरूप है।

मगध यूनिवर्सिटी में रोटरी गया ने लगाया वाटर कूलर

प्रात : किरण संवाददाता

गया शहर में दिन प्रतिदिन गर्मी का प्रकोप पड़ता जा रहा है। स्कूल और कॉलेज में हर वर्ष गर्मी में बच्चों के लिए ठंडा पानी की जरूरत को महसूस किया जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब गया द्वारा मगध यूनिवर्सिटी के होम साइंस डिपार्टमेंट में एक वाटर कूलर लगवाया गया है ।ज्ञात हो कि यहां लगभग 150 लड़कियां पढ.ती है, जो इसका लाभ ले पाएंगी।

जिला 3250 के गवर्नर एस.पी. बगड़िया जी के हाथों इसका उद्घाटन करवाया गया। होम साइंस विभाग की प्रभारी दीपशिखा ने क्लब का आभार जताया तथा कहा कि इस इसके लगाने से लड़कियां बहुत खुश हैं। तत्पश्चात क्लब द्वारा साई मंदिर के निकट दो लोहे के बेंच भी लगवाए गए हैं ।वार्ड 32 के पार्षद गजानन के अनुरोध पर क्लब द्वारा बेंच लगाया गया जिसका लाभ आसपास के 500 लोगों को मिलेगा ।अध्यक्ष राखी भदानी में वार्ड परिषद को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया तथा आसपास ठेला लगाने वाले लोगों से आग्रह किया कि वह सफाई पर ध्यान दें ताकि वहां बैठने वाले लोग बेंच का लाभ ले पाए हैं । डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने रोटरी गया द्वारा किए गए कार्यो की सराहना की तथा कहा कि आगे भी किसी चीज की जरूरत पड़ने पर रोटरी क्लब हमेशा सहयोग के लिए आगे रहेगा। इस कार्यक्रम में सचिव तृप्ति गुप्ता,रो. देवव्रत भदानी, असिस्टेंट गवर्नर विवेक कल्याण, रोटरी सिटी के राजू अग्रवाल, बोधगया रोटरी के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नगर निगम क्षेत्र में अवस्थित सभी आश्रय स्थलों का किया गया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गया। नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा से के आदेश पर नगर प्रबंधक गया नगर निगम के द्वारा नगर निगम क्षेत्र में अवस्थित सभी आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया गया है।इस निरीक्षण के क्रम में सभी रैन बसेरा में सफाई की व्यवस्था बेहतर पाई गई है। रैन बसेरा संख्या 4 में सभी पंखा चालू अवस्था में पाए गए एवं पनशाला के साथ-साथ कूलर एवं आर. ओ .चालू अवस्था में पाया गय गया है । रेन बसेरा संख्या 3 मैं भी साफ सफाई की समुचित व्यवस्था थी एवं आ.रो चालू स्थिति में पाया गया । रेन बसेरा 3 में कुल पांच पंखों में चार चालू हालत में पाए गए एवं एक पंखा खराब पाया गया जिसे तत्काल मरम्मती हेतु भेज दिया गया है।

रेन बसेरा एक एवं दो में भी सभी चादर एवं तकिया साफ सुथरा पाए गए एवं आर ओ चलू स्थिति में पाया गया है। रेन बसेरा एक एवं दो में पानी का लेयर नीचे जाने के कारण जलापूर्ति टंकी के माध्यम से की जा रही है ।नगर प्रबंधक द्वारा प्रत्येक दिन तीन बार जलापूर्ति हेतु निर्देश दिया गया। रेन बसेरा एक में कूलर एवं पनशाला की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई है । रेन बसेरा संख्या 7 बैरागी मैं साफ सफाई की समुचित व्यवस्था पाई गई एवं एक पंखा खराब पाया गया जिसे तत्काल मरम्मती हेतु भेज दिया गया है। रेन बसेरा में आ .रो के शीतल पेयजल की व्यवस्था है ।

प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय में मैट्रिक प्रथम स्थान हासिल छात्राओं का आयोजित किया गया सम्मान समारोह सह चित्रकला

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी प्रांगण में मैट्रिक में प्रथम स्थान हासिल छात्राओं का सम्मान समारोह सह चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, चरपोखरी निर्मल दास भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। चित्र प्रतियोगिता के मुख्य विषय चुनाव में अपने मत का प्रयोग जरूर करें। छात्राओं द्वारा सृजित चित्र आयोजन को कलात्मक बना दिया। तकरीबन 50 छात्राओं ने इस चित्र प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपने मौलिक रचनात्मकता अभिव्यक्ति से स्थानीय लोगों को प्रभावित किया।

चित्रों का मुल्यांकन वरिय शिक्षिका अर्चना कुमारी ने किया। अपने संबोधन में अर्चना कुमारी ने बताया कि छात्राओं द्वारा सृजित चित्र हमें उद्वेलित कर रही है, अदभुत सौंदर्य है चित्रित चित्रों में।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मैट्रिक परीक्षा परिणाम निश्चित रूप से छात्राओं को प्रेरित करेगा। चित्र प्रतियोगिता दो ग्रुप में बटा हुआ था। प्रथम नंदनी कुमारी, द्वितीय स्थान ज्योती कुमारी, तृतीय स्थान हासिल किया रंजनी कुमारी। द्वितीय ग्रुप जुनियर में, प्रथम स्थान रागिनी कुमारी, द्वितीय सुरभि कुमारी, तृतीय स्थान हासिल किया है मुस्कान कुमारी। इस अवसर पर वरिष्ठ चित्रकार रौशन राय ने संचालन किया। अपने संबोधन में रौशन राय ने कहा कला बालकपन का मौलिक विचार होता है जो खाका से बच्चें खेलते हैं। मैट्रिक में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा में शालिनी कुमारी, बेबी कुमारी, प्रियांशु कुमारी, ज्योती कुमारी के साथ 14 छात्राओं को प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बि ओ निर्मल दास बच्चियों को लोक शिक्षा के साथ नई शिक्षा बदलाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सृजित कलाकृतियां निश्चित रूप से बचपन के आड़ी तिरछी रेखाओं के बिच जिवन संवाद गढ़ रही थी। अपने संबोधन में विद्यालय शिक्षिका रिंकल कुमारी, प्रिती कुमारी, गणित शिक्षिका रिंकी कुमारी ने चित्रों को सहज अभिव्यक्ति का हिस्सा बताते हुए सभी छात्राओं को आशीर्वाद दिया। प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय चरपोखरी में इस तरह का कलात्मक आयोजन होते रहता है। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं में सुनीत त्रिपाठी, मनोज कुमार, सुधांशु शर्मा, प्रमोद कुमार, मोहम्मद परवेज आलम,निरज कुमार,चर्चिल टैगोर, सिकंदर कुमार उपस्थित रहे।अंत में धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षक अजय राय ने किया।

मग परिषद्, देवधाम की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद कमग परिषद्, देवधाम, औरंगाबाद की जिला स्तरीय बैठक अदरी नदी के समीप शिव मन्दिर प्रांगण में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता संरक्षक गुप्तेश्वर पाठक जबकि संचालन प्रख्यात साहित्यकार धनंजय जयपुरी ने किया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से लगभग दो दर्जन सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिले भर के सभी प्रखंडों में चुनाव सम्पन्न होने के उपरांत जिला स्तरीय चुनाव कराए जाएंगे। ज्ञातव्य हो गोह एवं हसपुरा प्रखंड के चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं। शेष प्रखंडों के चुनाव हेतु पर्यवेक्षक के रूप में क्रमशः श्याम नन्दन मिश्र, गुप्तेश्वर पाठक, धनंजय जयपुरी, विशाल मिश्र, वासुदेव मिश्र, रवीन्द्र कुमार मिश्र, सुभाषचन्द्र पाण्डेय को नियुक्त किया गया है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि शीघ्र ही बैंगलोर मग-परिवार द्वारा मग-परिषद् देव को कम्प्यूटर उपलब्ध कारण जाएंगे जिनके माध्यम से मग परिवार के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी ।जिला स्तरीय कार्यकारिणी गठित हो जाने पर नियमावली तैयार कर सभी प्रखंड कार्यकारिणी से अनुमोदन करवा कर निबंधन करवाने का निर्णय लिया गया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सप्ताह दिवंगत हुए मग परिवार के इंदूभूषण मिश्र (शिवपुर), परशुराम जी का पुत्र)बाकन)' शिवचरण मिश्र की धर्मपत्नी (दुधार), गणेश पाण्डेय(फूलडीहा), उमेश मिश्र(आमस) दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस बैठक में उपरोक्त लोगो के अलावा साकेत कुमार मिश्र,धनन्जय पाण्डेय,मदन गोपाल मिश्र,रौशन कुमार मिश्र, गौतम कुमार मिश्र, निरंजन कुमार पाठक, अनिल कुमार मिश्र,ई0 बीरेंद्र कुमार पाठक,अनुज बेचैन,सहेन्द्र मिश्र, विश्वरंजन मिश्र,नवीन मिश्र, धनंजय पाठक, अंशु पाठक, सुधांशु पाठक उपस्थित रहे।

बिहार मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा कई मुकदमों की सुनवाई की गई

प्रात : किरण संवाददाता

गया। बिहार मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, मगध प्रमंडल, गया द्वारा आज आवेदिका उषा देवी को 10,00,000 दस लाख रुपए का भुगतान चेक द्वारा किया गया है। ज्ञात हो की परिवहन विभाग की अधिसूचना संख्या – 7997, दिनांक – 20.10.2023 द्वारा बिहार मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, मगध प्रमंडल, गया का गठन किया गया जो आयुक्त कार्यालय के परिसर में कार्यशील है जो इस वर्ष से शुरू हुआ और न्यायाधिकरण द्वारा लगातार कई मुकदमों की सुनवाई की गई है। वाद सं0 – MAGA0132 / 2024 में मृतक उत्तम पंडित की पत्नी आवेदिका उषा देवी थाना टंनकूपा जिला गया से संबंधित एवं विपक्षी बजाज ऐलाइंज जेनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की ओर से उनके अधिवक्ता उपस्थित हुए और मुकदमे में दोनों पक्षों में 10,00,000 दस लाख रुपए में सुलह हो गया है। विपक्षी बीमा कंपनी की ओर से उनके अधिवक्ता उमा शंकर प्रसाद उपस्थित होकर दस लाख का चेक न्यायाधिकरण में सौंपा है। आवेदिका अपने अधिवक्ता उपेन्द्र प्रसाद के साथ उपस्थित हुई और उचित पहचान दाखिल किया व न्यायाधिकरण के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह द्वारा आवेदिका को उक्त चेक हस्तगत कराया गया है। विदित हो कि इस न्यायाधिकरण का गठन मोटरवाहन दुर्घटना में मृत व्यक्ति के आश्रित को जल्द से जल्द मुआवजा प्राप्त होने के लिए किया गया है।

अच्छी शिक्षा हेतु अच्छा स्वास्थ्य होना आवश्यक : योगाचार्य सूरज प्रकाश

प्रात : किरण संवाददाता

आज यूथ फॉर सेवा द्वारा बालिका उच्च विद्यालय महादेवा में यूथ फॉर सेवा द्वारा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु योग सत्र रखा गया । जिसमें मुख्य रूप से पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित योगाचार्य सूरज प्रकाश उपस्थित थे ।योग सत्र का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाध्यापिका डॉक्टर निरुपमा सिंह, जगदीश सिंह, राम जी तिवारी ने संयुक्त रूप से किया ।इस अवसर पर योगाचार्य सूरज प्रकाश ने कहा कि अच्छी शिक्षा हेतु अच्छा स्वास्थ्य होना आवश्यक है ऐसे में हम सबको अपने दैनिक जीवन में कुछ समय योग के लिए देना चाहिए योग से इस अवस हम कहीं गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यपी का डॉ निरुपमा सिंह ने कहा कि यूथ फॉर सेवा समाज हित में विविध प्रकार का गतिविधि करता है चाहे पर्यावरण का क्षेत्र हो, शिक्षा के क्षेत्र हो या फिर स्वास्थ्य का क्षेत्र हो एक तरफ नवोदित ,एनएमएमएस मेघा छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी जैसे बड़े आयोजन करते हैं दूसरी तरफ स्वास्थ्य हेतु हेल्थ चेकअप कैंप ब्लड डोनेशन और जागरूकता अभियान सराहनीय और सार्थक है ऐसे संगठन से जुड़कर समाज सेवा का अवसर मिलता है। कार्यक्रम का संचालन यूथ फॉर सेवा के प्रदेश संयोजक आनंद कुमार व धन्यवाद ज्ञापन सुरेश कुमार ने किया इस अवसर पर बच्चों ने योग के विविध आयामों को जाना और अभ्यास किया इस अवसर पर नर्वदेश्वर उपाध्याय चंद्र भूषण उपाध्याय सूर्यकांत कुमार पुष्पा पांडे वीणा श्रीवास्तव उषा कुमारी गायत्री अघोरी बबली कुमारी पूर्णिमा कुमारी के साथ सैकड़ो छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के हाथों को मजबूत करने के लिए सांसद ने मांगा वोट

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) सोमवार को काराकाट लोकसभा संसदीय क्षेत्रों का दौरा औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह ने करते हुए लोगों से किया जनसंपर्क। इस क्रम में उन्होंने लोगों से देश के विकास पुरुष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों मजबूत करते हुए एनडीए को वोट देने की अपील की। इस अवसर पर काराकाट क्षेत्र में भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री

डॉ. मनीष रंजन ने सांसद सुशील सिंह का सैकड़ों सकर्थकों व एनडीए कार्यकताओं के उनका भव्य स्वागत किया। इस क्रम में उन्होंने बिक्रमगंज नगर परिषद के धारूपुर गांव पहुंच मतदाता से जनसंपर्क किया। जहां उन्होंने बिक्रमगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह उर्फ जवाहर सिंह से उनके धारूपुर गांव आवास अंतर्गत मुलाकात करते हुए 1 जून को होने वाली 7वें चरण के मतदान पर विशेष चर्चा किया। साथ ही उनसे आशीर्वाद लिया। वही मौके पर उपस्थित भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने उन्हें फूल माला पहना अंगवस्त्र भेट का सम्मानित किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए सांसद ने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री के विकास के सपनों को पूरा करते हुए 400 के पार चुनावी विजयी रथ आगे बढ़ाना है। ताकि एक पुनः देश में मोदी के नेतृत्व में विकास की बयार बह सकें ।जिसको लेकर एनडीए काराकाट लोकसभा क्षेत्र प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के हाथों को मजबूत करने के लिए उन्हें वोट देने की लोगों से अपील किया। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना, स्मार्ट सिटी योजना और मेक इन इंडिया शामिल हैं। जिनके विकास कार्य की गाथा पूरा विश्व लोहा मान रहा है। इस मौके पर भाजपा नेता अजीत सिंह,सुनील सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह, दिनेश कुमार, हरेंद्र सिंह, मनमोहन तिवारी, सरोज सिंह, जितेंद्र सिंह, बब सिंह, नागेश्वर कुशवाहा, जदयू नेता आशुतोष सिंह, रमाशंकर सिंह, अखिलेश सिंह, झुन्ना सिंह, राकेश मिश्रा, अजीत सिंह पवनी, मैनुदिन हुसैन, अयूब खां, महिला मोर्चा भाजपा नगर अध्यक्ष रूबी कुमारी, विवेक कुमार, परवेज खान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थें।

अंतिम दिन स्नातक-2 की परीक्षा तीन केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न

अंतिम दिन भी वीर कुंवर सिंह केंद्र पर जारी रही सघन जांच

बिक्रमगंज (रोहतास) मंगलवार को स्थानीय शहर के तीन परीक्षा केंद्रों पर स्नातक पार्ट-2 की परीक्षा अंतिम दिन दो पालियों में शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। जो संचालित परीक्षा के अंतिम दिन भी वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर सख्ती के कारण परीक्षार्थियों के होश उड़े थें। अंतिम दिन परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट पर सघन जांच में मुन्ना भाई सहित चिट पुर्जे प्रवेश पर पैनी नजर रखा गया। ज्ञात हो कि शहर के तीन परीक्षा केंद्रों तहत वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय धारूपुर में परीक्षार्थियों की संख्या 2826, अंजबित सिंह महाविद्यालय 1758 व इंदु तपेश्वर महिला कॉलेज में 1535 परीक्षार्थी सूची थी। जो अंतिम दिन संचालित परीक्षा के प्रथम पाली व दूसरी पाली विभिन्न ग्रुप की हिन्दी कला संकाय विषय की परीक्षा थी। जिसमें किसी भी परीक्षा केंद्र पर कोई भी परीक्षार्थी निष्कासित नही हुए। लेकिन अनुपस्थित रहें। वही वीर कुंवर सिंह परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों में सख्ती को लेकर काफी चर्चा थी। वही तीन परीक्षा केंद्रों में सबसे अधिक परीक्षार्थियों की संख्या वीर कुंवर सिंह केंद्र परीक्षा केंद्र पर रही। जो अंतिम दिन मंगलवार को सख्ती पूर्ण संपन्न परीक्षा को लेकर वीर कुंवर सिंह केंद्राधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कदाचारमुक्त परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्र में पहले दिन से अंतिम दिन तक मुन्ना भाई, मोबाईल, ब्लूटूथ,गेस पेपर, इलेक्ट्रानिक उपकरण सहित अन्य चिट पुर्जे के विरुद्ध परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार से लेकर परीक्षा केंद्र के अंदर तक सघन जांच कर नकलची पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा नकेल कसा गया।

फिल्म के सीक्वल के बाद 'इंडियन 3' की तैयारी में हैं कमल हासन!

दिग्गज अभिनेता कमल हासन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'इंडियन 2' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वह फिल्म के प्रमोशन करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। अब 'आईपीएल सीजन 17' में 'आरसीबी' और 'सीएसके' के मैच के दौरान अभिनेता कमल हासन और शंकर ने तमिल कमेंटेटर्स के साथ जुड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान अभिनेता ने 'इंडिया' फ्रेंचाइजी की फिल्म को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है।

अगले साल रिलीज होगी इंडियन 2

निर्माताओं ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान इससे जुड़ी अहम जानकारी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कमल हासन ने खुलासा किया कि उनकी फिल्म 'इंडियन 2' के पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है। उनका लक्ष्य है कि अगले साल जनवरी तक फिल्म को रिलीज कर दिया जाए। इसी प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेता कमल हासन ने एक और महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने बताया कि 'इंडियन 2' के रिलीज के छह महीने बाद ही 'इंडियन 3' को भी रिलीज किया जा सकता है।

शंकर की वजह से फिल्म कर रहे कमल हासन

'इंडियन 2' साल 1996 में आई फिल्म 'इंडियन' फ्रेंचाइजी का सीक्वल है। 'इंडियन' का भी निर्देशन शंकर ने किया है और कमल हासन ने उसमें मुख्य भूमिका निभाई है। बातचीत के दौरान दिग्गज अभिनेता ने कहा कि वह सिर्फ इसलिए 'इंडियन' फ्रेंचाइजी में काम करने को तैयार हुए क्योंकि वह कहानी शंकर दिखा रहे हैं।

स्टार्स के लुक्स को लेकर ट्रोल करने वालों पर भड़कीं जैस्मीन

बिग बॉस फेम अभिनेत्री जैस्मीन भसीन टीवी इंडस्ट्री में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे हमेशा बेबाकी से अपनी बातें रखती नजर आती हैं। हाल ही में अभिनेत्री कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए एक्टर्स को ट्रोल करने वाले लोगों की क्लास लगाती नजर आईं।

हाल ही में राजकुमार राव कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। वहीं जैस्मीन भसीन बिना किसी का नाम लिए हुए कहती हैं,अगर ध्यान देकर नहीं देखा जाए तो मुझे उस फोटो में कुछ भी अलग या बदला हुआ नहीं नजर आया था। लोग कैसे बिना बात के ही ट्रोलिंग शुरू कर देते हैं।

जैस्मीन भसीन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, देखिए हम सब शोबिज का हिस्सा हैं। हम सब खूबसूरत दिखना चाहते हैं। आप ही बताइए कोई जानबूझ कर खराब दिखना चाहेगा क्या। हम सब अच्छा से अच्छा दिखने की कोशिश करते हैं। कॉस्मेटिक सर्जरी या उनकी शारीरिक बनावट में किसी बदलाव के लिए जब भी किसी स्टार को ट्रोल किया जाता है तब उसका नकारत्मक प्रभाव उनके मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। जैस्मीन कहती हैं, मुझे समझ में नहीं आता है लोग इतनी नकारात्मकता को क्यों बढ़ावा देते हैं। यह बहुत ही जहरीला होता है। जैस्मीन भसीन आगे कहती हैं, मशहूर हस्तियों को भी कुछ व्यक्तिगत समस्या हो सकती है। हर व्यक्ति जीवन में किसी न किसी परेशानी से गुजर ही रहा होता है ऐसे में जब बेवजह से उन्हें ट्रोल किया जाता है तब वे अवसाद में चले जाते हैं। लुक्स और फिगर को लेकर ट्रोलिंग गलत है।

खुद के बारे में अफवाह फैलाने वाले सितारों पर भड़कीं नोरा

अभिनेत्री नोरा फतेही ने हाल ही में कहा कि वे सोशल मीडिया ट्रोल्स के बारे में सोचती हैं, लेकिन वे प्रभावित नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि जब फिल्म उद्योग के लोग उनके बारे में अफवाहें फैलाते हैं तो वह प्रभावित होती हैं। नोरा ने कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं है, जब उनकी सफलता किसी ऐसी चीज से जुड़ी होती है, जिसका कोई मतलब नहीं है। नोरा का कहना है कि उनकी प्रतिभा को फिल्म निर्माताओं द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है, ये जो अफवाह फैलाते हैं, वो सच नहीं है इंडस्ट्री में कुछ लोग मेरे बारे में अफवाहें फैलाते हैं। वे मेरे बारे में कुछ धारणाएं बनाते हैं। उन्होंने मेरे हुनर को नजरअंदाज किया है। मैं कभी कभी उदास हो जाती हूं कि वे ऐसा क्यों करते हैं। मेरी सफलता में ऐसी चीजें जोड़ते हैं, जो सच नहीं हैं।

माता-पिता बने यामी गौतम व आदित्य धर

अभिनेत्री यामी गौतम और फिल्म निर्देशक आदित्य धर के घर नन्हा मेहमान आया है। हाल ही में आर्टिकल 370 में मुख्य भूमिका में नजर आई यामी गौतम धर ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। इस बात की जानकारी खुद यामी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। यामी ने बताया कि उनके घर लड्डू गोपाल का जन्म हुआ है। इतना ही नहीं, यामी ने अपने बेटे का नाम भी बताया है। यामी ने भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित मां और बेटे की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर पर लिखा, हमें ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे घर नन्हा राजकुमार आया है। वेदविद्, जिन्होंने अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर जन्म लेकर हमें गौरवान्वित किया, कृपया उन्हें अपना आशीर्वाद और प्यार प्रदान करें। यह नाम हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अर्थ रखता है और कपल ने अपने बेटे का नाम रखते समय बहुत सोच-विचार किया है। हिंदू पौराणिक ग्रंथ के अनुसार, वेदविद का अर्थ है वह व्यक्ति जो वेदों में पारंगत हो।

पड़ोस के लड़कों के साथ कुश्ती की प्रैक्टिस करवाते थे मेरे पिता

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने अपने पिता से जुड़ा एक किस्सा याद करते हुए बताया कि किस तरह उनके पिता ने पड़ोस के तंदुरुस्त और बड़े लड़कों के साथ उनकी कुश्ती की प्रैक्टिस करवायी थी। अक्षय कुमार के पिता हरि ओम भाटिया पहलवान थे। अक्षय क्रिकेटर शिखर धवन के टॉक शो धवन करेंगे, में गेस्ट के तौर पर शामिल हुए और अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल बनाए रखने के बारे में बात की। साथ ही खुलासा किया कि उन्हें प्रेरणा कहां से मिलती है। अभिनेता ने अपने पिता का एक किस्सा शेयर किया, मैं हमेशा से स्पोर्ट्स में एक्टिव रहा हूं और हर किसी को सुझाव देता हूं कि अपने जीवन में कम से कम एक स्पोर्ट जरूर शामिल करें। मेरे पिता, जो पंजाब के पहलवान और सेना में थे, पड़ोस के उन लड़कों को बुलाते थे, जो मुझसे उम्र में बड़े और तंदुरुस्त थे, और उनके साथ कुश्ती का अभ्यास कराते थे। उन्होंने कहा, वह हमें प्राइज के तौर पर कैडबरी चॉकलेट देते थे। मैंने इन चुनौतियों का आनंद लिया क्योंकि पिताजी हमेशा हमें नई तरकीबें सिखाते थे।

फिर से साथ नजर आने वाले हैं कियारा-सिद्धार्थ

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी इंडस्ट्री में अपनी पहचान स्थापित कर चुकी हैं। हाल में ही वह कान फिल्म फेस्टिवल के एक इवेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते नजर आईं थीं। पिछले साल फरवरी में उन्होंने अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शादी की थी। शादी के बंधन में बंधने से पहले दोनों की जोड़ी फिल्म शेरशाह में नजर आई थी।

सिद्धार्थ संग काम करने पर बोलीं कियारा

कियारा और सिद्धार्थ फिल्म शेरशाह में नजर आए थे। दोनों की केमिस्ट्री लोगों को काफी पसंद आई थी। फिल्म में दोनों की बेहतरीन अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद से ही दोनों के फैंस फिर से इन्हें पर्दे पर साथ देखने को बेताब हैं।

दोनों को पसंद आनी चाहिए स्क्रिप्ट

कियारा ने कहा,मुझे लगता है कि शेरशाह से हम दोनों को एक कपल के तौर पर काफी प्यार मिला है। इसलिए लोगों में इसे लेकर एक खास उत्साह है और वो हमें साथ देखना चाहते हैं। इस पर आगे अभिनेत्री ने कहा कि फिल्मों को चुनने को लेकर दोनों एक दूसरे का बतौर कलाकार काफी सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों साथ में फिर से काम करने के लिए काफी उत्साहित भी हैं, लेकिन अगर ऐसी कोई स्क्रिप्ट मिलती भी है तो दोनों को पसंद आनी चाहिए तभी वो काम करने को राजी हो सकेंगे।

कान फिल्म फेस्टिवल में आई नजर

कियारा ने आगे कहा,मैंने सच में कभी इतना नहीं सोचा कि एक कपल के तौर पर ये कैसे संभव होगा? मुझे लगता है, हम दोनों पहले दो अलग इंसान और कलाकार हैं। हम दोनों पहले खुद की पसंद को देखते हुए ही राजी होंगे। हालांकि, हम दोनों भी साथ में काम करना पसंद करेंगे, लेकिन वो कहानी हम दोनों को बराबर पसंद आनी चाहिए। बताते चलें कि कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में पहली बार कियारा आडवाणी ने भी भाग लिया था। वह इसका हिस्सा बन काफी खुश नजर आईं। वह वीमेन इन सिनेमा के गाला डिनर में भी शामिल हुईं। इस दौरान वे गुलाबी रंग के गाउन में नजर आईं थीं।

तेजा सज्जा की मिराय को लेकर आया बड़ा अपडेट

हनुमान के बाद तेजा सज्जा की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है। इस फिल्म के बाद हिंदी पट्टी में भी उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ चुकी है। इस बीच उनकी आगामी फिल्म मिराय को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मेकर्स ने फिल्म को दो भाग में रिलीज करने का फैसला किया है। पिछले कुछ समय से भारतीय सिनेमा में फिल्मों को कई भाग में रिलीज करने का चलन शुरू हो गया है। साउथ की फिल्मों में यह ट्रेंड कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रहा है। प्रभास की सालार और कल्कि 2898 एडी से लेकर जूनियर एनटीआर की देवारा और तेजा सज्जा की हनुमान तक, मेकर्स इन फिल्मों को कई भाग में दर्शकों तक पहुंचाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

दो भाग में रिलीज होगी मिराय

अब इस लिस्ट में तेजा सज्जा की आगामी फिल्म मिराय का नाम शामिल हो गया है। फिल्म का निर्देशन कार्तिक गट्टामनेनी कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म से मनोज मांचू की पहली झलक फैंस के साथ साझा की गई। इसके साथ ही मेकर्स ने इस बात से भी पर्दा उठा दिया कि यह फिल्म दो भाग में रिलीज होगी।

मांचू मनोज के लुक ने बढ़ाई उत्सुकता

मनोज के फर्स्ट लुक के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता काफी ज्यादा बढ़ गई है। निर्माता इस फिल्म के पहले भाग को 18 अप्रैल 2025 को रिलीज करने की योजना पर काम कर रहे हैं। फिल्म में रितिका नायक भी नजर आने वाली हैं। फिल्म में वे महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेंगी।

फिल्म में गौरा हरि का संगीत

पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद कर रहे हैं। वहीं, गौरा हरि ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में मेकर्स इस फिल्म को लेकर और अधिक जानकारी साझा करेंगे।

अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में हुई तेलुगु स्टार की एंट्री

अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म में कई बड़े सितारे पर्दे पर एक साथ नजर आने वाले हैं। यही वजह है कि फिल्म को लेकर प्रसंशकों में काफी ज्यादा उत्सुकता है। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। साउथ की कई फिल्मों में नकारात्मक भूमिका निभा चुके टॉलीवुड अभिनेता अजय की भी इस फिल्म में एंट्री हो गई है। दक्षिण भारत के बाद वे अब हिंदी फिल्मों में भी अदाकारी का जलवा दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के लिए उन्हें एक महत्वपूर्ण भूमिका में कास्ट किया गया है। सिंघम सीरीज बॉलीवुड की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। इसकी दोनों ही फिल्में दर्शकों को काफी पसंद आई थीं। फिल्म में अजय देवगन फिर से अपने किरदार को दोहराते हुए नजर आने वाले हैं। वहीं, तेलुगु अभिनेता अजय भी पुलिस वाले की भूमिका में ही दिखेंगे। कई तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए मशहूर अजय सिंघम अगेन से हिंदी भाषी दर्शकों के दिल में गहरी छाप छोड़ने के लिए काफी उत्सुक हैं। हालांकि उनके किरदार को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सिंघम अगेन की बात करें तो यह फिल्म इस साल 15 नवंबर को रिलीज होगी। पहले इसे स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन बाद में तारीख को आगे बढ़ा दिया गया। यह फिल्म में अपने पिछले दोनों भाग की तरह हाई-ऑक्टेन एक्शन और मनोरंजक कहानी का वादा करती है। फिल्म में अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह जैसे सितारे नजर आने वाले हैं। वहीं, अर्जुन कपूर इस फिल्म में नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर समेत मकई की फसल लूट मामले में अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

नवगछिया (भागलपुर)। विगत 24 अप्रैल की रात्रि खरीक थाना अंतर्गत उस्मानपुर गांव इलाके में वादी किसान गोरेलाल मंडल पिता चमालाल मंडल के खेत में ट्रैक्टर पर मकई लोड करने के दौरान कुछ अपराधकर्मी द्वारा ट्रैक्टर सहित मकई फसल को लूट लिया गया था। इस संबंध में खरीक थाना पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। वही पुलिस द्वारा घटना जांच अनुसंधान के क्रम में घटना में संलिप्त पांच अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। वही शेष बचे अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा गुप्त सूचना के तहत मिली जानकारी के आधार पर कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त खरीक के उस्मानपुर के मनीष यादव पिता अरुण यादव को दबिश देकर गिरफ्तार करने में सफल रही हैं।

शराब के नशे में दो युवक हुआ गिरफ्तार

नवगछिया (भागलपुर)। कदवा थाना पुलिस ने कांड संख्या- 23/24 बिहार मद्ध निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के वांछित प्राथमिकी अभियुक्त परासपुर कदवा के मंगल कुमार पिता स्व. मनोज मंडल को गिरफ्तार किया है तो वही पुलिस ने मधेपुरा जिला के चौसा थाना क्षेत्र के बिंद टोली लौआलगाम के सुजीत कुमार पिता फूलो महतो को शराब के नशे में हंगामा करते हुए कदवा चौक से गिरफ्तार कर मेडिकल जांच के साथ न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

एनबीडब्ल्यू के वांछित वारंटी हुआ गिरफ्तार

नवगछिया (भागलपुर)। व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश आस्था भारती के द्वारा जीआर नम्बर 71/15 एनबीडब्ल्यू के वांछित व फरारी चल रहे वारंटी को गोपालपुर थाना पुलिस द्वारा स्थानीय क्षेत्र के अजमाबाद के मनोज कुमार उर्फ मनोज जायसवाल पिता यमुना भगत उर्फ यमुना जायसवाल को उसके घर पर दबिश देकर मौके से गिरफ्तार कर मेडिकल जांच के साथ ही न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

शोध प्रविधि कोर्स वर्क की लिखित परीक्षा हुई सम्पन्न

भागलपुर। स्नातकोत्तर गाँधी विचार विभाग, तिलकामाँझी भागलपुर विश्वविद्यालय में शोध प्रविधि कोर्स वर्क (2022) की अंतिम लिखित परीक्षा का सफलतापूर्वक समापन हुआ, तो वही इस परीक्षा में कई शोधार्थियों ने भाग लिया। जिसमें उन्होंने अपने शोध कौशल और ज्ञान का बेहतर प्रदर्शन प्रस्तुत किया। ज्ञात हो इसके बाद सभी शोधार्थी अपने शोध प्रस्तावों को प्रस्तुत करेंगे। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार, सहायक प्राध्याक डॉ. अमित रंजन सिंह (सीनेट सदस्य), डॉ उमेश प्रसाद नीरज, गौतम कुमार, मनोज कुमार दास, डॉ. सीमा कुमारी, नरेन नवनीत (जेआरएफ), शोधार्थी उमेश कुमार, माधवेंद्र कुमार, मोहित साहिल, नवनीत कुमार, रीना कुमारी, मांडवी , मुकेश कुमार, प्रिंस कुमार उपस्थित थे।

अखंड रामधुन के लिए शोभा यात्रा निकाली गई

बरियारपुर(मुंगेर)। बरियारपुर प्रखंड के निकट लोहची गांव मे 24 घंटे के अखंड रामधुन के पुर्व कलश शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा लोहची बाजार से निकल कर राष्ट्रीय राजमार्ग 333 से चलकर बरियारपुर मुख्य बाजार होते हुऐ राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या 80 से गुजरते हुऐ महादेवा, कुमारपुर , आशा टोला, नीरपुर, नया छावनी, बंगाली टोला, रघुनाथपुर, प्रेम टोला, घोरघट, होते हुऐ गणगणीया गांव के समीप गंगा स्नान के पश्चात वापस लोहची के लिऐ प्रस्थान किया।

सर्वजन कल्याण समिति के द्वारा जरूरतमंदों के बीच भोजन व जल वितरण किया गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत रुकनपुरा अंबेडकर पथ सर्वजन कल्याण समिति के द्वारा स्वर्गीय अवधेश कुमार, की दूसरी पुण्य तिथि पर जरूरतमंदों के बीच हजारों पैकेट खान व पानी का वितरण किया गया जिसमें संजीव कुमार सिन्हा, नमिता सिन्हा, कुमार एवं नूपुर ने दानापुर शनि मंदिर, रुकनपुरा महिमा मंदिर, खाजपुरा शिव मंदिर के समीप हजारों की संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन, जल का पैकेट वितरण किया। समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार ह्यटिकलह्न ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते है, बड़ी संख्या में गरीब और बेसहारा लोगों ने भोजन, जल का पैकेट दिया गया इस तरह के पहल से सामाजिक संगठन का समर्थन की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर कृष्णा मुखर्जी, संतोष कुमार सिन्हा, कुमार विवेक, रीतेश एवं अभिषेक कुमार सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

बहियार में पुलिस को देखकर अपराधियों ने की गोलीबारी

गोलीबारी को लेकर स्थानीय गांव के बाहुबली जन प्रतिनिधि के नाम की चल रही चर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर) । पुलिस जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र इलाके में इन दिनों दबंगों एवं असामाजिक तत्वों का लगातार कारनामा सुनने को मिल रहा है। वही इलाके में दबंगों व अपराधियों के द्वारा प्रतिदिन कही न कही शराब सेवन कर हंगामा, मारपीट व समाज में अशांति फैलाने का मामला प्रकाश में आता रहा है। इसी कड़ी में सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगा प्रसाद बहियार कमलाकुंड में देर रात करीब 11 बजे कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा कानून व प्रशासन को धता बताते हुए शराब पार्टी व हंगामा करने की गुप्त सूचना पर दबिश में पहुंची थी। वही पुलिस टीम को आता देख असामाजिक तत्वों के द्वारा ताबड़तोड़ गोलीबारी की है। घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक असामाजिक तत्वों ने गोली फायरिंग की वारदात को ग्रामीणों के बीच दहशत फैलाने के उद्देश्य को लेकर मौके से भाग निकलने में सफल रहा है। वही दूसरी ओर घटना की सूचना पर गोपालपुर थाना पुलिस के साथ साथ बरीय पदाधिकारी सदलबल के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन अपराध कर्मी मौके से भाग निकलने में सफल हो गए थे। वही बहियार से पुलिस टीम ने कुछ सामान भी बरामद किया गया है। वही इस गोलीबारी की घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच में स्थानीय बाहुबली जन प्रतिनिधि की नाम की चर्चा चल रही है। वही इस गोलीबारी की घटना को लेकर स्थानीय गोपालपुर थाना के पदाधिकारी व नवगछिया के बरीय पुलिस पदाधिकारी किसी भी तरह की घटना को लेकर पुष्टि किये जाने से साफ तौर पर इनकार कर रही है। वही मामले को लेकर गोपालपुर थाना के थानाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने बताया कि इस तरह की किसी प्रकार की सूचना हमें नही मिली है। वही मामले को लेकर आम लोगों के बीच चचाओं का सिलसिला जारी है तो वही अब देखने वाली बात है कि इस तरह के वारदात सूचना को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा क्या रणनीति तैयार कर दबंगों व अपराधियों के विरुद्ध कौन सी कार्रवाई नीति अपनाई जाती हैं के सवाल खड़े होकर आम ग्रामीण के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

खड़ी ट्रैक्टर के इंजन में लगी बैटरी ब्लास्ट की घटना में खलासी हुआ घायल

बैटरी ब्लास्ट की आवाज आसपास के 5 सौ मीटर दूरी तक रहा गूँजमान, लोगों के बीच मची भगदड़

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। इन दिनों जिले के कई हिस्सों में तेज धूप व उमस भरी भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं वही दूसरी तरफ तेज धूप में वाहनों परिचालन करना भी लोगों के लिए आफत का सबब बन गया है। इस तीखी धूप व भीषण गर्मी के कारण वाहनों में अगलगि कई घटना सामने आ रही हैं तो वही वाहनों के बैटरी भी ब्लास्ट करने की सूचना मिली है। इसी कड़ी में एक कड़ी ट्रैक्टर वाहन के इंजन में लगी बैटरी के ब्लास्ट करने पर टैक्टर खलासी बुरी तरह से चोटिल होने के साथ गंभीर रूप से जख्मी व घायल हो गया। वही इस घटना में खलासी के आंख समेत पूरे शरीर के कई हिस्सों में बैटरी के पानी व उसके टुकड़े का छीटा पड़ने से गम्भीर रूप से चोटिल हो गया है। वही घटना क्रम में खलासी जमीन पर अचेत होकर गिर पड़ा था। वही घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बैटरी ब्लास्ट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के इलाके में लोगों को अचंभित कर दिया था। मानो कोई बम विस्फोट हुआ हो ब्लास्ट की घटना सूचना मिलने के बाद अन्य सहयोगी मजदूरों ने घायल खलासी को मौके से उठाकर त्वरित इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में लेजाया गया जहां मौजूद चिकित्सक के द्वारा भर्ती कर उसका इलाज किया जा रहा है। उक्त घटना मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के मिर्जनहाट चौक के समीप एक गिट्टी बालू गोदाम में घटित होने की बात बताया गया है। वही घटना को लेकर बताया जा रहा है कि एक बालू डिपो में ट्रैक्टर पर गिट्टी लोडिंग का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान उक्त ट्रैक्टर के चालक ने घायल खलासी को ट्रैक्टर के बैटरी पानी को चेक करने के लिए भेजा गया था, जैसे ही खलासी ने बैटरी का ढक्कन खोल तो बैटरी ब्लास्ट हो गई और घटना का शिकार हो गया था। वही घटना को लेकर ट्रैक्टर चालक की माने तो आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के करीब 5 सौ मीटर तक धमाके की आवाज सुनाई दी है। उक्त घटना क्रम में खलासी के आंख में बैटरी का तेजाब चले जाने व शरीर पर छीटा पड़ने से बुरी तरह से घायल हो गया है। वही दूसरी तरफ घायल खलासी संतोष कुमार दास ने बताया कि चालक ने बैटरी को चेक करने के लिए हमे भेजा था, जैसे ही बैटरी के ढक्कन को खोलने के साथ ही बैटरी ब्लास्ट हो गया और बैटरी के पानी मेरे आंख व शरीर पर पड़ जाने से घायल हो गया, हालांकि घटना के बाद अन्य सहयोगी मजदूरों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। इधर घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन में जुट गई है। वही घटना को लेकर स्थानीय लोगों की माने तो डिपो में आए दिन दो दर्जन से अधिक ट्रैक्टर के माध्यम से गिट्टी और बालू का सप्लाई का कारोबार किया जाता है। जिससे न सिर्फ ट्रैफिक की समस्या होती है, बल्कि किसी हादसे के होने की आशंका से डर भी बना रहता है। बरहाल मामले को लेकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम घटना की जांच कर रही है।

पूर्व रेलवे ने माल वैगन लोडिंग में शानदार वृद्धि दर्ज की

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। इन दिनों पूर्व रेलवे को माल परिवहन के क्षेत्र में व्यवसाय को बढ़ावा किये जाने की दिशा में रेल ट्रांसपोर्ट सेवा के तहत ट्रांसपोर्ट सेवा को मजबूत करने की दिशा में सतत प्रतिशत अपने प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए विभाग द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई हैं। जारी विज्ञप्ति में पूर्व रेलवे विभाग ने बताया है कि वर्तमान सत्र में मई 2024 के पहले 10 दिनों में पूर्व रेलवे ने व्यवसाय के क्षेत्र में व्यापार को बेहतर तरीके से देश विकास में पूर्व रेल विभाग लगातार आयात व निर्यात के दौर में वृद्धि के साथ बेहतरीन प्रदर्शन रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में रेलवे द्वारा वैगन लोडिंग में 25.03 प्रतिशत की वृद्धि की है। वही विगत 1 से 10 मई, 2024 तक पूर्व रेलवे ने अपने प्रभावशाली कार्य को बेहतर प्रदर्शन के साथ कुल 47,653 वैगन लोडिंग की दिशा में एक आंकड़ा पेश किया है, जो 2023 सत्र अवधि की तुलना में दर्ज की गई कुल 38,113 लोडिंग से काफी अधिक रही है। वही विभाग स्तर पर व्यापार के क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि दक्षता बढ़ाने और बाजार की बढ़ती मांग की आपूर्ति के लिए पूर्व रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इसके अलावा, पूर्व रेलवे ने पिछले वर्ष की तुलना में वैगन लोडिंग की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, चालू वित्तीय वर्ष (2024-25) में उत्कृष्ट प्रदर्शन हासिल किया है। विगत 1 अप्रैल से 10 मई, 2024 तक पूर्व रेलवे पर वैगनों की लोडिंग का कार्य प्रदर्शन काफी सराहनीय रहा है। विभाग द्वारा अबतक कुल 177,824 टन तक पहुंच गई, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा कुल 136,603 मैट्रिक टन ही रही थी। पूर्व रेलवे पर औसत दैनिक वैगन लोडिंग में भी 1 अप्रैल से 10 मई, 2024 तक 30.19 प्रतिशत की बेहतर वृद्धि देखी गई है, जो पूर्व रेलवे के निरंतर विकास पथ और परिचालन उत्कृष्टता को उजागर करता है। वही पूर्व रेलवे अपने ग्राहकों की सेवा जारी रखने और क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए और अधिक नवाचार और दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जमालपुर स्टेशन कर्मियों ने राजस्व में स्थापित किया नया कीर्तिमान

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। इन दिनों पूर्व रेलवे अपने बुनियादी ढांचे और परिचालन में निरंतर सुधार, यात्रियों की संतुष्टि, सुरक्षा और सुचारू ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ विभिन्न खंडों से आय अर्जित करने के की दिशा में अपने सक्रिय रूप से विशेष पहल के साथ बेहतर प्रदर्शन को लेकर पूर्व रेलवे के जमालपुर स्टेशन ने चार दिनों की अवधि में टिकट बिक्री से महत्वपूर्ण राजस्व अर्जित की है। वही जमालपुर रेलवे स्टेशन के कर्मियों के द्वारा विगत 11 मई से 14 मई, 2024 की अवधि के दौरान, जमालपुर जंक्शन स्टेशन ने 18,895 यात्रियों को टिकट बेचकर कुल 797,240 रुपये की राशि राजस्व के मद में सफलतापूर्वक अर्जित की है। वही राजस्व वृद्धि को लेकर विभाग द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिन-वार विवरण पेश की है। वही जारी विज्ञप्ति में विभाग ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन को लेकर कहा है कि रेल विभाग द्वारा विगत 11 मई को पूर्व रेलवे ने आय के क्षेत्र में कुल 5,111 यात्रियों से 19,2595 रुपये की आय में इजाफा किया है, तो वही 12 मई को कुल 3,652 यात्रियों से लगभग 178,225 रुपये की आय की है जबकि 13 मई को 3,062 यात्रियों से 143,430 रुपये और 14 मई को कुल 7,070 यात्रियों से लगभग 282,990 राशि की आय में वृद्धि किये जाने की बात साझा कर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

अपने बेहतर प्रदर्शन को लेकर जमालपुर जंक्शन स्टेशन पर कुशल और ग्राहक-केंद्रित संचालन को उजागर करते हुए पूर्व रेलवे के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जमालपुर जंक्शन स्टेशन पर सफलता को लेकर रेलवे द्वारा अपने राजस्व स्रोतों को अनुकूलित करने के लिए की गई कड़ी मेहनत और रणनीति के साथ विशेष पहल का प्रमाण दिया है।

आगामी 10 जून को होगी सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन की सुनवाई : डीएम

भागलपुर। जिले के एसएम कॉलेज से मिर्जान हाट मुख्य सड़क मार्ग के बीच तीन किलोमीटर दूरी में रेलवे ब्रिज नंबर 152 के स्थान पर प्रस्तावित नए आरओबी भोलानाथ पुल के निर्माण कार्य हेतु भूमि अधिग्रहण, भू अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन किया जाना सुनिश्चित है। वही आरओबी निर्माण कार्य के सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन से संबंधित सार्वजनिक सुनवाई मौजा वार नेत्रहीन आवासीय विद्यालय भीखनपुर भागलपुर के प्रांगण में आगामी 10 जून के पूर्वाह्न 11:00 बजे से सुनवाई की जाएगी, इस दौरान जगदीशपुर अंचल के नगर पालिका भागलपुर के वार्ड नंबर 12 और वार्ड नंबर 30 का मौजा से संबंधित रैयत से जुड़े जमीन शामिल है।

गोलीबारी के वांछित व फरार अभियुक्त हुआ गिरफ्तार : एसपी

प्रात: किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। ढोलबज्जा परिक्षेत्र के कदवा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के तहत मिली जानकारी के आधार पर गोली मारकर जख्मी करने के मामले में वांछित व फरार चल रहे नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफल रही है। वही मामले को लेकर नवगछिया पुलिस अधीक्षक कार्यालय से निर्गत प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विगत 12 नवंबर 2023 को रात्री करीब 8 बजे कदवा थाना अंतर्गत ग्राम ठाकुरजी कचहरी टोला गांव इलाके में कुछ अपराधकर्मियो के द्वारा ग्रामीण मंगल साह को गोली मारकर जख्मी कर दिया गया था।

मामले को लेकर जख्मी के पुत्र नीतीश साह के लिखित बयान पर कदवा थाना कांड दर्ज किया गया था। वही पुलिस कांड के उद्भेदन किये जाने के साथ अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर घटना जांच अनुसंधान के क्रम में कांड में संलिप्त एक अभियुक्त को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

वही अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातर छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में कांड के प्राथमिकी अभियुक्त कचहरी टोला कदवा के नवल किशोर राय पिता शैलेंद्र राय को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मेडिकल जांच के साथ न्यायिक हिरासत में भेजा गया। ज्ञात हो कि उक्त गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना पंजी में पूर्व से कई गम्भीर कांड दर्ज है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार नवल किशोर राय पर ढोलबज्जा कदवा थाना में हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट समेत करीब आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

ग्रामीणों के आवेदन पर जांच करने पहुंचे अधिकारी

बरियारपुर (मुंगेर)। मुंगेर से मिर्जा चौकी तक बन रहे फोरलेन सड़क मार्ग में कल्याणपुर के समीप करहरिया मौजा में पिलर संख्या 90/040 एवं 90/090 के बीच बने पूल को ऊंचा करने को लेकर ग्रामीणों के द्वारा अधिकारियों को दिए आवेदन पर पथ निर्माण विभाग एवं एनएचएआई के अभियंताओं के साथ प्रखंड स्तर के अधिकारियों ने उक्त पुल का निरीक्षण करने पहुंचे निरीक्षण के दौरान पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता श्री शर्मा ने स्थल निरीक्षण के दौरान जगह-जगह पुल निर्माण की जानकारी ली। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि रेलवे द्वारा जिन-जिन जगहों पर पुल का निर्माण किया गया है उनके सीधे बड़े-बड़े पुल बनाए गए हैं। जिस स्थल पर पुल को ऊंचा करने की बात कही जा रही है उक्त पुल के सामने किसी भी प्रकार की आबादी या रेलवे के द्वारा भी रास्ता या पुल नहीं नहीं है। जबकि ग्रामीण के द्वारा जो पुल को ऊंचा करने की बात कही जा रही है वह पानी निकालने का सिर्फ रास्ता है। जिसकी ऊंचाई 6 फीट के करीब है। उक्त पुलों के दोनों और 800 मीटर के दायरे में ट्रैक्टर सहित बड़े गाड़ी निकालने का बडा पुल दिया गया है। कहा कि जांच रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस क्रम में उपस्थित बीडीओ शशि भुषण कुमार ने अभियंताओं को ग्रामीणों के द्वारा मांग की जानकारी उपलब्ध कराई। बताया कि यह पूरी तरह से बाढ प्रभावित क्षेत्र है मौके पर निरीक्षण क्रम में पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता संजय शर्मा, बीई कुंदन कुमार सिंह, मोन्टो कारलो के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद पांडे के साथ बीडीओ शशि भूषण कुमार अंचल सीआई हरी विक्रम मौजूद थे।

आयुक्त की अध्यक्षता में कृष्ण सेवा सदन पुस्तकालय प्रबंध कार्यकारिणी समिति की बैठक

प्रात: किरण ब्यूरो

मुंगेर। श्री कृष्ण सेवा सदन प्रमंडलीय पुस्तकालय के प्रबंधकारिणी समिति की बैठक मंगलवार को आयुक्त कार्यालय के सभागार में प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह, आयुक्त के सचिव सह क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक अरविंद कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी दिलीप कुमार देव, जिला शिक्षा पदाधिकारी असगर अली, कार्यपालक अभियंता भवन, पीएचईडी, पुस्तकालय के ट्रस्ट सदस्य श्रीनारायण सिंह, ट्रस्ट के सचिव प्रभात कुमार, आईटीसी के प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित थे। प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा जानकारी दी गई की श्री कृष्ण सेवा सदन पुस्तकालय को जिला केंद्रीय पुस्तकालय से प्रमंडलीय पुस्तकालय के रूप के उत्क्रमित कर दिया गया है। प्रमंडलीय पुस्तकालय के रूप में अध्यक्ष सह प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में प्रबंधकारिणी समिति की यह पहली बैठक आहूत की गई है। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण सेवा सदन पुस्तकालय, मुंगेर ही नहीं बल्कि बिहार राज्य के धरोहर के रूप में इसकी पहचान है। इस धरोहर को संरक्षित और इसका उत्तरोत्तर संवर्धन करना हम सभी का दायित्व है। बैठक में प्रमंडलीय पुस्तकालय श्री कृष्ण सेवा सदन के उन्नयन, बहुमूल्य पुस्तकों पांडुलिपियों के संरक्षण, पुस्तकालय में आने वाले पाठकों के सुविधा, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्था संबंधी विभिन्न 17 सूत्री एजेंडों पर बिंदु वार चर्चा की गई। आयुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को अपनी देख-रेख में 15 दिनों के अंदर सभी पुस्तकों के इंडेक्सिंग तथा तीन माह के अंदर पुस्तकालय के सभी पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन हर हाल में कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय में रखे पुस्तक अति बहुमूल्य हैं।

आयुक्त ने श्री कृष्ण सेवा सदन ट्रस्ट के सदस्यों कार्यकलाप, वित्तीय प्रबंधन, अंकेक्षण एवं अन्य संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी ली गयी। आयुक्त ने कहा कि ट्रस्ट के कार्या एवं कार्यशैली में पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए। श्री कृष्ण सेवा सदन के परिसर में स्थित दुकानों की बंदोबस्ती एवं किराया एवं उससे प्राप्त आय के संबंध में भी समीक्षा की गयी। उन्होंने निर्देश दिया कि जितने भी दुकान हैं, दुकान वार किराया की वसूली एवं बकाया राशि का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में सदर अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वे अपने स्तर से डिफॉल्टर दुकानदारों को नोटिस निर्गत करेंगे। यदि किराया अदा नहीं किया जाता है तो उनका आवंटन रद्द भी किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सुझाव दिया कि श्री कृष्ण सेवा सदन का एक वेबसाइट तैयार किया जाए और उसमें सभी पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन कर उसके माध्यम से उपलब्ध करायी जाए। पुस्तकालय के कार्यालय कार्य को सुचारू रूप से संचालन हेतु दो लिपिक की मांग पर जिलाधिकारी द्वारा दो लिपिकों की प्रतिनियुक्ति कराने की बात कही गयी। साथ ही उन्होंने फोटो स्टेट मशीन भी संस्थापित कराने का निर्देश दिया। पेयजल एवं जलापूर्ति के संदर्भ में डीप बोरिंग कराने के मद्देनजर कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को इस संबंध में निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि अभी वर्तमान में पुस्तकालय में छह लाइब्रेरियन कार्यरत हैं, जो दो-दो पालियों में तीन-तीन कर्मियों द्वारा कार्य किया जाता है। पुस्तकालय की कार्यावधि सुबह 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक है, जिसमें पहली पाली सुबह 8 से 3 तथा दूसरी पाली 3 से 10 तक संचालित है। इस पर आयुक्त ने कहा कि पहले तो कार्यावधि में सुधार करते हुए सुबह 8 से दो तथा दूसरी पाली 2 से 8 तक किया जाए। साथ ही एक पुस्तकालय अध्यक्ष की भी प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी 6 लाइब्रेरियन में जो सीनियर हैं, उन्हें पुस्तकालय अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया जाए, ताकि उनके द्वारा पूरे पुस्तकालय का सही रूप से देख-रेख किया जा सके।

शिक्षण संस्थाओं में अनैतिकता के विरोध में नागरिकों ने सरकार को आंदोलन की चेतावनी दी

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। शिक्षा मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण प्रगति और देश की सर्वांगीण विकास का जरिया है जीवन के हर क्षेत्र में शिक्षा जहां महत्वपूर्ण स्थान रखता है वही आज कई कॉलेजों और महाविद्यालय में शिक्षा को बदनाम कुछ प्राध्यापकों व प्राचार्य के द्वारा नैतिकता को तार तार किया जा रहा है। हाल की कई घटनाओं से हवेली खड़गपुर की जनता हैरान हैं ।

हवेली खड़गपुर के हरि सिंह महाविद्यालय के एक छात्रा के द्वारा छेड़खानी के आरोप लगाकर भारी बवाल छात्र संघ और अभिभावकों द्वारा कॉलेज पर शर्म किए जाने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच कराया और अंत में सहायक प्राध्यापक को प्रतिनियुक्ति पर भेज दिए गए। लेकिन आज कदाचार से उत्पन्न परिस्थितियों छात्र-छात्राओं के भविष्य को अंधकार के कुएं में धकेल रहा है वहीं कदाचार से डिग्री हासिल करने वाले हमारे नौनिहाल विकसित भारत के सपने को गर्त में डाल रहे हैं। इससे भी गंभीर आरोप राज्यकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मुंगेर पर है कॉलेज का एक चपरासी कॉलेज परिषद में शराब पीते हुए वीडियो पिछले दिनों सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है(वायरल विडियो की पुष्टि प्रातः किरण नहीं करती है) कि बिहार में शराबबंदी कानून डिब्बे में बेचने और पीने वालों पर दोनों पर कार्रवाई होने का प्रावधान है इतना ही नहीं उक्त चपरासी ने एक महिला गार्ड के साथ कॉलेज परिसर के कमरे में नैतिकता को तार-तार कर दिया है सूत्रों के मुताबिक सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है(इस वायरल वीडियो की पुष्टि प्रातः किरण नहीं करती है) की बात तो यह है कि कॉलेज की प्राचार्य एक महिला के रहने के बाद भी महिला कर्मी की इज्जत तार तार होने की घटना को सीसीटीवी कैमरा में कैद होने पर चपरासी पर कार्रवाई के लिए आज तक विभाग को एक भी पत्र नहीं लिखकर भेजा है।

सूत्रों ने बताया कि प्राचार्य ने चपरासी से रकम लेकर जांच से बचने के लिए सभी पुराने सीसीटीवी कैमरा खराब बाता कर राजकीय पॉलिटेक्निक विभाग पटना को पत्र भेज कर नया सीसीटीवी कैमरा लगवा दिया लेकिन प्राचार्य यह भूल गई की सीसीटीवी कैमरे से उसके कर्मचारियों द्वारा लिंक कर अपने मोबाइल में ले लिया था। हवेली खड़गपुर के सैकड़ों नागरिकों ने बिहार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री से सवाल अखबारों के माध्यम से कहा है कि मंत्री जी धृतराष्ट्र की तरह किस मोह में फंसकर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं ।

अगर कार्रवाई नहीं करेंगे तो राजनीतिक इतिहास में यह भी मंत्री जी के मोह का स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा वहीं पॉलिटेक्निक कॉलेज प्रशासन का इस ऑनलाइन टिक के माहौल में तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने वाले हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधकार के गर्त में डुबो रही हैं। खड़कपुर के सैकड़ो नगरिकों ने प्राचार्या के विरुद्ध जांच-पड़ताल कर हटाने की मांग बिहार के सरकार से किया है । खड़गपुर के नागरिकों कहा कि अगर माह जून तक जांच कार्यवाही नहीं की गई तो धरना प्रदर्शन और मुख्यमंत्री के आवास पर जाकर धरना दिया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देना मेरी पहली प्राथमिकता:विकास सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

कैमूर। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के मचहलपुर गांव में मंगलवार को पांच दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ।शुरूआती मैच कबार एवं खैरा के बीच खेला गया जिसमें टॉस जीतकर कबार की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।निर्धारित 10 ओवर की मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कबार की टीम ने 87 रन बनाए ।जवाब में उतरी खैरा की टीम ने 5 विकेट शेष रहते हुए लक्ष्य की प्राप्ति कर विजेता बनी।इस बीच दोनों टीमों के खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए चौके छक्कों पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए आनंद उठाया और खेल प्रेम का संदेश दिया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद भभुआ के जिला पार्षद विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल का कमिटी के सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।वहीं जिला पार्षद ने फीता काट कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया।मौके पर खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जिला पार्षद ने कहा कि इस गांव में खेल के प्रति दीवानगी स्पष्ट रूप से दिख रही है।खेल मैदान नहीं होने के बावजूद खेतों के बीच पिच बनाकर इतना बड़ा पांच दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन करना अपने आप में काबिले तारीफ है।ग्रामीण खेल प्रेमियों के उत्साह का मै कद्र करता हूं।हर पंचायत स्तर पर एक बड़ा खेल मैदान हो इसके लिए मेरा प्रयास जारी है।ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देना ही मेरी पहली प्राथमिकता है क्योंकि खेल युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरुस्त बनाने के साथ जॉब के अवसर प्रदान करता है।उन्होंने कहा कि मैं भी क्रिकेट खिलाड़ी रहा हूं।खेल एवं खिलाड़ियों के प्रति मेरा प्रेम नस नस में बसा हुआ है।मैच के दौरान मुख्य अंपायर की भूमिका में संजू पासवान एवं उपेंद्र पासवान ने शानदार तरीके से मैच का आंखों देखा हाल सुनाया।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास)। ंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के पूर्व संध्या पर बिक्रमगंज प्रखंड के मानी में जागरूकता मार्च का किया गया आयोजन । अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की पूर्व संध्या पर रोहतास जिला के बिक्रमगंज प्रखंड स्थित मानी मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता मार्च, चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । 'कैसे बढ़े हरियाली, गांव में आए खुशहाली' विषय पर आयोजित किया गया । चित्रकारी प्रतियोगिता में सरकारी और गैरसरकारी स्कूलों के कक्षा पांच से लेकर कक्षा दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । चित्रकारी प्रतियोगिता के बाद मतदाता जागरूकता सह जैव विविधता संरक्षण मार्च निकाला गया । इस मार्च को बिक्रमगंज अनुमंडल पदाधिकारी अनिल वसाक, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी अमरेंद्र प्रसाद सिंह और रेंज ऑफिसर रूपम कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । जैव विविधता प्रबंधन समिति मानी के अध्यक्ष मृत्युंजय मानी ने कहा कि बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर मानी ग्राम पंचायत में बड़े स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन होगा । उसमें चित्रकारी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कराया जाएगा । जागरूकता मार्च में स्कूली बच्चों के साथ-साथ ग्रामीणों ने भाग लिया । गांव के गली-गली में भ्रमण कर करके मतदाताओं से एक जून को मतदान करने की अपील की गई ।

चार मनचलों ने नकली पिस्टल दिखाकर दो से कि छेड़खानी, दो गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास)। काराकाट थाना क्षेत्र के गडुरा टोला पर दो नाबालिग लड़की के साथ छेडखानी का मामला प्रकाश में आया है । छेड़खानी का मामला 20 मई 2024 के देर रात्रि का बताया जाता है । जहां चार मनचलों ने दो नाबालिक लड़कियों से छेड़-छाड़ करने लगे । वही छेड़खानी के मामले में पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया लेकिन दो अभियुक्त फरार हो गये है । पिता के बयान पर छेड़खानी के मामले में चार पर एफआईआर दर्ज किया गया है । बयान में बताया गया है कि दो नाबालिक गांव में शादी के कार्यक्रम में जयमाल देखने गई थी । घर वापस आने के क्रम में चार लड़कों ने नकली पिस्टल दिखाकर दोनो के साथ छेड़खानी करने लगे । दोनों नाबालिक लड़की चिल्लाने लगी तो आवाज सुन बाराती व सराती दोनो लोग पहुंचे तो चारो भागने लगे लेकिन लोगों ने दो को पकड़ लिया । वही दो फरार होने में कामयाब हो रहें। सूचना पर पुलिस ने ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए दो मनचले को अपने गिरफ्त में ले लिया ।

भारत की टी20 टीम का चयन आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर होना चाहिए: गौतम गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटॉर और भारतीय टीम के कोच पद की रेस में आगे चल रहे गौतम गंभीर ने कहा है कि गेंदबाज़ी की गति जैसे विशिष्ट मानदंडों के आधार पर युवा भारतीय खिलाड़ियों के बारे में हाइप बनाना उन्हें ÷प्रतिफल÷ दे सकता है और उन्हें कड़ी मेहनत करने से विचलित कर सकता है। उन्होंने कहा है कि टी20 में टीम चयन आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर होना चाहिए ना, लेकिन केवल बल्लेबाज़ी औसत या गेंदबाज़ी गति के आधार पर नहीं होना चाहिए।

गंभीर ने भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कहा, भारत में हमने युवा खिलाड़ियों में बहुत अधिक हाइप बनाना शुरू कर दिया है। अगर कोई 150 तक गेंद कर रहा है तो हर कोई उत्साहित हो जाता है। प्वाइंट यह है कि आपको परिस्थति को भी देखने की ज़रूरत है। टी20 क्रिकेट में औसत और रन इतने प्रभाव नहीं डालेंगे। जब बल्लेबाज़ का चयन हो तो यह स्ट्राइक रेट है और जब गेंदबाज़ का चयन हो तो यह देखना है कि वह कितने मुश्किल ओवर डाल सकता है। अगले दो-तीन सालों में यही चर्चा होगी।

उन्होंने कहा,हम रनों की संख्या और औसत, कोई 150 डाल रहा है तो उसके बारे में चर्चा करते रहते हैं। कई बार जब आप वेस्टइंडीज़ या बांग्लादेश जाते हो तो आपको ऐसे गेंदबाज़ की ज़रूरत नहीं है जो 150 किमी की गति से गेंद करता हो। आपको ऐसा गेंदबाज़ चाहिए जो कटर डाल सकता है। यही सोच चयनकर्ताओं की होनी चाहिए। कई बार आप प्राकृतिक कौशल चुन लेते हो, लेकिन दो-तीन मैचों के बाद हाइप बनाना सही नहीं है, हमें एक संतुलित दृटिकोण की ज़रूरत है। भारत में ग्राफ़ ऊपर-नीचे जाता है और यह एक युवा खिलाड़ी के लिए सही नहीं है। जब बात युवा खिलाड़ियों की हो तो यहीं पर विशेषज्ञ और कमेंटेटरों को संतुलित रहने की ज़रूरत है। उनके लिए कड़ी मेहनत और जो अच्छे काम वे कर रहे हैं उनसे भटक जाना आसान है। क्योंकि अचानक जब आप किसी युवा खिलाड़ी के अच्छा प्रदर्शन करने की बात करने लगते हैं तो यह उनके लिए उल्टा पड़ सकता है।

गंभीर ने घरेलू क्रिकेट की अहमियत पर भी बात की और उन्होंने साथ ही कहा कि आईपीएल के प्रदर्शन लाल गेंद क्रिकेट चयन में प्रभाव नहीं डालने चाहिए।

गंभीर ने कहा, भारत की टी20 टीम आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर चुनी जानी चाहिए। 50 ओवर के प्रारूप में टीम का चयन विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी से होना चाहिए और आपकी टेस्ट टीम प्रथम श्रेणी क्रिकेट के आधार पर होनी चाहिए। अगर आप 50 ओवर प्रारूप या लाल गेंद क्रिकेट के लिए

चयन आईपीएल टूर्नामेंट के आधार पर करेंगे तो यह युवा खिलाड़ियों के लिए शॉर्ट कट हो जाएगा और वे लाल गेंद क्रिकेट या 50 ओवर प्रारूप पर फ़ोकस करना बंद कर देंगे।

वनडे क्रिकेट में दो नई गेंद क्रिकेट में सबसे ख़राब चीज़

वनडे में 2011 में दो नई गेंद नियम के इस्तेमाल की शुरुआत की गई और गंभीर ने कहा कि यह क्रिकेट में हुई सबसे ख़राब चीज़ है। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे अश्विन और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन जैसे उंगलियों के स्पिनर वनडे प्रारूप से दूर हो गए हैं।

गंभीर ने अश्विन से कहा, ÷क्रिकेट में सबसे ख़राब चीज़ यही हुई है कि दो नई गेंद का इस्तेमाल शुरू किया गया। आपने मैच से उंगलियों के स्पिनर का पूरा कौशल छीन लिया। आपके पास दो नई गेंद है, आपके पास पांच खिलाड़ी अंदर है, तो आप कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि एक उंगलियों का स्पिनर पिच से कुछ निकाल सकता है और आप कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि उंगलियों का स्पिनर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकता है

उन्होंने कहा, आपने इससे दुनिया के दो सर्वश्रेष्ठ उंगलियों के स्पिनर अश्विन और लियोन को दूर कर दिया है। यही कारण है कि वहां आप लोग नहीं खेल रहे हैं क्योंकि वहां आप लोगों के लिए कुछ नहीं है। यदि आप 20वें ओवर में गेंदबाज़ी कर रहे हैं तो आप 10 ओवर पुरानी गेंद से गेंदबाज़ी कर रहे हैं और पांच खिलाड़ी अंदर है और पिच भी सपाट है। बड़े बल्लेबाज़ हैं और पॉवर हिटर्स भी हैं, साथ ही छोटी बाउंड्री है और डीआरएस भी है। यह आपके और लॉयन के लिए नहीं है। यह काम आईसीसी का है। यह काम आईसीसी का है कि आप हर तरह के गेंदबाज़ को प्रमोट करो जो ऑफ़ स्पिनर या उंगलियों का स्पिनर बनना चाहता है। आप मुझे बताइए कितने युवा उंगलियों के स्पिनर बनना चाहते हैं ऑफ़ स्पिन या बायें हाथ की स्पिन एक कला है और ये कोई नहीं बनना चाहता क्योंकि वे जानते हैं कि सफ़ेद गेंद क्रिकेट में उनका कोई भविष्य नहीं है। गंभीर ने कहा कि आईसीसी को देखना चाहिए कि वे बॉल मैन्यूफैक्चर्स बदलें, फरि उस नियम को बदलें जो खिलाड़ियों पर प्रभाव डाल रहा है।

गंभीर ने कहा, मुझे वह प्रारूप या नियम पसंद है जहां पर एक नई गेंद रहती है। यह खिलाड़ी की समस्या नहीं है। अगर बॉल बनाने वाले 50 ओवर तक गेंद की शेप को बरक़रार नहीं रख सकते हैं तो अच्छा है आप मैन्यूफैक्चरर को ही बदल दें। एक गेंद 50 ओवर तक अपना रंग बनाए नहीं रख सकती है। यह मैन्यूफैक्चरर की समस्या है। जब लोग मध्य ओवरों में विकेट लेने की बात करते हैं तो अचानक से उन्हें पता चलता है कि केवल कलाई के स्पिनर विकेट ले सकते हैं। हां आपके पास कैरम बॉल या फ्लिपर भी विकेट दिला सकती हैं लेकिन विशुद्ध ऑफ़ स्पिन या बायें हाथ की स्पिन की कला कहां है या बायें हाथ का स्पिनर जो हवा में या विकेट से बीट करा सकता है वह कहां है.

क्योंकि आपके पास विकेट से मदद नहीं है और पांच खिलाड़ी अंदर है। तो मुझे लगता है कि आईसीसी को सोचना होगा और फरि हम आगे बढ़ सकते हैं और पूरे 50 ओवर में एक गेंद से खेल सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुनेंगे रोहन बोपन्ना

युकी भांबरी या श्रीराम बालाजी होंगे च्वॉइस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टॉप डबल्स खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पेरिस ओलंपिक के लिए अपना भारतीय जोड़ीदार चुनेंगे. इस दौड़ में वह एन. श्रीराम बालाजी या युकी भांबरी में से किसी एक को अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं. अखिल भारतीय टेनिस संघ से उन्हें मंजूरी मिलना तय है. वर्ल्ड डबल्स रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज 44 वर्ष के बोपन्ना शीर्ष दस में होने के कारण अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं. पेरिस ओलंपिक में पुरुष डबल्स ड्रॉ में 32 टीमें

होंगी, जिसमें से एक देश अधिकतम दो टीमें रख सकता है. क्वॉलीफिकेशन मानदंडों के तहत शीर्ष दस में शामिल खिलाड़ी अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं, जो एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 300 के भीतर होना चाहिए. फ्रेंच ओपन के बाद 10 जून की रैंकिंग क्वॉलीफिकेशन के लिए मान्य होगी. एआईटीए सूत्रों के अनुसार बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए उनके जोड़ीदार के तौर पर टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना में शामिल करने के लिए एआईटीए को बालाजी और भांबरी का नाम भेजा है. एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने पीटीआई से कहा, 'आमतौर पर खिलाड़ी अपना जोड़ीदार खुद चुनता है. चयन समिति उससे विकल्प पूछेगी और उस पर बात की जाएगी. रोहन जिसके साथ भी खेलना चाहेगा, उस पर विचार किया जाएगा.' बालाजी ने हाल ही में जर्मनी के आंद्रे बेजेमैन के साथ कैगलियारी चैलेंजर टूर्नामेंट जीता था. वहीं भांबरी ने फ्रांस के अलबानो ओलिवेत्ती के साथ अप्रैल में म्युनिख में एटीपी 250 टूर्नामेंट जीता और इस महीने बोर्डो चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचे.

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका

चोट का शिकार हुए अंग्रेज कप्तान जोस बटलर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान आईपीएल प्लेऑफ से पहले अपने देश लौट चुके हैं. दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी. लेकिन इस सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के

कप्तान जोस बटलर चोट का शिकार हो गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड-पाकिस्तान सीरीज में जोस बटलर को बाहर बैठना पड़ सकता है. लेकिन सवाल है कि क्या टी20 वर्ल्ड कप तक जोस बटलर फिट हो पाएंगे? अगर जोस बटलर जोस टी20 वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध नहीं हुए तो इंग्लैंड टीम के लिए बड़ा झटका होगा.

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में जोस बटलर के खेलने पर संस्पेश...

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच 22 मई को खेला जाएगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जोस बटलर पहले मैच में खेल नहीं पाएंगे.

टी-20 वर्ल्डकप

आईपीएल की शीर्ष-दो फ्रेंचाइजी से भारतीय टीम में कोई खिलाड़ी नहीं, सबसे फिसड्डी टीम का चयन में दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 सीजन अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है और मंगलवार से प्लेऑफ के मुकाबले शुरू हो जाएंगे। पहले क्वालिफायर में तालिका में शीर्ष की दो टीमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। केकेआर और हैदराबाद ने ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन इन दोनों ही टीमों का कोई खिलाड़ी अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं बना सका।

रिंकू सिंह रिजर्व में शामिल – आईपीएल के पिछले सीजन में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान यश दयाल की पांच गेंदों पर पांच छक्के जड़कर तहलका मचाने वाले रिंकू सिंह टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल होने के बड़े दावेदार थे, लेकिन रिंकू 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना सके और उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा गया। टीम इंडिया के चयन में आईपीएल 2024 ने भी अहम भूमिका निभाई है। चयनकर्ताओं ने कुछ स्लॉट्स पर फैसला आईपीएल में उस खिलाड़ी के प्रदर्शन को देखते हुए लिया है। इसका सबसे बड़ा नुकसान रिंकू सिंह को हुआ, जो इस सीजन कुछ खास नहीं कर पाए। रिंकू सिंह आईपीएल में केकेआर के लिए खेलते हैं, लेकिन इस सीजन वो ऊपरी क्रम में उतरे और बड़ी पारी नहीं खेल पाए।

मुंबई इंडियंस के चार खिलाड़ियों को मिला मौका – आईपीएल 2024 की सबसे फिसड्डी टीम पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस रही जिसने 14 में से 10 मुकाबले गंवाए और तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही। मुंबई की कप्तानी करने वाले हार्दिक पांड्या टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं, जबकि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम को उतरना है। मुंबई से रोहित, हार्दिक के अलावा सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह भी इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। इतना ही नहीं इन चारों खिलाड़ियों का प्लेइंग-11 में चुना जाना भी तय है। हार्दिक का प्रदर्शन इस सीजन काफी खराब रहा था, लेकिन रोहित, सूर्यकुमार और बुमराह ने अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि रोहित की फॉर्म भी चिंता का विषय रही, लेकिन उन्होंने आखिरी मैच में अर्धशतक जड़ वापसी के संकेत दिए थे।

चार टीमों के खिलाड़ियों को नहीं मिला मौका – आईपीएल की चार टीमें ऐसी रही जिसके किसी खिलाड़ी को टी20 विश्व कप में खेलने का मौका नहीं मिला। केकेआर, हैदराबाद के अलावा गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाएंट्स का भी कोई खिलाड़ी 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना सका। गुजरात के लिए खेलने वाले शुभमन गिल भी रिंकू की तरह रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल विकेटकीपर की दौड़ में थे, लेकिन राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन उनसे दौड़ में आगे निकलने में सफल रहे थे।

हरभजन सिंह ने उजागर की विश्व कप स्क्वॉड की कमी, बताया एक अन्य पेसर की खलेगी कमी, रिंकू पर भी की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से वेस्टइंडीज-अमेरिका की सह-मेजबानी में हो रही है, जबकि फाइनल 29 जून को खेला जाएगा। आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया खेलती दिखेगी। वहीं, हार्दिक पांड्या उपकप्तानी करते दिखेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए चुने गए भारतीय स्क्वॉड पर चर्चा की। उनका मानना है कि टीम में चार तेज गेंदबाजों को मौका दिया जाना चाहिए थे। इस दौरान उन्होंने चार स्पिनर्स को मौका देने पर भी सवाल उठाए हैं। भज्जी ने कहा कि चार स्पिनर बहुत ज्यादा हैं, तीन ही काफी थे। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से वेस्टइंडीज-अमेरिका की सह-मेजबानी में हो रही है, जबकि फाइनल 29 जून को खेला जाएगा। आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया खेलती दिखेगी। वहीं, हार्दिक पांड्या उपकप्तानी करते दिखेंगे। टीम में दो विकेटकीपर शामिल किए गए हैं।

रिंकू सिंह को क्यों नहीं मिला मौका?

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार रिंकू सिंह को मौका नहीं दिया। इस पर भज्जी ने चर्चा की। उन्होंने कहा, टीम कुल मिलाकर अच्छी है, लेकिन मुझे लगता है कि टीम में एक तेज गेंदबाज कम है और रिंकू सिंह को शामिल किया जाना चाहिए था। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो 20 गेंदों में 60 रन बनाकर भारत को जीत दिला सकते हैं। चार स्पिनर बहुत ज्यादा हैं, तीन ही काफी थे। एक मैच में चार स्पिनर कभी भी एक साथ नहीं खेलेंगे। अब जब टीम का चयन हो गया है तो मैं टीम इंडिया को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कप वापस लाओ।

पंत-सैमसन को मिला मौका

टीम में दो विकेटकीपर शामिल किए गए हैं। इनमें ऋषभ पंत और संजू सैमसन शामिल हैं। वहीं, केएल राहुल को टीम से बाहर कर दिया है। राहुल पिछले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के हिस्सा थे। पूर्व गेंदबाज ने कहा, ऋषभ पंत आईपीएल में अच्छा खेल रहे थे। चोट से बाहर आने के बाद वह फिट दिख रहे थे, उनकी विकेटकीपिंग अच्छी थी। बल्लेबाजी भी अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं थी लेकिन अच्छी थी। इसलिए मुझे लगता है कि यह फैसला ठीक है। लेकिन संजू सैमसन बहुत अच्छा खेल रहे हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि संजू सैमसन को पहले मौका दिया जाए क्योंकि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं...यह देखकर अच्छा लग रहा है कि ऋषभ पंत वापस आ गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऋषभ पंत भारत के लिए अच्छा खेलेंगे और कुछ खास करेंगे।

आईपीएल 2024 इज्जत कमानी पड़ती है, प्लेऑफ का सफर खत्म होने के बाद धोनी ने कही दिल जीत लेने वाली बात, जानें

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स का सफर समाप्त हो चुका है। आरसीबी ने 18 मई को बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में टीम को करारी शिकस्त दी और प्लेऑफ में जगह बनाई। इस मैच के बाद धोनी का एक बयान काफी चर्चाओं में बना हुआ है। उन्होंने कहा, एक कप्तान के रूप में इज्जत कमानी पड़ती है। आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स का सफर समाप्त हो चुका है। आरसीबी ने 18 मई को बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में टीम को करारी शिकस्त दी और प्लेऑफ में जगह बनाई। इस मैच के बाद धोनी का एक बयान काफी चर्चाओं में बना हुआ है। उन्होंने कहा, ÷एक कप्तान के रूप में इज्जत कमानी पड़ती है। धोनी के नेतृत्व में सीएसके ने पांच बार आईपीएल के इतिहास अपने नाम किया। हालांकि, यह सीजन टीम के लिए कुछ खास नहीं रहा। इस बीच धोनी का एक बयान काफी चर्चाओं में हैं जिसमें वह कप्तानी को लेकर चर्चा कर रहे हैं। दरअसल, दुबई आई 103.8 से खास बातचीत के दौरान धोनी ने दिल जीत लेने वाली बात कही। उन्होंने कहा, एक लीडर के तौर पर आपको इज्जत कमानी पड़ी है। आप लोगों को आदेश देकर इज्जत हासिल नहीं कर सकते। इज्जत आपको कमानी ही होगी। आपको उदाहरण देकर खुद को साबित करना होता है। कामयाबी के वक्त तो आप बता सकते हैं कि हमें ये करना चाहिए

लेकिन जब मुश्किल समय आता है तो वो मौका होता है जब आपके व्यवहार में कोई फर्क नहीं आना चाहिए। वो समय होता है जब आप इज्जत हासिल करते हैं।

चेपॉक में थाला ने लिया था लैप ऑफ ऑनर – चेन्नई ने अपने घर में आखिरी मुकाबला राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला था। चेपॉक में पांच विकेट से जीत के बाद लैप ऑफ ऑनर लिया था। उन्होंने साथी खिलाड़ियों के साथ स्टेडियम के चक्कर लगाए और टीम को हमेशा समर्थन देने के लिए फैंस का आभार भी जताया था। इस दौरान थाला का साथ देने के लिए चिन्ना थाला सुरेश रैना भी मौजूद रहे थे। वहीं, टीम मैनेजमेंट ने सभी खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक पहनाया था। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

आरसीबी के खिलाफ गरजा धोनी का बल्ला – आरसीबी के खिलाफ खेले गए 68वें आईपीएल मैच में धोनी आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और 13 गेंदों में 25 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 192.30 के स्ट्राइक रेट से तीन चौके और एक छक्का लगाया। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे और आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर यश दयाल ने उन्हें स्वप्निल सिंह के हाथों कैच आउट कराया। माना जा रहा है कि धोनी अपने करियर का आखिरी मुकाबला खेलने के लिए उतरे थे। हालांकि, अब तक स्टार क्रिकेटर की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पेरिस ओलंपिक के लिए नहीं होगा ट्रायल, एक पहलवान ने कोर्ट की तरफ किया रूख : सूत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय कुश्ती संघ ने बड़ा फैसला लिया है, जिससे एक बार फिर डब्ल्यूएफआई और पहलवानों के बीच ठन गई है। हालांकि, इस फैसले से विनेश फोगाट समेत 6 पहलवानों का रास्ता पेरिस ओलंपिक के लिए साफ हो गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने आईएएनएस को बताया कि सात सदस्यीय चयन समिति ने पेरिस ओलंपिक के लिए कोई ट्रायल आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि सात सदस्यीय चयन समिति ने पेरिस ओलंपिक के लिए कोई ट्रायल आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। संजय सिंह ने कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए कुश्ती में कोई ट्रायल नहीं कराने का फैसला किया गया है, इसलिए सभी छह कोटा धारक 2024 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

हालांकि, सूत्रों ने बताया कि एक सीनियर भारतीय पहलवान इस फैसले से खुश नहीं है और डब्ल्यूएफआई द्वारा दिए गए फैसले को चुनौती देने के लिए कोर्ट की तरफ रूख किया है।

इस बीच, पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता अंतिम पंघाल के परिवार ने डब्ल्यूएफआई के फैसले का स्वागत किया और कहा कि वे ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

परिवार के एक सदस्य ने बताया कि अब वे बिना किसी तनाव के ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, डब्ल्यूएफआई को बहुत-बहुत धन्यवाद। अंतिम वर्तमान में साई हिसार केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं। 2024 खेलों में भारत के दल में छह पहलवान होंगे और पांच कोटा महिलाओं के माध्यम से आएंगे। अमन सहरावत और निशा दहिया ने इस्तांबुल, तुर्की में विश्व ओलंपिक कुश्ती क्वालीफायर में भारत के कोटा की संख्या छह तक पहुंचा दी। 50 किग्रा वर्ग में विनेश फोगाट, 53 किग्रा में अंतिम पंघाल, 57 किग्रा में अंशू मलिक और 76 किग्रा वर्ग में रीतिका हुडा पहले ही अलग-अलग क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके थे।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आयोग के खिलाफ गुवाहाटी हाई कोर्ट जाएगी कांग्रेस, पुलिस कर्मियों के वोटिंग करने से जुड़ा है मामला

आइजोल। मिजोरम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) ने कहा कि वह चुनाव आयोग के खिलाफ गुवाहाटी हाई कोर्ट जाएगी। प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर अन्य राज्यों में चुनावी ड्यूटी में तैनात करीब 1047 पुलिस कर्मियों के मतदान की सुविधा नहीं देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि राज्य में 19 अप्रैल को हुए लोकसभा चुनाव में यह पुलिस कर्मी मतदान करने में विफल रहे। बताया जाता है कि कांग्रेस ने 13 मई को ही प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर कहा था कि वह पुलिस कर्मियों का मतदान कराने के लिए उचित कदम उठाएं। कांग्रेस का कहना है कि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में चुनाव ड्यूटी में लगने के कारण मतदान नहीं कर पाए, क्योंकि चुनाव आयोग ने कोई व्यवस्था नहीं की थी। पार्टी का कहना है कि उन्होंने पुलिस कर्मियों के मतदान के लिए गुवाहाटी हाईकोर्ट की आइजोल पीठ में जनहित याचिका दायर की है, ताकि मतगणना से पहले पुलिस कर्मियों को मतदान करने को मिले। अधिकारियों ने बताया कि इन पुलिस कर्मियों को सुविधा केंद्रों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना था, लेकिन राज्य से उनकी रवानगी से पहले ऐसी व्यवस्था नहीं हो पाई थी। चूंकि तब तक क्षेत्र के प्रत्याशी ही तय नहीं हुए थे। लिहाजा उन्होंने चुनाव आयोग से दो बार अपील की थी, जिसे उसने ठुकरा दिया है।

देश की ओपन एयर जेलों का क्षेत्र कम नहीं करें, सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न नामों से खुली जेलों पर विशेष ध्यान रखने की दी हिदायत

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने देश में स्थापित ओपन एयर जेलों के क्षेत्र को कम करने का प्रयास नहीं करने के निर्देश दिए हैं। सेमी-ओपन या ओपन जेलों में दोषियों को परिसर के बाहर काम करने का मौका मिलता है। अपनी आजीविका कमाकर वह शाम को जेल में लौट आते हैं। इन कम बंदिशों वाली जेलों को स्थापित करने का उद्देश्य दोषियों को समाज से तालमेल बिठाने में मदद करना और जेल के बाहर सामान्य जीवन जीने में मनोवैज्ञानिक दबाव कम करना है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने जेलों और कैदखानों के विषय में न्याय मित्र के तौर पर नियुक्त प्रख्यात वकील के.परमेश्वर की राय ली है। के.परमेश्वर ने एक मॉडल मैनुअल ड्राफ्ट पेश किया, जिसे केंद्र सरकार ने तैयार किया है। इसके तहत ओपन एयर कैंपों, संस्थानों और जेलों के लिए तालिका तैयार की गई है। खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि देश में जहां कहीं भी ओपन एयर कैंप, संस्थान या जेलें हों उनके फैलाव या क्षेत्र को कम नहीं किया जाए। अदालत में पेश किए गए रिकार्ड में विभिन्न नामों से ऐसी कई खुली जेलों पर विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गई है। सर्वोच्च अदालत ने राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल और बंगाल को ऐसी जेल सुविधाओं को सर्वश्रेष्ठ व्यवस्थाओं, नियमों और दिशा-निर्देशों के तहत संचालित करने को कहा है। साथ ही नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (नालसा) से जुड़ कर जेलों के विस्तार और प्रबंधन पर काम किया जाए। खंडपीठ के विगत 17 मई के आदेश में कहा गया है कि वह केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देशित करते हैं कि हाल के सालों में आए मॉडल जेल मैनुअल, 2016 और मॉडल जेल अधिनियम, 2023 कानूनों के संदर्भ में वह यथास्थिति रिपोर्ट दें। खंडपीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि जयपुर में सांगानेर ओपन एयर कैंप के क्षेत्र को कम करने का प्रस्ताव है।

दादा और पार्टी की इज्जत के लिए भारत लौट आओ, चाचा कुमारस्वामी की भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से अपील

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की हासन लोकसभा सीट से जेडीएस सांसद और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना अभी तक भारत नहीं लौटे है। कर्नाटक यौन उत्पीड़न मामले में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को अपने भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से देश लौटने और जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करने की अपील की। प्रज्वल रेवन्ना यौन उत्पीड़न मामले में नाम आने के बाद से भारत से बाहर हैं।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने भतीजे रेवन्ना से देश वापस लौटने की अपील की। उन्होंने कहा, मैं मीडिया के माध्यम से प्रज्वल रेवन्ना से अनुरोध करता हूं कि वह जिस भी देश में हों, वहां से वापस आ जाएं। कोई डर नहीं होना चाहिए। इस देश का कानून प्रभावी है। यह लुका-छिपी का खेल कब तक खेला जा सकता है कुमारस्वामी ने दोहराया कि अगर प्रज्वल रेवन्ना को उनके दादा के प्रति जरा भी सम्मान है

तो उन्हें भारत वापस आकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं आपसे हाथ जोड़कर अपील करता हूं। आपको 24 से 48 घंटे के अंदर सरेंडर कर देना चाहिए। लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं ने हमें वोट दिया है। आप कब तक विदेश में रहना चाहते हैं कृपया भारत वापस आएं और अधिकारियों के सामने पेश हों। कोई निष्कर्ष निकलना चाहिए। छिपने की कोई जरूरत नहीं है।

कुमारस्वामी ने कहा, मैं अपने पिता के माध्यम से यह संदेश देना चाहता था। उन्होंने (एचडी देवेगौड़ा) प्रज्वल रेवन्ना को राजनीति में आगे बढ़ने के लिए अपना पूरा समर्थन दिया। अगर प्रज्वल रेवन्ना अपने दादा और पार्टी कार्यकर्ताओं को कोई सम्मान दिलाना चाहते हैं, तो उन्हें भारत वापस आ जाना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, मैं इस कांड के पीड़ितों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगता हूं। मैं उनका दर्द समझ सकता हूं। उन्हें इस स्थिति में किसने धकेला ऐसे कई मामले हुए हैं, हालांकि उनकी गंभीरता कम हो सकती है। यह एक घिनौना मामला है और यह सोचकर हम सभी का सिर शर्म से झुक जाता है। बता दें कि कांग्रेस सरकार प्रज्वल रेवन्ना को भारत वापस लाने की मांग कर रही है। इस पर कुमारस्वामी ने कहा कि मैंने कई बार कहा है कि वह लंबे समय से मेरे संपर्क में नहीं है। इस त्रासदी के लिए एक व्यक्ति जिम्मेदार है। दूसरे व्यक्ति ने इस घोटाले को दुनिया के सामने ला दिया और पीड़ितों के परिवारों को बर्बाद कर दिया।

सत्तारूढ़ पार्टी पर पलटवार करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस मेरे परिवार को निशाना बनाने के लिए सैकड़ों प्रयास करे। मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुझे लड़ने की ताकत दी है। सवाल यह है कि यह कैसे शुरू हुआ यह मतदान से एक दिन पहले कैसे शुरू हुआ। अगर हमें घोटाले के बारे में पता होता, तो हम ऐसा नहीं होने देते। अगर मुझे घोटाले के बारे में पहले पता होता, तो मैं प्रज्वल रेवन्ना को देश छोड़कर नहीं जाने देता। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है। एक अदालत ने 33 वर्षीय प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, जबकि इंटरपोल ने भी उसके ठिकाने के बारे में जानकारी मांगने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

भेज रहे हैं स्नेह निमंत्रण मतदाता तुम्हें बुलाने को, 25 मई भूल न जाना.. ईसी ने वोटर्स को भेजे शादी जैसे कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। पहली बार मतदाताओं को मतदान के लिए बुलाने को निमंत्रण कार्ड भेजे जा रहे हैं। कार्ड में छपा है 'भेज रहे हैं स्नेह निमंत्रण मतदाता तुम्हें बुलाने को, 25 मई भूल न जाना, वोट डालने आने को' इससे मिलता जुलता संदेश अमूमन शादी के कार्ड में पढ़ने को मिलता है। लेकिन, ऐसा ही कार्ड अब मतदाताओं के घरों पर भी पहुचाएं जा रहे हैं।

मतदाताओं को धूप से बचाने को विवाह उत्सव जैसा शमियाना, ठंडा पेयजल, दवाई आदि का इंतजाम किया जाएगा। हरियाणा में पहली बार 50 लाख से अधिक घरों में भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह कार्ड जिन भी घरों में पहुंचा, पढ़कर लोग खुश है। मतदान करने अवश्य जाने का संकल्प लेते हैं। मतदाताओं के पास भेजे गए इस निमंत्रण कार्ड में सबकुछ शादी के कार्ड जैसा ही लिखा हुआ है। कार्ड में मतदान की तिथि 25 मई, समय सुबह 7 बजे से सांय 6 बजे तक लिखा है।

स्वागतकर्ता बूथ लेबल अधिकारी, निवेदक-जिला निर्वाचन अधिकारी, दर्शनाभिलाषी पीठासीन अधिकारीएवं समस्त मतदान दल के सदस्य और बाल मनुहार मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा की तरफ से लगाई गई है। निमंत्रण कार्ड का रंग लाल और बेहतर ढंग से डिजाइन किया गया है। यह कवायद हरियाणा में मतदान प्रतिशत 75 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए की गई है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में गुलाबी मतदान केंद्र स्मार्ट सिटी के विभिन्न इलाकों में महिलाओं

को केंद्रित करते हुए गुलाबी (पिंक) मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक या दो मतदान केंद्रों को गुलाबी मतदान केंद्र बनाने की तैयारी है। इन्हे गुलाबी रंग के गुब्बारों से सजाया जाएगा। महिला सशक्तिकरण की प्रोत्साहित करती तस्वीरें के साथ विशेष सेल्फी प्वाइंट तैयार किए जाएंगे। इन केंद्रों पर बाल देखभाल और महिला मतदाताओ के इंतजार के लिए सौफे लगाए जाएंगे। स्मार्ट सिटी के 200 मतदान केंद्रों स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट बनेंगे। जहां मतदाता लोकतंत्र के पर्व को यादगार बनाने के लिए मतदान के बाद ले यादगार सेल्फी ले सकेंगे। फरीदाबाद जिले में करीब 1572 मतदान केंद्र हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय ने पुलिस के सुझाव पर जिले में नौ मतदान केंद्रों को अति असुरक्षित पहचान की गई है। ये सभी पृथला विधानसभा क्षेत्र में हैं। इसमें असावटी के मतदान केंद्र संख्या-89,90, 91,92, व 93 ओर छायंसा के मतदान केंद्र संख्या 117, 118, 119 व 120 की पहचान असुरक्षित मतदान केंद्र के रूप में की गई है।

एनसीआर के लिए गुडन्यूज, अब नमो भारत में सफर के साथ शॉपिंग-खानपान का लें मजा

किन-किन स्टेशनों पर सुविधा

नईदिल्ली, एजेंसी। नमो भारत ट्रेन से सफर करने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। अब इस रूट पर यात्रा के दौरान आपको सभी स्टेशनों पर खानपान, खरीदारी और बैंकिंग की सुविधा मिलेगी। यह सुविधाएं स्टेशन परिसर के अंदर प्रवेश और निकास क्षेत्र के पास वाणिज्यिक स्थानों पर उपलब्ध होंगी। नमो भारत ट्रेनों में 10 लाख यात्री सफर कर चुके हैं। रोजाना यात्रियों की संख्या बढ़ने का दावा किया जा रहा है। इसे देखते हुए स्टेशन परिसर में यात्री सुविधा में वृद्धि की जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए संचालित खंड के स्टेशन पर सुविधा देने के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं।

पहले चरण में साहिबाबाद, गुलधर और दुहाई स्टेशन के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। वर्तमान में साहिबाबाद से मोदी नगर नॉर्थ के बीच 34 किलोमीटर लंबे खंड के आठ स्टेशन पर नमो भारत ट्रेन चल रही हैं। साहिबाबाद स्टेशन पर वसुंधरा और साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र से सटे प्रवेश-निकास ब्लॉक में 165 वर्ग मीटर क्षेत्र की निविदा खुली है। यह स्थान मदन मोहन मालवीय रोड पर स्थित है जहां रेस्तरां, आउटलेट्स, शॉपिंग आउटलेट्स, बैंकों और कार्यालयों जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए एक बेहतर अवसर है। इसी तरह गाजियाबाद,

गुलधर, दुहाई स्टेशन के प्रवेश-निकास ब्लॉक में भी सभी सुविधा मिलेंगी।

साहिबाबाद से मोदीनगर नॉर्थ के बीच 34 किलोमीटर के सेक्शन में आठ स्टेशनों पर नमो भारत ट्रेन चल रही हैं। इस सेक्शन में साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ और मोदीनगर नॉर्थ स्टेशन हैं। जल्द ही संचालित सेक्शन के अन्य स्टेशनों में उपलब्ध वाणिज्यिक स्थानों के लिए यह प्रक्रिया शुरू होगी। जल्द ही मेरठ साउथ स्टेशन तक होने की उम्मीद है। इस स्टेशन के जुड़ने से आरआरटीएस के संचालित खंड की लंबाई 42 किमी हो जाएगी।

एनसीआरटीसी ने एक बयान में कहा कि पूरा कॉरिडोर 82 किलोमीटर का है, निर्माणाधीन हिस्सों पर निर्माण तेजी से चल रहा है। इसमें कहा गया है कि जून 2025 तक पूरे कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन का परिचालन शुरू किये जाने का लक्ष्य है।

खामेनेई के बेटे को मिल सकता है ईरान के राष्ट्रपति का पद

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत ने देश में एक राजनीतिक अस्थिरता भी पैदा कर दी है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से बीते 45 सालों में ईरान एक कट्टरपंथी देश के तौर पर देखा जाता रहा है। अयातुल्ला अली खामेनेई उसके शीर्ष नेता हैं, जो धार्मिक और राजनीतिक दोनों ही मामलों में टॉप पोजिशन रखते हैं। उनकी उम्र 85 साल है और माना जा रहा था कि इब्राहिम रईसी ही उनकी जगह लेंगे। अब इब्राहिम रईसी की 63 साल की उम्र में हेलिकॉप्टर क्रैश में मौत होने से एक शून्य पैदा हो गया है, जिसे भरने की कोशिश हो रही है। खामेनेई समर्थक देश का कट्टरपंथी तबका चाहता था कि रईसी ही उनकी जगह लें।

यह ठीक वैसे ही था, जैसे खुद अयातुल्लाह खामेनेई 1989 में देश के सर्वोच्च नेता बनने से पहले 1989 तक राष्ट्रपति के पद पर थे। ईरान में सुप्रीम लीडर के पास ही सबसे ज्यादा ताकत होती है। अब तक रईसी ही इस पद के हकदार माने जा रहे थे, लेकिन फिलहाल जो हालात हैं, उसमें पहले राष्ट्रपति को ही चुना पड़ेगा। अब राष्ट्रपति पद की बात करें तो इस रेस में खुद खामेनेई के दूसरे बेटे मुजतबा भी

शामिल हैं। कहा जाता है कि मुजतबा खामेनेई तो रईसी से पहले ही राष्ट्रपति बनने की रेस में थे, लेकिन खामेनेई ने ही इसका विरोध किया। मुजतबा पहले ही उनका कामकाज संभाल रहे हैं और भरोसेमंद भी हैं, जिन पर सेना से लेकर तमाम धर्म गुरु भरोसा करते हैं। उनका कहना था कि यदि मेरे ही बेटे को राष्ट्रपति बना दिया गया तो संदेश जाएगा कि ईरान वंशवादी शासन व्यवस्था वाला देश बन गया है, जैसा कभी पहले की अमेरिका समर्थित सरकारों में होता था। इब्राहिम रईसी की असमय मौत के बाद अब मुजतबा फिर से मुकाबले में आ गए हैं। मुजतबा ईरान के ज्यादातर राजनीतिक मामलों में सक्रिय रहे हैं। इसके अलावा सेना से भी उनके अच्छे संबंध हैं। ऐसे में यदि वे राष्ट्रपति के पद पर काबिज हो जाएं तो कोई हैरानी की बात नहीं होगी। एक पूर्व ईरानी अधिकारी का कहना है कि ईरान की सेना रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स और कई प्रभावशाली धर्मगुरु चाहते हैं कि जल्दी ही देश के राष्ट्रपति के अलावा सुप्रीम लीडर के उत्तराधिकार को लेकर भी फैसला हो जाए। अमेरिका स्थित ईरान मामलों के एक्सपर्ट एलेक्स वातांका ने कहा कि इब्राहिम रईसी के बाद नए नेता को चुनने में आतंरिक कलह बढ़ सकती है। यही नहीं हालात ईरान में उसी तरह के हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट से नेतन्याहू के खिलाफ वारंट जारी करने की अपील की, इजरायल ने जताया विरोध

यरुशलम , एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के मुख्य अभियोजक ने युद्ध के दौरान की गई कार्रवाई को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित इजरायल और हमास के नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग की है।

करीम खान ने कहा कि उनका मानना है कि नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योव गैलेंट और तीन हमास नेता (येहिया सिनवार, मोहम्मद दीफ और इस्माइल हनियेह) गाजा पट्टी और इजरायल में युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं।

तीन न्यायाधीशों का एक पैनल अभियोजक के साक्ष्य पर विचार करेगा और यह निर्धारित करेगा कि गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए या नहीं। यह भी देखा जाएगा कि मामले को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए या नहीं।इजरायल अंतरराष्ट्रीय अदालत का सदस्य नहीं है, इसलिए अगर गिरफ्तारी वारंट जारी भी किया जाता है, तो नेतन्याहू और गैलेंट को अभियोजन के किसी भी तत्काल जोखिम का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन करीम खान की इस मांग से इजरायली नेताओं के लिए विदेश यात्रा करना मुश्किल हो सकता है।

मुख्य अभियोजक का निर्णय एक ऐतिहासिक अपमानः इजरायली विदेश मंत्री ने कहा कि उनके नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग करने का मुख्य अभियोजक का निर्णय एक ऐतिहासिक अपमान है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि वह ऐसी किसी भी कार्रवाई के खिलाफ लड़ने के लिए विशेष समिति बनाएंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए विश्व नेताओं के साथ काम करेंगे कि इजरायल के नेताओं पर ऐसे किसी भी वारंट को लागू न किया जाए। वहीं, हमास ने भी अपने नेताओं की गिरफ्तारी की मांग करने के आइसीसी अभियोजक के अनुरोध की निंदा की है।

अमेरिका ने बांग्लादेश के पूर्व सेना प्रमुख जनरल अजीज अहमद पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के कारण सोमवार को प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि उनके कदमों ने बांग्लादेशी लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं में लोगों के भरोसे को कमजोर किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, ''अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर बड़े भ्रष्टाचार में संलिप्तता के कारण प्रतिबंध लगाने की आज सार्वजनिक रूप से घोषणा की। मिलर ने कहा, ''उनके (अहमद के) कदमों ने बांग्लादेश के लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थानों और प्रक्रियाओं में जनता के विश्वास को कम करने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि अजीज अहमद ने बांग्लादेश में आपराधिक गतिविधियों के लिए जवाबदेही से बचने में अपने भाई की मदद करने के लिए सार्वजनिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करके बड़ा भ्रष्टाचार किया। मिलर ने कहा कि अजीज ने अपने भाई के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया कि सैन्य अनुबंध अनुचित तरीके से दिए जाएं और वे अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए सरकारी नियुक्तियों के बदले में रिश्वत ले सकें।

उन्होंने कहा, ''यह प्रतिबंध बांग्लादेश में लोकतांत्रिक संस्थानों एवं कानून के शासन को मजबूत करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अमेरिका सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं किफायती बनाने, व्यापार एवं नियामक संबंधी माहौल में सुधार करने और धनशोधन एवं अन्य वित्तीय अपराधों की जांच करने एवं उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए क्षमता निर्माण में सहायता करके बांग्लादेश में भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों का समर्थन करता है।

मस्क इंडोनेशिया में श्रीलंकाई राष्ट्रपति से मिले

स्टारलिंक को अमल में लाने पर चर्चा की

जकार्ता, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने रविवार को 10वें विश्व जल मंच के दौरान इंडोनेशिया में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। यह जानकारी श्रीलंकाई राष्ट्रपति के मीडिया डिवीजन (पीएमडी) ने दी। पीएमडी ने एक्स पर एक पोस्ट में उल्लेख किया कि विक्रमसिंघे ने टेक-अरबपति के साथ श्रीलंका में स्टारलिंक सेवा को कार्यरूप देने पर चर्चा की और यह भी उल्लेख किया कि वह देश को वैश्विक स्टारलिंक नेटवर्क से जोड़ने के लिए आवेदन प्रक्रिया को तेजी से ट्रैक करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीएमडी ने लिखा, इंडोनेशिया में 10वीं विश्व जल मंच उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका में स्टारलिंक के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए एलन मस्क से मुलाकात की। श्रीलंका के जल आपूर्ति और संपदा अवसंरचना विकास मंत्री जीवन थोंडामन भी विक्रमसिंघे के साथ इंडोनेशिया गए थे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति और मस्क ने श्रीलंका की रिकवरी, आर्थिक क्षमता और नए निवेश के अवसरों पर चर्चा की।

थोंडामन ने कहा, राष्ट्रपति ने विश्व जल मंच के लिए मेरे साथ बाली की अपनी 2 दिवसीय यात्रा के दौरान आज एलन मस्क से मुलाकात की। राष्ट्रपति और मस्क ने श्रीलंका की रिकवरी, आर्थिक क्षमता और निवेश के नए अवसरों पर चर्चा की। टेक-अरबपति दक्षिण पूर्व एशियाई देश में स्पेसएक्स की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा के नियोजित लॉन्च से पहले रविवार सुबह इंडोनेशिया पहुंचे।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129